नई सोच एक्सप्रेस

हर खबर पर पैनी नजर

(बिहार और झारखंड से प्रकाशित हिन्दी दैनिक)

पेज : 08

टी20 विश्वकप में भारतीय टीम को ओस से ...

www.naisochlive.com | पटना, शुक्रवार, 6 फरवरी 2026, वर्ष- 08, अंक- 339, पृष्ठ-12, मूल्य - 3:00 | naisochexpress@gmail.com

कांग्रेस सांसद पीएम मोदी पर कर सकते थे हमला इसलिए मैंने उन्हें लोकसभा आने से रोका : बिरला

लोकसभा की कार्यवाही शुक्रवार तक के लिए स्थगित

एजेंसी। नई दिल्ली

लोकसभा में लगातार हो रहे हंगामे के बीच गुरुवार को एक बड़ा राजनीतिक विवाद खड़ा हो गया, जब लोकसभा स्पीकर ओम बिरला ने दावा किया कि उन्होंने स्वयं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को सदन में आने से रोका था। स्पीकर का कहना था, कि उन्हें आशंका थी कि कांग्रेस के कुछ सांसद प्रधानमंत्री पर शारीरिक हमला कर सकते हैं, जिससे लोकतंत्र की मर्यादा को गंभीर ठेस पहुंचती। स्पीकर बिरला ने कहा कि बुधवार को लोकसभा में हालात बेहद अप्रत्याशित और चिंताजनक हो गए थे। उन्होंने बताया कि यदि प्रधानमंत्री उस दिन सदन में आते और कोई अप्रिय घटना हो जाती, तो यह संसद और लोकतंत्र दोनों के लिए शर्मनाक स्थिति होती। इसी कारण उन्होंने प्रधानमंत्री से आग्रह किया कि वे सदन में न आएं। अंततः प्रधानमंत्री मोदी के जवाबी भाषण के बिना ही राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव को मंजूरी दे दी गई। स्पीकर बिरला ने यह भी कहा, कि विपक्ष के कुछ सांसदों का आचरण लोकसभा के इतिहास में काले धब्बे के रूप में दर्ज हो गया है। उन्होंने

आरोप लगाया कि कांग्रेस के कुछ सांसद किसी गलत हरकत की योजना बना रहे थे। इसी वजह से प्रधानमंत्री के भाषण को टालना पड़ा। उल्लेखनीय है कि वर्ष 2004 के बाद यह पहला मौका है जब राष्ट्रपति के अभिभाषण पर चर्चा का जवाब प्रधानमंत्री नहीं दे सके और बिना उनके भाषण के ही धन्यवाद प्रस्ताव पारित कर दिया गया।

अपराजिता ने किया समर्थन : भाजपा सांसद अपराजिता सारंगी ने भी स्पीकर बिरला के बयान का समर्थन किया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी की सुरक्षा को लेकर वास्तविक खतरा था और लोकसभा स्पीकर ने समय रहते सही निर्णय लिया। उन्होंने कहा कि इसके लिए प्रधानमंत्री और देश की जनता को स्पीकर का आभार व्यक्त करना चाहिए।

विपक्ष ने आरोपों को खारिज किया : हालांकि विपक्ष ने इन आरोपों को सिरे से खारिज कर दिया है। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी ने स्पीकर के दावे को गलत बताते हुए कहा कि यह पूरी तरह निराधार है। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि अगर तीन महिला सांसद प्रधानमंत्री के पास जाकर खड़ी हो गईं तो क्या इससे उनकी सुरक्षा को खतरा हो गया? प्रियंका गांधी ने मीडिया से सवाल किया कि वे सरकार से यह क्यों नहीं पूछते कि लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी को बोलने क्यों नहीं दिया गया और इसके पीछे क्या आधार था।

लोकसभा की कार्यवाही शुक्रवार तक के लिए स्थगित : इस पूरे घटनाक्रम के बीच हंगामे के कारण लोकसभा की कार्यवाही शुक्रवार तक के लिए स्थगित कर दी गई। भाजपा नेता रविशंकर प्रसाद ने विपक्ष पर तीखा हमला करते हुए कहा कि आखिर विपक्ष चाहता क्या है, प्रधानमंत्री का रास्ता रोकना, उन्हें घेर लेना? उन्होंने कहा कि संसद को जिस स्तर तक गिराया जा रहा है, उससे हर लोकतांत्रिक सोच रखने वाला व्यक्ति दुखी है।

राष्ट्रपति के अभिभाषण पर लोकसभा में धन्यवाद प्रस्ताव बिना जवाब के ही ध्वनिमत से पारित

नई दिल्ली। लोकसभा में विपक्षी दलों के आठ सदस्यों के निलंबन और नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी को बोलने देने की मांग पर हंगामे के बीच सदन की कार्यवाही पहले 12 बजे तक और फिर 02 बजे तक के लिए स्थगित कर दी गयी। इस दौरान हंगामे के बीच सदन ने राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव को बिना जवाब के ही ध्वनिमत से पारित कर दिया। लोकसभा की कार्यवाही गुरुवार को पूर्वाह्न 11 बजे शुरू होते ही अध्यक्ष ओम बिरला ने कहा कि उन्हें कई स्थगन प्रस्तावों की सूचना मिली है, लेकिन किसी को अनुमति नहीं दी गई। इस दौरान नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा राज्यमंत्री श्रीपद यशो नाईक, सूचना एवं प्रसारण राज्यमंत्री डॉ. एल. मुरुगन और पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस राज्यमंत्री सुरेश गोपी ने अपने-अपने मंत्रालयों से जुड़े दस्तावेज सदन के पटल पर रखे। कार्यवाही शुरू होते ही विपक्षी सदस्य हाथों में बैनर, पोस्टर और तख्तियां लेकर सदन के बीचोंबीच पहुंच गए और सरकार विरोधी नारे लगाने लगे। लोकसभा अध्यक्ष ने विपक्षी सदस्यों को चेतावनी दी कि हाथों में तख्तियां लेकर आने पर उन्हें बोलने का अवसर नहीं दिया जाएगा। इसके बावजूद विपक्षी सदस्यों का हंगामा जारी रहा। इसके बाद राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर अनेक संशोधन प्रस्तुत किए गए, जिन्हें मतदान के बाद अस्वीकृत कर दिया गया। इस दौरान हंगामे के बीच ही धन्यवाद प्रस्ताव को ध्वनिमत से पारित कर दिया गया। अध्यक्ष ओम बिरला ने विपक्षी सदस्यों से अपील की कि वे सदन को चलने दें और सभी को बजट पर बोलने का अवसर दें। उन्होंने कहा कि लगातार हंगामा करना सदन का अपमान है लेकिन विपक्षी सदस्यों के विरोध के चलते कार्यवाही को 2 बजे तक स्थगित कर दिया गया। गौरतलब है कि बुधवार को विपक्ष की महिला सदस्य बैनर लेकर प्रधानमंत्री की सीट के पास पहुंच गई थीं, जिसके चलते कार्यवाही स्थगित करनी पड़ी थी।

राज्यसभा में सत्तापक्ष-विपक्ष में तीखी नोकझोंक

नड्डा बोले- कांग्रेस को 'अबोध बालक' ने बनाया बंधक

एजेंसी। नई दिल्ली

राज्यसभा की कार्यवाही गुरुवार को शुरू होते ही सत्तापक्ष और विपक्ष के बीच तीखी नोकझोंक देखने को मिली। सभा की शुरुआत में जब विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खरगे ने आरोप लगाया कि नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी को लोकसभा में बोलने से रोका जा रहा है। इस पर संसदीय कार्यमंत्री किरेन रिजिजू ने कहा कि सदन की कार्यवाही में बाधा डालना नियमों के खिलाफ है। उन्होंने कहा कि लोकसभा से जुड़े मामलों पर राज्यसभा में चर्चा नहीं की जा सकती। रिजिजू ने विपक्षी सदस्यों से सदन के नियमों और परंपराओं का पालन करने की अपील की। रिजिजू ने कहा, "सदन के सभी सदस्य प्रधानमंत्री का भाषण सुनने के लिए इंतज़ार कर रहे हैं। अगर कांग्रेस सदस्य उनका भाषण नहीं सुनना चाहते, तो यह उनका निर्णय है, लेकिन वे दूसरों को सुनने से नहीं रोक सकते।" उन्होंने कहा कि लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी सदन के नियमों का पालन नहीं करते। इसके बाद सदन के नेता जेपी नड्डा ने कहा कि "राज्यसभा में विपक्ष के नेता को यह समझना चाहिए कि लोकसभा की कार्यवाही पर राज्यसभा में चर्चा नहीं की जा सकती। इस संबंध में पूर्व सभापतियों द्वारा फैसले दिए जा चुके हैं। अगर उन्हें चर्चा करनी है तो वे अपनी पार्टी के सदस्यों से लोकसभा में इस पर चर्चा करने को कहें। मैं कांग्रेस और देश को यह संदेश देना चाहता हूं कि मोदी सरकार हर विषय पर चर्चा के लिए तैयार है। उन्होंने कहा, "लोकसभा में उठाए गए सवालों का जवाब देने के लिए प्रधानमंत्री मोदी पूरी तरह तैयार थे, लेकिन आपने सदन को चलने नहीं दिया। आपने भारत–अमेरिका व्यापार समझौते पर बयान की मांग की थी, जिस पर पीयूष गोयल ने बयान दिया। विपक्ष के नेता ने तय समय से 20 मिनट अधिक बोला, फिर भी हमने कहा कि आप और बोल सकते हैं। लोकतंत्र खतरे में है, ऐसा कहना गलत है और मैं इसकी निंदा करता हूं। एक मासूम बच्चे को बंधक बनाकर अपनी पार्टी को बंधक मत बनाइए। इस पर खरगे ने कहा कि संसद लोकसभा और राज्यसभा से मिलकर बनती है। हमारे संविधान के अनुसार दो सदन हैं लेकिन लोकसभा में विपक्ष के नेता को बोलने की अनुमति नहीं दी जा रही है। वे देशहित से जुड़े मुद्दों पर चर्चा करना चाहते थे। विपक्ष सदन को बाधित नहीं करना चाहता है लेकिन पिछले चार दिनों से सदन इसलिए नहीं चल पा रहा है क्योंकि विपक्ष के नेता को बोलने नहीं दिया जा रहा। आप अपनी गलतियों को छिपाने के लिए एक सदन को पंगु नहीं बना सकते। आपने देश के साथ विश्वासघात किया है और राष्ट्र का अपमान किया है। जब राहुल इस बारे में बात करते हैं तो 'आपको खुजली उठती है'। आपकी पार्टी भी नरेन्द्र मोदी का बंधक बनी हुई है। इस बहस में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि वह विपक्ष का सम्मान करती हैं लेकिन वह खरगे के भाषण से "लिंचिंग" शब्द हटाए जाने की मांग करती हैं।

संक्षिप्त समाचार

लोकसभा में हंगामें के बीच विपक्षी नेताओं की अहम बैठक, निलंबित सांसदों का धरना, शिवराज और चिराग ने की राहुल की आलोचना

नई दिल्ली। लोकसभा में 8 विपक्षी सांसदों के निलंबन और लगातार हंगामें के बीच गुरुवार को संसद भवन में विपक्षी दलों के फ्लोर नेताओं की अहम बैठक हुई। राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के कार्यालय में आयोजित इस बैठक में लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी भी मौजूद रहे। इसी दौरान निलंबित सांसदों ने संसद भवन के मकर द्वार पर धरना प्रदर्शन कर सरकार के खिलाफ नारेबाजी की और राहुल गांधी को सदन में बोलने का अवसर दिए जाने तक आंदोलन जारी रखने का ऐलान किया। सांसदों ने कहा कि जब तक नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी को सदन में बोलने का अवसर नहीं दिया जाएगा, उनका विरोध प्रदर्शन जारी रहेगा। इस दौरान केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने पत्रकारों से बातचीत में राहुल गांधी की आलोचना की। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी ने केंद्रीय राज्य मंत्री रवीनीत सिंह बिट्टू को 'गद्दार दोस्त' कहा, जबकि बिट्टू का परिवार आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में सबकुछ न्यौछावर कर चुका है। पार्टी का विरोध करते-करते राहुल गांधी अब देश का विरोध करने लगे हैं। केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने कहा कि कुछ नेता केवल सुर्खियों में बने रहने के लिए बयान देते हैं और विभाजनकारी राजनीति करते हैं।

ऊर्जा सुरक्षा सबसे बड़ी प्राथमिकता, वेनेजुएला समेत किसी भी नए विकल्पों के मूल्यांकन के लिए तैयारः भारत

नई दिल्ली। भारत ने कहा है कि मौजूदा अंतरराष्ट्रीय परिस्थितियों को देखते हुए उसकी सबसे बड़ी प्राथमिकता अपने 140 करोड़ लोगों की ऊर्जा सुरक्षा है। वह वेनेजुएला समेत किसी भी नए आपूर्ति विकल्प के वाणिज्यिक लाभों का मूल्यांकन करने के लिए तैयार है। भारत ने दोहराया कि वह ऊर्जा आपूर्ति में विविधता लाने का पक्षधर है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने गुरुवार को यहां साप्ताहिक पत्रकार वार्ता में एक बार फिर ऊर्जा जरूरतों और लाभकारी मूल्यों को निर्णय का आधार बताया। उन्होंने दोहराया कि भारत आपूर्ति में विविधता लाने का पक्षधर है। भारत की इस टिप्पणी को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के उस बयान से जोड़कर देखा जा रहा है, जिसमें उन्होंने दावा किया था कि भारत रूसी तेल खरीदी बंद करने पर सहमत हो गया है। उल्लेखनीय है कि भारत और अमेरिका के बीच हाल ही में व्यापार समझौता सम्पन्न हुआ है। समझौते के बाद अमेरिका ने भारतीय समानों पर लग रहा अतिरिक्त टैरिफ हटा लिया है। वहीं ट्रम्प ने दावा किया है कि भारत रूस से तेल खरीदी नहीं करेगा और वेनेजुएला को प्राथमिकता देगा। जायसवाल ने भारत अमेरिकी समझौते से जुड़े कई प्रश्नों के उत्तर दिए। प्रवक्ता ने राष्ट्रपति ट्रंप के दावे पर कहा, "ऊर्जा आपूर्ति के संबंध में सरकार ने कई मौकों पर सार्वजनिक रूप से बयान दिया है। सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता 140 करोड़ भारतीयों की ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करना है। भारत की रणनीति रही है कि अपने इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए बाजार स्थितियों और बदलते वैश्विक घटनाक्रम के अनुरूप ऊर्जा स्रोतों में विविधता लाए।

आगामी विधानसभा चुनावों के लिए केंद्रीय पर्यवेक्षकों को निर्वाचन आयोग की ब्रीफिंग

नई दिल्ली। भारत निर्वाचन आयोग ने असम, केरल, पुडुचेरी, तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल में होने वाले विधानसभा चुनावों के लिए तैनात किए जाने वाले सामान्य, पुलिस और व्यय पर्यवेक्षकों की ब्रीफिंग बैठकें आयोजित कीं। इन बैठकों में कुल 1,444 अधिकारियों को शामिल किया गया, जिनमें 714 सामान्य, 233 पुलिस और 497 व्यय पर्यवेक्षक हैं। ये सत्र 5 और 6 फरवरी को नई दिल्ली स्थित IIIDEM में तीन चरणों में आयोजित किए जा रहे हैं। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के साथ चुनाव आयुक्त डॉ. सुखबीर सिंह संधू और डॉ. विवेक जोशी ने पर्यवेक्षकों को संबोधित किया। उन्होंने पर्यवेक्षकों से स्वतंत्र, निष्पक्ष और पारदर्शी चुनाव सुनिश्चित करने पर जोर दिया। मुख्य चुनाव आयुक्त ने कहा कि पर्यवेक्षक आयोग के "प्रकाश स्तंभ" के रूप में काम करेंगे और उनकी मौजूदगी 824 निर्वाचन क्षेत्रों में चुनावी व्यवस्था को सुदृढ़ करेगी। डॉ. संधू ने पर्यवेक्षकों को क्षेत्रीय अधिकारियों के लिए "मित्र, दार्शनिक और मार्गदर्शक" बताते हुए मतदाताओं के लिए सुलभ रहने का निर्देश दिया, जबकि डॉ. जोशी ने आयोग के निर्देशों के कड़ाई से पालन और मतदाता सूचना पर्चियों के समय पर वितरण पर बल दिया। ब्रीफिंग के दौरान मतदाता सूची, आईटी अनुप्रयोगों, मीडिया प्रबंधन और मतदान केंद्रों पर न्यूनतम सुविधाओं की व्यवस्था पर भी जानकारी दी गई। आयोग ने पर्यवेक्षकों से राजनीतिक दलों व मतदाताओं की शिकायतों का त्वरित समाधान सुनिश्चित करने और जमीनी स्तर पर चुनावी प्रक्रिया की निगरानी करने को कहा।

एचएएल ने वायु सेना को समय पर एलसीए मार्क-1ए की आपूर्ति करने का भरोसा दिया

एजेंसी। नई दिल्ली

फायरिंग और मिसाइल ट्रायल्स के बाद आपूर्ति के लिए पांच तेजस मार्क-1 ए लड़ाकू विमान तैयार

हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) ने वायु सेना को समय पर एलसीए मार्क-1ए की आपूर्ति करने का गुरुवार को भरोसा दिया है। आपूर्ति के लिए पांच तेजस मार्क-1 ए लड़ाकू विमान तैयार कर हैं, जिनके फायरिंग और मिसाइल ट्रायल्स पूरे हो चुके हैं। वायु सेना इन फाइटर जेट की आपूर्ति स्वीकार करने से पहले इस साल मई में 'कॉम्बैट एयरक्राफ्ट प्रोजेक्ट' की समीक्षा करेगी। भारतीय वायु सेना ने एचएएल को दो किश्तों में 180 तेजस मार्क-1 ए लड़ाकू विमान के ऑर्डर दिए हैं। पहला ऑर्डर फरवरी 2021 में 83 लड़ाकू विमानों के लिए और दूसरा ऑर्डर पिछले साल सितंबर में 97 विमानों के लिए दिया गया था। एचएएल से दोनों सौदों के तहत वायु सेना को 141 लड़ाकू और 39 ट्रेनर विमान मिलने हैं। अभी तक एक भी विमान की आपूर्ति न होने पर वायु सेना प्रमुख कई मौकों पर अपनी नाराजगी जता चुके हैं। इस बीच मई में पाकिस्तान के साथ ऑपरेशन 'सिंदूर' के दौरान भी स्वदेशी लड़ाकू विमान की जरूरत महसूस की गई थी। दरअसल, एचएएल से वायु सेना को पहले बैच की आपूर्ति मार्च 2025 तक होनी थी, लेकिन बाद में इस टाइमलाइन को बदलकर मार्च 2026 कर दिया गया। अब तक कोई अपडेट न मिलने से 31 मार्च की अंतिम समय सीमा तक आपूर्ति पर सवालिया निशान मंडरा रहा है, क्योंकि इसे अभी अपनी पहली उड़ान भरनी बाकी है। इस बीच एचएएल ने आज वायु सेना को भरोसा दिया है कि पांच एयरक्राफ्ट आपूर्ति के लिए पूरी तरह तैयार हैं, जिसमें तय मानकों के अनुसार प्रमुख अनुबंधित क्षमताएं होंगी। एचएएल ने कहा कि नौ और एयरक्राफ्ट पहले ही बनाए और उड़ाए जा चुके हैं। अमेरिकी कंपनी जीई से इंजन मिलने पर इन एयरक्राफ्ट को भी आपूर्ति के लिए तैयार कर दिया जाएगा। एचएएल की ओर से बताया गया है कि विमानों की सभी डिजाइन और विकास के मुद्दे का तेजी से निराकरण किया जा रहा है। जल्द से जल्द विमान आपूर्ति के लिए वायु सेना के साथ बातचीत किये जाने की तैयारी है। एचएएल को आज तक अमेरिकी कंपनी से पांच इंजन मिल चुके हैं और आगे भी इंजन की आपूर्ति जल्द से होने की उम्मीद है, इसलिए एचएएल ने भरोसा दिलाया है कि वह चालू वित्त वर्ष में विमानों की आपूर्ति शुरू कर दी जाएगी।

अब तो वंदे भारत जैसी ट्रेनें फिर भी पंक्चूलिटी नहीं, रेलवे करे सुधारः पीएसी

नई दिल्ली। ट्रेनों के पंक्चुअलिटी में गिरावट देखने को मिल रही है। इस पर संसद की लोक लेखा समिति ने ट्रेनों की पंक्चुअलिटी को लेकर चिंता जताई है। लोकसभा में पेश रिपोर्ट 'ट्रेन ऑपरेशन में पंक्चूअलिटी और यात्रा समय' ने रेलवे की पोल खोल दी। 2021-22 में 90.48 प्रतिशत पंक्चुअलिटी 2023-24 में घटकर 73.62 फीसदी रह गई। 2024-25 (अगस्त तक) में मामूली सुधार हुआ है, औसत 78.67 फीसदी हो गया है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक समिति ने लोकसभा में 10 साल के आंकड़े पेश किए। 2015-16 में 77.51 फीसदी से 2018-19 में 69.23 फीसदी तक कम हो गई। कोविड बाद 2021-22 में रिकवरी हुई, इसके बाद लगातार गिरावट आती गई है। इसमें श्रेणी ट्रेनें शामिल हैं, जिसमें मेल/एक्सप्रेस, सुपरफास्ट, पैसेंजर, वंदे भारत भी शामिल हैं। समिति ने रेलवे बोर्ड को कड़े सुझाव दिए है। रिपोर्ट में आधुनिक कोचों की सराहना की गई, लेकिन 95 फीसदी यात्री नियमित ट्रेनों पर निर्भर है। पीएसी ने कहा कि समयबद्धता सिर्फ सुविधा नहीं बल्कि रेलवे की विश्वसनीयता का भी प्रश्न है। रेलवे को पंच्यूलिटी में सुधार करे, यात्रियों को लेट ट्रेनों से छुटकारा मिलेगा।

श्रीलंका में पवित्र देवनीमोरी अवशेषों की प्रदर्शनी, प्रधानमंत्री मोदी ने जताया आभार

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने श्रीलंका के राष्ट्रपति अनुरा कुमारा दिसानायके को कोलंबो स्थित पवित्र गंगारामय मंदिर में भगवान बुद्ध के पवित्र देवनीमोरी अवशेषों की प्रदर्शनी का उद्घाटन करने के लिए धन्यवाद दिया। प्रधानमंत्री मोदी ने गुरुवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर अलग-अलग पोस्ट में कहा कि अप्रैल 2025 में अपनी श्रीलंका यात्रा के दौरान यह निर्णय लिया गया था कि इन पूजनीय अवशेषों को श्रीलंका लाया जाएगा, ताकि वहां के लोग उन्हें नजदीक से देख सकें और श्रद्धा अर्पित कर सकें। यह कदम भारत और श्रीलंका के बीच गहरे सभ्यतागत और आध्यात्मिक

संबंधों का प्रतीक है, जो सदियों से साझा विरासत और सांस्कृतिक आदान-प्रदान के माध्यम से पोषित होते आए हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि पवित्र देवनीमोरी अवशेषों का श्रीलंका आगमन दोनों देशों के बीच स्थायी आध्यात्मिक बंधन का प्रमाण है। भगवान बुद्ध का शाश्वत संदेशकरुणा, शांति और सद्भाव मानवता को मार्गदर्शन देता रहेगा और सीमाओं से परे एकता और समझ को बढ़ावा देगा।

देश की पहली सहकारिता आधारित टैक्सी सेवा 'भारत टैक्सी' का शुभारंभ

एजेंसी। नई दिल्ली

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने गुरुवार को विज्ञान भवन से देश की पहली सहकारिता आधारित टैक्सी सेवा 'भारत टैक्सी' का शुभारंभ किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि भारत टैक्सी को आगामी तीन वर्षों के भीतर पूरे देश में शुरू किया जाएगा और यह टैक्सी चालकों के आर्थिक सशक्तीकरण का एक बड़ा माध्यम बनेगी। अमित शाह ने कहा कि फिलहाल भारत टैक्सी की शुरुआत गुजरात के कुछ शहरों के साथ दिल्ली और एनसीआर में की जा रही है लेकिन अगले तीन साल से भी कम समय में यह देश के हर राज्य और प्रमुख शहरों में उपलब्ध होगी। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि कश्मीर से कन्याकुमारी और द्वारका से कामाख्या तक भारत टैक्सी टैक्सी चालकों के कल्याण का एक सशक्त मॉडल बनेगी। टैक्सी चालकों को 'सारथी' की संज्ञा देते हुए शाह ने कहा कि अभी तक उनकी टैक्सी का पहिया किसी और की कमाई करता था, लेकिन भारत टैक्सी के माध्यम से अब वही पहिया उनकी अपनी कमाई और समृद्धि के लिए घूमेगा। उन्होंने कहा कि सहकार टैक्सी जो भी मुनाफा कमाएगी, उसमें से तीन वर्ष बाद केवल 20 प्रतिशत राशि सहकार टैक्सी के पास रहेगी, जबकि शेष 80 प्रतिशत राशि प्रति किलोमीटर की औसत के आधार पर सीधे सारथियों के खातों में स्थानांतरित की जाएगी। सहकार टैक्सी के मालिक भी स्वयं सारथी ही होंगे। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि भारत टैक्सी देश की माताओं और बहनों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए भी प्रतिबद्ध है।

अमेरिका खत्म करना चाहता है चीन का दबदबा भारत सहित 50 देशों को कर रहा एकजुट

एजेंसी। वाशिंगटन

अमेरिका के नेतृत्व में वैश्विक अर्थव्यवस्था और भविष्य की तकनीक को सुरक्षित करने की दिशा में एक ऐतिहासिक रणनीतिक कदम उठाया गया है। चीन के वर्चस्व को चुनौती देते हुए अमेरिका ने करीब 50 देशों के एक शक्तिशाली ट्रेडिंग ब्लॉक का प्रस्ताव रखा है। इस वैश्विक गठबंधन का मुख्य उद्देश्य क्रिटिकल मिनरल्स (महत्वपूर्ण खनिजों) के उत्पादन, प्रोसेसिंग और कीमतों को स्थिर रखना है ताकि अंतरराष्ट्रीय आपूर्ति श्रृंखला किसी एक देश के नियंत्रण में न रहे। 4 फरवरी, 2026 को वाशिंगटन में आयोजित क्रिटिकल मिनरल्स मिनिस्टीरियल के दौरान इस बड़े रोडमैप की घोषणा की गई, जिसे भविष्य की तकनीक पर नियंत्रण सुरक्षित करने की एक निर्णायक वैश्विक रणनीति माना जा रहा है। इस महत्वपूर्ण सम्मेलन के दौरान अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने स्पष्ट किया कि अमेरिका और उसके सहयोगियों को एक ऐसा मजबूत ढांचा तैयार करना होगा, जिसमें टैरिफ और न्यूनतम कीमतों (फ्लोर प्राइस) के माध्यम से घरेलू और मित्र देशों के उत्पादकों की रक्षा की जा सके। वेंस ने कहा कि अमेरिका रेयर अर्थ और अन्य क्रिटिकल मिनरल्स के लिए बेसलाइन कीमतें तय करने पर विचार कर रहा है ताकि चीन जैसे देश कीमतों को कृत्रिम रूप से गिराकर प्रतिस्पर्धियों को बाजार से बाहर न कर सकें। उन्होंने इस ब्लॉक को साथी और सहयोगियों के बीच एक सुरक्षित जोन करार दिया, जिसका लक्ष्य किसी तीसरे पक्ष पर निर्भरता को पूरी तरह खत्म करना और मित्र देशों के बीच संयुक्त उत्पादन को बढ़ावा देना है। इस पहल का मुख्य केंद्र लिथियम, कोबाल्ट, निकेल और रेयर अर्थ एलिमेंट्स जैसी उन धातुओं को चीन के प्रभाव से मुक्त करना है, जो स्मार्टफोन, इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी), सेमीकंडक्टर और मिसाइल गाइडेंस सिस्टम के लिए अनिवार्य हैं। वर्तमान में चीन दुनिया के लगभग 70 प्रतिशत रेयर अर्थ खनन और 90% प्रोसेसिंग पर नियंत्रण रखता है और अक्सर कूटनीतिक विवादों के दौरान इनके निर्यात को हथियार के रूप में इस्तेमाल करता है।

चुनाव आयोग ने पर्यवेक्षकों से कहा- पारदर्शी चुनाव सुनिश्चित करें

नई दिल्ली। चुनाव आयोग ने असम, केरल, पुडुचेरी, तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल के आगामी विधानसभा चुनावों में केंद्रीय पर्यवेक्षक के रूप में नियुक्त किए जाने वाले सामान्य, पुलिस तथा व्यय पर्यवेक्षकों के साथ बैठक की। यहां के भारतीय निर्वाचन प्रबंधन संस्थान में गुरुवार से शुरू यह दो दिवसीय बैठक तीन चरणों में होगी। आयोग के अनुसार कुल 1,444 अधिकारियों को ब्रीफिंग के लिए बुलाया गया है, जिनमें 714 सामान्य पर्यवेक्षक, 233 पुलिस पर्यवेक्षक और 497 व्यय पर्यवेक्षक शामिल हैं। इसमें मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार, निर्वाचन आयुक्त डॉ. सुखबीर सिंह संधू और डॉ. विवेक जोशी ने केंद्रीय पर्यवेक्षकों को संबोधित किया। ज्ञानेश कुमार ने कहा कि पर्यवेक्षकों को आयोग के मार्गदर्शक दीप के रूप में चुना गया है। पर्यवेक्षकों की मौजूदगी 824 निर्वाचन क्षेत्रों में चुनावी मशीनरी को ऊर्जा प्रदान करेगी और वे स्वतंत्र, निष्पक्ष और पारदर्शी चुनाव सुनिश्चित करें। निर्वाचन आयुक्त डॉ. संधू ने कहा कि पर्यवेक्षक मैदान में तैनात चुनाव अधिकारियों के मित्र, दार्शनिक और मार्गदर्शक की भूमिका निभाएं। उनकी आमद का व्यापक प्रचार हो और वे मतदाताओं की शिकायतों के त्वरित समाधान के लिए पूरी तरह सुलभ रहें, ताकि किसी प्रकार के पक्षपात की धारणा भी न बने।

आगामी नगर निगम चुनाव के अवसर पर हमारे अख़बार में

उम्मीदवारों, समर्थकों, सामाजिक संस्थाओं एवं व्यापारियों के लिए विज्ञापन देने का सुनहरा अवसर उपलब्ध है।

नगर निगम चुनाव से संबंधित
उम्मीदवार प्रचार विज्ञापन
शुभकामना संदेश
जनहित अपील
समर्थन एवं बधाई विज्ञापन
उचित दरों पर प्रकाशित किए जाएंगे। इच्छुक व्यक्ति शीघ्र संपर्क करें, क्योंकि स्थान सीमित है।
संपर्क : 8114546954, 9472072441

संक्षिप्त समाचार

बिहार को मिलेंगे 213 नए डिग्री कॉलेज,आगामी शैक्षणिक सत्र से शुरू होगी पढ़ाई : सीएम

पटना।बिहार में उच्च शिक्षा को मजबूती देने की दिशा में राज्य सरकार ने बड़ा कदम उठाया है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने बुधवार को घोषणा की कि राज्य में इसी साल 213 नए डिग्री कॉलेज खोले जाएंगे और आगामी शैक्षणिक सत्र से इनमें पढ़ाई भी शुरू हो जाएगी। साथ ही राज्य के 55 पुराने प्रतिष्ठित शिक्षण संस्थानों को सेंटर ऑफ एक्सीलेंस के रूप में विकसित किया जाएगा, ताकि युवाओं को रोजगारपरक और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मिल सके।मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने बिहार विधान परिषद बताया कि यह फैसला सात निश्चय-3 के चौथे निश्चय उन्नत शिक्षा-उज्ज्वल भविष्य के तहत लिया गया है। इसका उद्देश्य राज्य के सभी प्रखंडों में उच्च शिक्षा की पहुंच सुनिश्चित करना है, ताकि छात्रों को, विशेषकर लड़कियों को, पढ़ाई के लिए दूर-दराज के इलाकों में न जाना पड़े। सीएम ने बताया कि बिहार के कुल 534 प्रखंडों में से अब भी 213 प्रखंड ऐसे हैं, जहां कोई भी अंगीभूत या संबद्ध डिग्री कॉलेज मौजूद नहीं है। इसी कमी को दूर करने के लिए सरकार ने पहले चरण में इन सभी प्रखंडों में डिग्री कॉलेज खोलने का निर्णय लिया है। उन्होंने कहा कि संबंधित विभागों को इसी वर्ष से इन कॉलेजों में पढ़ाई शुरू कराने का स्पष्ट निर्देश दिया गया है।मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य के पुराने और प्रतिष्ठित शिक्षण संस्थानों को सेंटर ऑफ एक्सीलेंस के रूप में विकसित किया जा रहा है। इसके तहत 55 संस्थानों का चयन किया गया है। इन संस्थानों के उन्नयन के लिए योजनाबद्ध तरीके से काम किया जा रहा है व अनुभवी शिक्षकों तथा छात्र-छात्राओं से सुझाव लेकर आगे की रणनीति तैयार की जा रही है।मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने दावा किया कि इस फैसले से न केवल उच्च शिक्षा को मजबूती मिलेगी, बल्कि युवाओं को रोजगार से जुड़ी शिक्षा प्राप्त करने में भी सुविधा होगी। सेंटर ऑफ एक्सीलेंस बनने से पुराने शिक्षण संस्थानों का गौरव भी फिर से स्थापित होगा।

तेजस्वी को लॉ-एंड-ऑर्डर पर बोलने का नैतिक अधिकार नहीं : उमेश

पटना। जदयू के प्रदेश अध्यक्ष उमेश सिंह कुशवाहा ने गुरुवार को जारी अपने बयान में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव पर पलटवार करते हुए कहा कि जिनके माता-पिता के शासनकाल में पूरा प्रदेश भय और असुरक्षा के माहौल में जीने को विवश था, माताएं-बहनें सत्ता-पोषित अपराधियों के डर से घर की चैखट पार नहीं करती थीं, जातीय नरसंहारों से पूरा प्रदेश रक्तरंजित था और अपहरण व फिरौती के आतंक के कारण डॉक्टर, इंजीनियर सहित अनेक संभ्रांत पेशेवर वर्ग के लोग अपनी जान-माल की सुरक्षा के लिए पलायन करने को मजबूर थे। सूबे की जनता वह दौर कभी नहीं भूल सकती, जब मुख्यमंत्री आवास में अपहरण की डील और फिरौती की रकम तय होती थी। उन्हें आज लॉ-एंड-ऑर्डर के मुद्दे पर नीतीश सरकार को नसीहत देने से पहले अपने अतीत के काले अध्यायों को पलटकर देखना चाहिए। प्रदेश अध्यक्ष ने आगे कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में वर्ष 2005 से ही राज्य सरकार ने अपराध के विरुद्ध ह्यजीरो टॉलरेंसह्न की नीति को पूरी सख्ती के साथ लागू किया है। सुशासन की इस नीति के तहत कानून का राज स्थापित करना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता रही है, जिसमें अपराधी की पहचान या प्रभाव की परवाह किए बिना उसके विरुद्ध त्वरित एवं निष्पक्ष कार्रवाई सुनिश्चित की जाती है। इसके विपरीत, लालू-राबड़ी के शासनकाल का इतिहास अपराधियों को संरक्षण देने और आपराधिक मामलों की लीपापोती करने का रहा है। श्री कुशवाहा ने कहा कि नीतीश कुमार ने बिहार को जंगलराज के काले दौर से निकालकर सुशासन का एक अनुकरणीय मॉडल प्रस्तुत किया है, जिसकी सराहना केवल देश में ही नहीं, बल्कि दुनियाभर में होती है। यही कारण है कि हमारे नेता के प्रति जनता का विश्वास अडिग और अटूट बना हुआ है। चूंकि तेजस्वी यादव बिहार को नकारात्मक राजनीतिक चश्मे से देखते हैं, इसलिए उन्हें राज्य में हुए परिवर्तन दिखाई नहीं देते। उन्हें बिहार को बेहतर ढंग से समझने के लिए अपना राजनीतिक चश्मा और सोच, दोनों बदलने की आवश्यकता है।

बिहार सरकार का अश्लील गाना पर रोक स्वागतयोग्य कदम : संजीव

पटना। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता एवं पटना हाई कोर्ट के अधिवक्ता संजीव कुमार मिश्र उर्फ गीता वाले बाबा ने बिहार सरकार के उपमुख्यमंत्री और गृह मंत्री सम्राट चौधरी द्वारा सार्वजनिक स्थानों पर अश्लील गाना बजाने पर रोक लगाने के निर्णय का स्वागत किया है । उन्होंने कहा की बिहार सरकार ने बस, ट्रक, ऑटो रिक्शा एवं सार्वजनिक स्थलों पर अश्लील भोजपुरी, मगही, मैथिली या अन्य भाषाओं के गाने बजाने पर सीधे एफआईआर दर्ज करने का फैसला कर सामाजिक सरोकार को मजबूत करने का काम है । भाजपा प्रवक्ता संजीव कुमार मिश्र ने कहा की बिहार सरकार ने इस तरह का मजबूत फैसला कर महिलाओं की गरिमा को बनाये रखने पूरा ख्याल किया है । साथ ही सरकार ने समाज में फूहड़ता पर पूर्ण लगाम लगाने का ऐतिहासिक कार्य किया है ।

12 फरवरी की आम हड़ताल ऐतिहासिक होगी : भाकपा

पटना। बिहार राज्य किसान सभा राज्य परिषद की विस्तारित बैठक 04-05 फरवरी 2026 को पटना में हुई। बैठक में किसान और मजदूर संगठनों के आह्वान पर आयोजित आम हड़ताल को सफल बनाने, केन्द्र व राज्य सरकार की जनविरोधी नितियों के खिलाफ, मनरेगा को फिर से चालू करने व किसानों के सवालों को लेकर 26, 27 व 28 फरवरी को प्रखंड सह अंचल कार्यालय पर प्रदर्शन करने तथा मई महीने में बिहार विधानसभा मार्च आयोजित करने का निर्णय लिया गया। बैठक को अखिल भारतीय किसान सभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष क्षीर सागर, राष्ट्रीय महासचिव एम वेंकैया, भाकपा के राज्य सचिव रामनरेश पाण्डेय, अखिल भारतीय किसान सभा के राष्ट्रीय सचिव प्रमोद प्रभाकर, बिहार राज्य किसान सभा के महासचिव रामचंद्र महतो आदि किसान नेताओं ने संबोधित किया जबकि अध्यक्षता प्रदेश अध्यक्ष सीताराम शर्मा ने की। वक्ताओं ने कहा कि देश के संयुक्त ट्रेड यूनियनों, संयुक्त किसान मोर्चा तथा विभिन्न जनसंगठनों द्वारा चार श्रम कानूनों, किसान तथा कृषि विरोधी विभिन्न कानूनों, युवा-छात्र विरोधी गलत शिक्षा एवं रोजगार नीतियों के खिलाफ 12 फरवरी, 2026 को राष्ट्रव्यापी आम हड़ताल आह्वान किया गया गया है। यह आम हड़ताल ऐतिहासिक होगी। इसकी व्यापक तैयारी की जायेगी। वक्ताओं ने कहा कि केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार ने अमेरिका के आगे घुटना टेक दिया है।भारत-अमेरिका व्यापार समझौता थोपा गया समझौता है।जो भारतीय उत्पादकों पर समायोजन का बोझ डालता है, जबकि संयुक्त राज्य अमेरिका के आर्थिक और रणनीतिक हितों को प्राथमिकता देता है। बढ़े हुए बाजार पहुंच के जश्न भरे दावों के पीछे एक ऐसी सच्चाई छिपी है जिसमें भारत ने संसद या लोगों के सामने समझौते की पूरी शर्तें रखे बिना अपनी व्यापार और आर्थिक नीति में महत्वपूर्ण जगह छोड़ दी है। इस समझौते के सबसे गंभीर परिणाम भारत के किसानों और कृषि श्रमिकों को भुगतने पड़ेंगे। भारतीय कृषि इसलिए जीवित है क्योंकि यह भारी सब्सिडी वाले अमेरिकी कृषि व्यवसाय के साथ प्रतिस्पर्धा कर सकती है, बल्कि इसलिए कि राज्य ने ग्रामीण आजीविका की रक्षा के लिए टैरिफ, नियामक नियंत्रण और खरीद तंत्र बनाए रखे हैं। इन सुरक्षा उपायों में कोई भी ढील, चाहे वह टैरिफ कटौती, टैरिफ दर कोटा, या परिशिष्टों में छिपे भविष्य के समायोजन के माध्यम से हो, लाखों छोटे और सीमांत किसानों को विनाशकारी मूल्य प्रतिस्पर्धा के सामने ला देगी। ऐसे समय में जब देश भर के किसान अधिक फसलों के लिए एमएसपी के विस्तार, एमएसपी की कानूनी गारंटी, और उर्वरकों और अन्य आवश्यक इनपुट की सस्ती और सुनिश्चित आपूर्ति की मांग कर रहे हैं, यह समझौता पहले से ही गहरे कृषि संकट को और बढ़ा देता है। अमेरिकी कृषि और प्रसंस्कृत खाद्य आयात के लिए सीमित खुलापन भी घरेलू कीमतों को कम करने, स्थानीय बाजारों को कमजोर करने और कृषि संकट को तेज करने का खतरा पैदा करता है।

मुख्यमंत्री ने दीघा पर्यटन घाट का किया निरीक्षण,समग्र उद्यान का निर्माण कराने का दिया निर्देश

नई सोच एक्सप्रेस

पटना।मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने आज गंगा नदी के किनारे स्थित दीघा पर्यटन घाट पर किये जा रहे विकास कार्यों का निरीक्षण किया। इस दौरान अधिकारियों ने मुख्यमंत्री को बताया कि पर्यटन विभाग जनार्दन घाट को पर्यटन घाट के रूप में विकसित कर रहा है। निरीक्षण के क्रम में मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि दीघा पर्यटन घाट पर समग्र उद्यान का निर्माण करायें। इस घाट को पक्का घाट बनायें और यहां गंगा आरती की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करायें ताकि यहां बड़ी संख्या में आनेवाले लोग इसका आनंद उठा सकें। निरीक्षण के दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि गंगा की सैर करने वाले यहां जो पर्यटक आते हैं उनके लिये बुनियादी और अच्छी पर्यटकीय सुविधायें विकसित करायें। इसके पश्चात् मुख्यमंत्री ने जे०पी० सेतु के समानांतर बनाये जा रहे नये सिक्स लेन गंगा ब्रिज के

निर्माण कार्य का निरीक्षण किया। इस दौरान मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि इसका निर्माण कार्य ससमय तेजी से पूर्ण करायें। इस पुल के बन जाने से पुराने जे०पी० सेतु पर यातायात का दवाब कम होगा। यह पुल उत्तर बिहार और दक्षिण बिहार के आवागमन को और सुलभ बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभायेगा। इस अवसर पर मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव दीपक कुमार, मुख्यमंत्री

» घाट को पक्का कर गंगा आरती की समुचित व्यवस्था करने का दिया गया निर्देश

के सचिव कुमार रवि, मुख्यमंत्री के सचिव डॉ० चन्द्रशेखर सिंह, पर्यटन विभाग के सचिव नीलेश रामचन्द्र देवरे, नगर आयुक्त यशपाल मीणा, जिलाधिकारी डॉ० त्यागराजन एस०एम० सहित अन्य वरीय अधिकारी उपस्थित थे।

लोजपा (रा) संसदीय बोर्ड अध्यक्ष हुलास पांडेय द्वारा जिला प्रभारियों की नियुक्ति

नई सोच एक्सप्रेस

पटना।लोक जनशक्ति पार्टी (रा) संसदीय बोर्ड के प्रदेश अध्यक्ष श्री हुलास पाण्डे ने संगठन को जमीनी स्तर पर और अधिक सशक्त बनाने के उद्देश्य से प्रदेश पदाधिकारियों को जिलों की जिम्मेदारी सौंपते हुए जिला प्रभारी नियुक्त किए हैं। इसके तहत बिहार के सभी जिलों में संगठनात्मक विस्तार को गति देने के लिए प्रभारियों की सूची जारी की गई है। उल्लेखनीय है कि हाल ही में संसदीय बोर्ड के प्रदेश पदाधिकारियों की एक बैठक आयोजित की गई थी, जिसमें यह निर्णय लिया गया था कि संगठन को जिला, प्रखंड एवं पंचायत स्तर तक मजबूत करने के लिए सभी जिलों में जिला प्रभारी नियुक्त किए जाएंगे। उसी निर्णय के आलोक में प्रदेश अध्यक्ष श्री हुलास पाण्डे द्वारा यह सूची जारी की गई है। जारी सूची के अनुसार प्रदेश उपाध्यक्ष

श्री शिशिर राय को बक्सर जिला का प्रभारी बनाया गया है। प्रधान महासचिव श्री मनीष कुमार सिंह को जमुई सहित तीन जिलों का दायित्व सौंपा गया है। महासचिव श्री आनंद कुमार सिंह को मोतिहारी सहित चार जिलों की जिम्मेदारी दी गई है। प्रदेश सचिव श्री विवेक वीर ठाकुर को समस्तीपुर जिला का प्रभार दिया गया है, वहीं प्रदेश प्रवक्ता डॉ. ओम प्रकाश सोनू को पूर्णिया एवं अररिया जिला का प्रभारी नियुक्त किया गया है। इसके अतिरिक्त अन्य पदाधिकारियों को भी विभिन्न जिलों का दायित्व दिया गया है। इस अवसर पर प्रदेश अध्यक्ष श्री हुलास पाण्डे ने कहा कि सभी नवनियुक्त प्रभारी अपने-अपने जिलों में जिला अध्यक्षों से समन्वय स्थापित कर संगठन विस्तार, सदस्यता अभियान एवं अन्य संगठनात्मक गतिविधियों को प्रभावी रूप से संचालित करेंगे। उन्होंने कहा कि पार्टी के सभी प्रदेश पदाधिकारी जिलों में जाकर संगठन को मजबूत करेंगे तथा लोजपा (रामविलास) की विचारधारा को समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाएंगे। श्री पाण्डे ने आगे कहा कि हमारा लक्ष्य है कि संसदीय बोर्ड के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पार्टी के लोकप्रिय नेता श्री चिराग पासवान के नेतृत्व में वर्ष 2030 में बिहार में एक सशक्त और जनहितकारी सरकार का गठन हो, जिसके लिए अभी से संगठन को मजबूत करना आवश्यक है।

अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत 172 स्टेशनों का काम पूरा हुआ : श्री अश्विनी वैष्णव

नई सोच एक्सप्रेस

पटना।स्टेशन का पुनर्विकास रेल मंत्रालय ने स्टेशनों के दीर्घकालिक पुनर्विकास के लिए अमृत भारत स्टेशन योजना शुरू की है। इस योजना के अंतर्गत स्टेशनों के सुधार हेतु मास्टर प्लान तैयार करना और चरणबद्ध तरीके से उनका कार्यान्वयन करना शामिल है। मास्टर प्लान में निम्नलिखित बातें शामिल हैं:

स्टेशन और आवागमन क्षेत्रों तक पहुंच में सुधार

स्टेशन का शहर के दोनों हिस्सों से जुड़ाव

स्टेशन भवन का सुधार

प्रतीक्षा कक्षों, शौचालयों, बैठने की व्यवस्था और पानी के बूथों में सुधार

यात्री यातायात के अनुरूप चौड़े फुट ओवरब्रिज/एयर कॉनकोर्स का प्रावधान।

लिफ्ट/एस्केलेटर/रैंप की व्यवस्था

प्लेटफार्म की सतह में सुधार/उपलब्धता और प्लेटफार्म के ऊपर आवरण का प्रावधान

'वन स्टेशन वन प्रोडक्ट' जैसी योजनाओं के माध्यम से स्थानीय उत्पादों के लिए कियोस्क की व्यवस्था करना।

पार्किंग क्षेत्र, मल्टीमॉडल एकीकरण

दिव्यांगजनों के लिए उपलब्ध सुविधाएं

बेहतर यात्री सूचना प्रणाली

प्रत्येक स्टेशन पर आवश्यकतानुसार एग्जीक्युटिव लाउंज, व्यावसायिक बैठकों के लिए निर्धारित स्थान, हरियाली आदि की व्यवस्था करना।

इस योजना में टिकाऊ और पर्यावरण के अनुकूल समाधान, आवश्यकतानुसार बैलास्टलेस ट्रैक का प्रावधान, चरणबद्ध कार्यान्वयन और व्यवहार्यता के साथ-साथ दीर्घकालिक रूप से स्टेशन पर शहर

» रेलवे स्टेशनों पर 11650 स्टॉल/यूनिट; अनुसूचित जाति,अनुसूचित जनजाति समुदायों सहित पात्र आवेदकों को आवंटित

» स्टेशनों और ट्रेनों में स्वच्छता बनाए रखने के लिए समर्पित बजटीय प्रावधान; स्वच्छता प्रदान करने के लिए यात्री किराए का कोई घटक नहीं लिया जाता है

केंद्र का निर्माण जैसी परिकल्पनाएं भी शामिल हैं। अब तक इस योजना के तहत विकास के लिए 1337 स्टेशनों की पहचान की गई है। फिलहाल, 172 स्टेशनों का काम पूरा हो चुका है।

तमिलनाडु के मंत्री पन्नीरसेलवम का बयान घोर आपत्तिजनक : प्रभाकर मिश्र

नई सोच एक्सप्रेस

» भाषा और क्षेत्र के नाम पर अलगाव पैदा करनेवाला है पन्नीरसेलवम का बयान

» बिहार और उत्तर भारतीय के लोग सिर्फ पानी पुरी नहीं खिलाते, अच्छे-अच्छों को पानी भी पिला देते हैं

पटना।भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता प्रभाकर कुमार मिश्र ने तमिलनाडु के कृषि मंत्री एम आरके पन्नीरसेलवम के उत्तर भारतीयों के खिलाफ बयान पर कड़ी आपत्ति दर्ज की। उन्होंने कहा कि पन्नीरसेलवम ने अपने आपत्तिजनक बयान से उत्तर भारतीयों को अपमानित किया है। उत्तर भारतीय,जिसमें बिहार के लोग भी शामिल हैं, अपनी गाढ़ी मेहनत की कमाई खाते हैं। तमिलनाडु की अर्थव्यवस्था में उत्तर भारतीयों का बहुत बड़ा योगदान है। श्री मिश्र ने पन्नीरसेलवम पर हमला बोलते हुए कहा कि बिहार और उत्तर भारत के लोग सिर्फ पानी पुरी नहीं बेचते, बल्कि मौका आने पर अच्छे-अच्छों को पानी पिला देते हैं। वे सिर्फ भवन निर्माण के लिए कार्य नहीं करते, बल्कि राष्ट्र निर्माण में उत्तर भारतीयों का खास योगदान है। श्री मिश्र ने गुरुवार को प्रेस विज्ञप्ति जारी कर कहा कि पन्नीरसेलवम को अपने आपत्तिजनक बयान के लिए उत्तर भारतीयों से माफी मांगनी होगी। तमिलनाडु का बयान क्षेत्रवाद को बढ़ावा देनेवाला है। भाषा के नाम भेदभाव करना दंडनीय है। अगर भाषा और क्षेत्र के नाम पर कोई भेदभाव करता है, तो वह दंड का भागी बनेगा। हिंदी बोलना कोई गुनाह नहीं है। कोई भी व्यक्ति किसी भाषा का इस्तेमाल कर सकता है। गौरतलब है कि तमिलनाडु के कृषि मंत्री एमआरके पनीरसेल्वम ने कहा है कि उत्तर भारत के लोगों ने सिर्फ हिंदी सीखी है और वे तमिलनाडु में सिर्फ टेबल साफ करने और पानीपूरी बेचने जैसे काम करने के लिए आ रहे हैं।

ग्रामीण मंडियों के सुदृढ़ीकरण पर राज्य सरकार का विशेष फोकस : रामकृपाल

नई सोच एक्सप्रेस

» आगामी पाँच वर्षों में दलहन उत्पादन में आत्मनिर्भरता का लक्ष्य

पटना।अष्टादश बिहार विधान सभा के सत्र के दौरान आज सदन में कृषि विभाग से संबंधित विभिन्न प्रश्नों पर कृषि मंत्री राम कृपाल यादव ने विस्तारपूर्वक उत्तर प्रस्तुत किए। इस क्रम में सदस्य श्याम रजक एवं अमरेन्द्र कुमार द्वारा राज्य में मण्डियों के निर्माण तथा दाल उत्पादन से जुड़े प्रश्न पूछे गए, जिनका उत्तर कृषि मंत्री राम कृपाल यादव ने सदन में विस्तारपूर्वक दिया। कृषि मंत्री राम कृपाल यादव ने फसलों के क्रय-विक्रय हेतु मंडी निर्माण से संबंधित प्रश्न के उत्तर में सदन को अवगत कराया कि पटना जिला अंतर्गत पटना सिटी, मुसल्लहपुर, दानापुर, बिहटा, फतुहाँ, बाढ़ एवं मोकामा में कृषि बाजार प्रांगण स्थापित हैं। उन्होंने बताया कि फुलवारी एवं पुनपुन प्रखंड के किसानों के लिए निकटवर्ती मुसल्लहपुर बाजार प्रांगण उपलब्ध है, जिससे किसानों को अपनी उपज के विपणन में सुविधा प्राप्त हो रही है।मंत्री ने आगे बताया कि प्रखंड एवं पंचायत स्तर पर ग्रामीण मंडियों के सुदृढ़ीकरण का कार्य राज्य सरकार के सात निश्चय कार्यक्रम के अंतर्गत किया जा रहा है। इस क्रम में पुनपुन प्रखंड स्थित जाहिदपुर ग्रामीण मंडी को भी सुदृढ़ किए जाने की योजना शामिल है। उन्होंने स्पष्ट किया कि बिहार राज्य कृषि उपज बाजार (निरसन) अधिनियम, 2006 लागू होने के उपरांत बाजार समितियों को निरसित कर दिया गया है। ऐसी स्थिति में नई मंडियों के निर्माण के स्थान पर पुरानी एवं जर्जर मंडियों के जीर्णोद्धार तथा प्रखंड स्तरीय हाट-बाजार एवं ग्रामीण मंडियों के सुदृढ़ीकरण पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है।मंत्री ने बताया कि ग्रामीण मंडी विकास के अंतर्गत राजस्व विभाग की सूची में पुनपुन के जाहिदपुर मंडी को विकसित करने की योजना है, जबकि फुलवारी प्रखंड के हिन्दुनी को हाट-बाजार एवं मेला के तहत प्राप्त सूची में शामिल नहीं किया गया है। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि वर्तमान में नई मंडी के निर्माण का कोई प्रस्ताव सरकार के समक्ष विचाराधीन नहीं है। मंत्री ने बताया कि पटना जिला के मुसल्लहपुर एवं बिहटा बाजार प्रांगण के आधुनिकीकरण का कार्य बिहार राज्य पुल निर्माण निगम लिमिटेड, पटना द्वारा कराया जा रहा है। कृषि विभाग द्वारा इस कार्य की निरंतर समीक्षा की जा रही है, ताकि आधुनिकीकरण एवं विकास के उपरांत इन बाजार प्रांगणों का लाभ पटना, फुलवारी शरीफ एवं पुनपुन के किसानों को बेहतर ढंग से मिल सके। कृषि मंत्री राम कृपाल यादव ने दाल उत्पादन से संबंधित प्रश्न के उत्तर में सदन को अवगत कराया कि बिहार राज्य के परिप्रेक्ष्य में दलहन फसलें प्रोटीन का प्रमुख स्रोत हैं। उन्होंने बताया कि प्रति व्यक्ति प्रतिदिन 25 ग्राम दाल की आवश्यकता होती है। मंत्री ने कहा कि दलहन उत्पादन में वृद्धि के उद्देश्य से राज्य सरकार द्वारा कृषि रोडमैप के अंतर्गत विभिन्न योजनाओं के माध्यम से दलहन फसलों को प्रोत्साहित किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि माननीय प्रधानमंत्री द्वारा दलहन की खेती को प्राथमिकता देते हुए चालू वर्ष में विशेष ह्यदलहन में आत्मनिर्भरता मिशनह्न लागू किया गया है, जिसके लिए 93.75 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं। इसके अतिरिक्त राज्य योजना के अंतर्गत 30 करोड़ रुपये व्यय का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। मंत्री ने बताया कि दलहन बीज प्रणाली को सुदृढ़ करने हेतु बीज उत्पादन की कार्ययोजना तैयार की गई है, जिसके अंतर्गत 45,922 क्विंटल प्रमाणित बीज एवं 2,043 क्विंटल आधार बीज का उत्पादन किया जाएगा। साथ ही 1,15,742 क्विंटल उच्च गुणवत्ता वाले बीज किसानों को अनुदानित दर पर उपलब्ध कराए जाएंगे, जिससे लगभग 4.14 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में दलहनी फसलों का विस्तार संभावित है।उन्होंने बताया कि प्रसंस्करण एवं विपणन को बढ़ावा देने हेतु दलहन प्रोसेसिंग यूनिट की स्थापना सहित विभिन्न उपाय किए जा रहे हैं। मंत्री ने कहा कि आगामी पाँच वर्षों में दलहन उत्पादन के क्षेत्र में आत्मनिर्भरता प्राप्त करने हेतु दलहन आच्छादन को 4.48 लाख हेक्टेयर से बढ़ाकर 9.19 लाख हेक्टेयर तथा उत्पादन 3.93 लाख मीट्रिक टन को बढ़ाकर 11.27 लाख मीट्रिक टन तक ले जाने की कार्ययोजना पर कार्य किया जा रहा है।

प्रो.सुहेली मेहता पटना विश्वविद्यालय स्पोर्ट्स बोर्ड की अध्यक्ष नियुक्त

नई सोच एक्सप्रेस

■ खेल संघों के पदाधिकारियों ने दी बधाई

पटना। वाणिज्य महाविद्यालय की प्राचार्या-सह-बिहार बॉल बैडमिंटन संघ की वरीय उपाध्यक्ष प्रो.सुहेली मेहता को पटना विश्वविद्यालय स्पोर्ट्स बोर्ड का अध्यक्ष बनाये जाने पर बिहार बॉल बैडमिंटन संघ के सचिव गौरी शंकर, बिहार पिकलबॉल संघ के सचिव रंजन कुमार गुप्ता,डीआरपीएसपीएम की सहायक प्राध्यापिका-सह-बॉल बैडमिंटन संघ की संयुक्त सचिव मिताली मित्रा, बिहार पिट्ठो संघ के अध्यक्ष ओमप्रकाश ने बुके प्रदान कर बधाई दी है। पटना विश्वविद्यालय स्पोर्ट्स बोर्ड की अध्यक्ष नियुक्त किये जाने के उपरांत प्रो.सुहेली मेहता ने बताया कि पटना विश्वविद्यालय के खेलकूद कोटा पर नामांकित खिलाड़ियों को विश्विद्यालय स्पोर्ट्स बोर्ड की ओर से राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सहभागिता के लिए हर संभव मदद की जायेगी। भारत के परंपरागत खेलों को भी बढ़ावा दिया जायेगा। ऑल इंडिया इंटर यूनिवर्सिटी टूर्नामेंट में विभिन्न खेलों में पटना विश्वविद्यालय की सहभागिता सुनिश्चित करायी जायेगी। पटना विश्वविद्यालय स्पोर्ट्स बोर्ड द्वारा विभिन्न खेलों के आयोजन हेतु वार्षिक कैलेंडर जारी किया जायेगा। बिहार बॉल बैडमिंटन संघ के

सचिव गौरी शंकर ने कहा कि प्रो. सुहेली मेहता इससे पूर्व भी पटना विश्वविद्यालय स्पोर्ट्स बोर्ड की महासचिव के तौर पर बेहतरीन कार्य कर चुकिं हैं। इनके अध्यक्ष बनने से पटना विश्वविद्यालय के खेलकूद गतिविधियों में तेजी आयेगी। साथ हीं साथ खेल व खिलाड़ियों को भी लाभ मिलेगा। बिहार कैरम संघ के सचिव भरत भूषण,बिहार साइक्लिंग संघ के सचिव कौशल किशोर सिंह,बिहार सॉफ्ट टेनिस संघ के सचिव धर्मवीर कुमार,बिहार मलखंब संघ के सचिव प्रवीण कुमार मिश्रा,बिहार ग्रैपलिंग कुश्ती संघ के अध्यक्ष किशलय किशोर,खेल प्रशासक ज्योति कुमार,सीनियर राष्ट्रीय खिलाड़ी नेहा रानी ने भी बधाई दी है।

पीके की जन सुराज का आरोप, कहा- महिलाओं को 10 हजार देना भ्रष्ट आचरण, आज सुनवाई

नई सोच एक्सप्रेस

पटना। प्रशांत किशोर की जन सुराज पार्टी ने चुनाव प्रक्रिया में कथित अनियमितताओं और भ्रष्ट आचरण का आरोप लगाते हुए सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। पार्टी ने बिहार विधानसभा चुनाव को रद्द कर नए सिरे से निष्पक्ष चुनाव कराने की मांग की है। जन सुराज पार्टी की ओर से दायर रिट याचिका पर शुक्रवार को सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई होगी। इस मामले की सुनवाई मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जायमॉल्या बागची की पीठ करेगी।

आचार संहिता के दौरान महिलाओं को 10,000 रुपए देने का आरोपः याचिका में आरोप लगाया गया है कि आचार संहिता लागू रहने के बावजूद राज्य सरकार ने महिलाओं को सीधे 10 हजार रुपए दिए। जन सुराज का कहना है कि यह कदम चुनावी प्रक्रिया को प्रभावित करने वाला है। इसे भ्रष्ट आचरण की श्रेणी में रखा जाना चाहिए। पार्टी ने इसे संविधान के अनुच्छेद 14, 21, 112, 202 और 324 का उल्लंघन बताया है।

नए लाभार्थियों को जोड़ना और भुगतान को बताया अवैधः जन सुराज ने मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना के तहत चुनाव अवधि में नए लाभार्थियों को जोड़ने और उन्हें भुगतान किए जाने पर भी आपत्ति जताई है। याचिका में कहा गया है कि आचार संहिता लागू रहने के दौरान किसी भी नई योजना का विस्तार या भुगतान अवैध है।

भविष्यदर्शी नीतीश कुमार का बिहार को एजुकेशन हब बनाने की दिशा में ऐतिहासिक कदम : जदयू

पटना। जदयू प्रदेश प्रवक्ता अरविंद निषाद ने कहा कि बिहार के भविष्यदर्शी मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने राज्य में उच्च शिक्षा के क्षेत्र में एक ऐतिहासिक और दूरदर्शी निर्णय लेते हुए सभी प्रखंडों तक डिग्री कॉलेज की पहुंच सुनिश्चित करने की दिशा में बड़ा कदम उठाया है। राज्य के 534 प्रखंडों में से 213 ऐसे प्रखंड, जहां अब तक डिग्री कॉलेज नहीं थे, वहां नए डिग्री कॉलेज खोले जाने का निर्णय लिया गया है और मुख्यमंत्री ने स्पष्ट निर्देश दिया है कि इन कॉलेजों में इसी वर्ष जुलाई महीने से शैक्षणिक सत्र प्रारंभ हो जाए। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की दूरदर्शी नीतियों के चलते ही आज राज्य के कई जिलों में नए मेडिकल कलेज का निर्माण कार्य संभव हो सका है साथ ही राज्य के सभी 38 जिलों में इंजीनियरिंग कॉलेज की स्थापना हुई है। नालंदा में स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी एवं नए क्रिकेट स्टेडियम के निर्माण से बिहार की ख्याति पूरे देश भर में फैली है। पटना में साइंस सिटी का निर्माण, तारामंडल का आधुनिकीकरण ये दशार्ता है कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार बिहार को शिक्षा एवं साइंस एंड टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में नई ऊंचाइयों पर पहुंचाना चाहते हैं। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने यह भी घोषणा की है कि राज्य के 55 पुराने और प्रतिष्ठित कॉलेजों, जिनमें पटना साइंस कॉलेज, पटना कॉलेज और एएन कॉलेज जैसे संस्थान शामिल हैं, को सेंटर ऑफ एक्सीलेंस के रूप में विकसित किया जाएगा। इन संस्थानों को आधुनिक संसाधनों, बेहतर शैक्षणिक ढांचे और रोजगारोन्मुख पाठ्यक्रमों से सुसज्जित किया जाएगा, ताकि छात्र-छात्राओं को गुणवत्तापूर्ण और प्रतिस्पर्धी शिक्षा मिल सके।

लापता किशोर का शव गंगा नदी से बरामद

पटना। पटना जिले के बख्तियारपुर थाना क्षेत्र के रबाईच गांव निवासी किशोर अमित कुमार का शव गरुवार को गंगा नदी से बरामद किया गया। अमित पिछले चार दिनों से लापता था। जानकारी के अनुसार, अमित रविवार को अपने दोस्तों के साथ सबलपुर आया था। यहां सबलपुर के कुछ स्थानीय युवकों से उनका विवाद हो गया, जो जल्द ही झगड़े में बदल गया। झगड़े से बचने के लिए अमित और उसके दोस्त गंगा नदी की ओर भागे। आरोप है कि स्थानीय युवकों ने पीछा कर अमित और उसके दोस्तों को पकड़ लिया। इसके बाद नदी के पास उनके साथ मारपीट की गई। घटना की सूचना 112 नंबर पर दी गई। पुलिस के मौके पर पहुंचने से पहले ही अमित को कथित तौर पर गंगा नदी में डुबो दिया गया। हालांकि, पुलिस ने गंगा किनारे से अमित के अन्य दोस्तों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया। इसके बाद से नदी थाना की पुलिस और गोताखोरों की टीम लगातार गंगा नदी में सर्च ऑपरेशन चला रही थी। रुवार को सबलपुर स्थित भुखमरिया भट्टा के पास गंगा नदी के तट से अमित का शव बरामद हुआ। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और कानूनी प्रक्रिया पूरी की।

संक्षिप्त समाचार

भारत में मैगी के 50 वर्ष पूरे होने पर स्मारक डाक टिकट जारी

पटना। नेस्ले इंडिया ने भारत में मैगी के 50 वर्ष पूरे होने के अवसर पर एक विशेष उपलब्धि का जश्न मनाते हुए एक स्मारक डाक टिकट जारी किया। इस डाक टिकट का अनावरण नेस्ले इंडिया के चेयरमैन एवं मैनेजिंग डायरेक्टर मनीष तिवारी ने भारत सरकार के खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्री चिराग पासवान की उपस्थिति में किया। यह डाक टिकट मैगी की उस विकास यात्रा को समर्पित है, जिसमें ब्रांड ने समय से आगे रहते हुए एक अत्यंत लोकप्रिय श्रेणी के पर्याय के रूप में अपनी पहचान बनाई और पीढ़ियों से लोगों को एक साथ लाने का कार्य निरंतर किया।पिछले पाँच दशकों में मैगी ने नूडल्स और मसालों से लेकर सॉस, सूप और रेडी-टू-कुक पसंदीदा उत्पादों तक, कई स्वादिष्ट रूपों में भारतीय घरों में अपनी जगह बनाई है। 50 ईयर्स ऑफ़ टुगेदरनेस डाक टिकट इन साझा अनुभवों को समर्पित एक श्रद्धांजलि है, जो उस अपनापन, सुकून और जुड़ाव को दर्शाता है। भारत सरकार के खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्री चिराग पासवान ने कहा,"भारत का प्रसंस्कृत खाद्य क्षेत्र पिछले कई दशकों में घरेलू उपभोक्ताओं का विश्वास अर्जित करने में उल्लेखनीय रूप से आगे बढ़ा है। इस उल्लेखनीय यात्रा का हिस्सा बनते हुए 50 वर्ष पूरे करने पर मैं मैगी को बधाई देता हूँ। डाक टिकट के शुभारंभ की घोषणा करते हुए, नेस्ले इंडिया के चेयरमैन एवं मैनेजिंग डायरेक्टर मनीष तिवारी ने कहा, "भारत में मैगी के लिए यह वास्तव में एक विशेष उपलब्धि है।

रॉयल एनफील्ड हंटर 350 खरीदना हुआ और अधिक किफायती

पटना।रॉयल एनफील्ड हंटर 350 देश में सबसे अधिक किफायती और लोकप्रिय प्रीमियम मोटरसाईकल के सेगमेंट में लगातार अपनी स्थिति मजबूत कर रही है। यह केवल 4999 रुपये के शुरुआती डाउन पेमेंट पर उपलब्ध है। हंटर 350 ने युवाओं के लिए प्रीमियम मोटरसाईकल खरीदने का सपना पूरा करना बहुत आसान बना दिया है। पहली बार मोटरसाईकल खरीदने वाले ग्राहक, ऑफिस जाने वाले युवा और युवा प्रोफेशनल 6 साल की अधिकतम भुगतान अवधि के साथ केवल 3655 रुपये प्रति माह की ई.एम.आई पर हंटर 350 खरीद सकते हैं। हंटर 350 बहुत आसान फाईनेंसिंग और किफायती ब्याज दरों के साथ मिल रही है, जिसने मिड-साईज मोटरसाईकल कैटेगरी में प्रवेश करना और अधिक आसान बना दिया है। हंटर 350 पिछले कुछ समय में मिड-साईज़ सेगमेंट की सबसे पसंदीदा मोटरसाईकल बनकर उभरी है। अपने आधुनिक डिज़ाईन, दिलचस्प राईड कैरेक्टर और बहुत अधिक किफायती होने के साथ हंटर 350 मोटरसाईकल प्रेमियों की नई पीढ़ियों को रॉयल एनफील्ड परिवार में शामिल कर रही है। हंटर 350 में 350सीसी का जे-सीरीज़ इंजन दिया गया है, जो रिफाईंड पॉवर और टॉर्क प्रदान करने के लिए प्रमाणित है। इसका स्लिप-असिस्ट क्लच राईडर को चुस्त और फुर्तीला बनाकर रखता है। यह मोटरसाईकल 7 रंगों, रियो व्हाईट, लंदन रेड, टोक्यो ब्लैक, रेबेल ब्लू, ग्रेफाईट ग्रे, डैपर ग्रे और फैक्ट्री ब्लैक में उपलब्ध है।

एचएमएसआई ने दो नए प्रोडक्ट्स लॉन्च किए

पटना।होंडा मोटरसाइकिल एंड स्कूटर इंडिया (एचएमएसआई) ने दो नए प्रोडक्ट्स लॉन्च किए डियो 125 एक्स - एडिशन, जिसकी कीमत 87,733 रूपये है, और शाइन 125 लिमिटेड एडिशन, जिसकी कीमत 86,211 रूपये है (दिल्ली एक्स-शोरूम)। आज के बदलते राइडर्स को ध्यान में रखते हुए डिज़ाइन किए गए ये दोनों स्पेशल एडिशन एक रिफ्रेश्ड आइडेंटिटी, आकर्षक नए ग्राफिक्स और प्रीमियम डिज़ाइन एन्हांसमेंट्स के साथ पेश किए गए हैं, जो तेज़ी से बढ़ते भारतीय टू-व्हीलर मार्केट में इनकी अपील को और बढ़ाते हैं। नए स्पेशल एडिशन पेश करते हुए, होंडा मोटरसाइकिल एंड स्कूटर इंडिया के मैनेजिंग डायरेक्टर, प्रेसिडेंट और सीईओ त्सुत्सुमु ओतानी ने कहा, " बिल्कुल नया डियो 125 एक्स-एडिशन और शाइन 125 लिमिटेड एडिशन, स्टाइल की नई अभिव्यक्तियां पेश करने के साथ-साथ उस भरोसे और विश्वसनीयता को भी दर्शाते हैं, जिसकी उम्मीद ग्राहक होंडा से करते हैं। लॉन्च पर टिप्पणी करते हुए, होंडा मोटरसाइकिल एंड स्कूटर इंडिया के डायरेक्टर सेल्स एंड मार्केटिंग, योगेश माथुर ने कहा, "डियो 125 एक्स-एडिशन होंडा की अपनी जेन जेड डिज़ाइन टीम द्वारा तैयार की गई बोल्ड और यूथफुल एनर्जी के साथ आता है, जो आज के युवा राइडर्स की व्यक्तिगत पहचान को दर्शाता है।

9 दिवसीय श्री लक्ष्मी नारायण महायज्ञ को लेकर यज्ञ स्थल पर ध्वजारोहन

दानापुर।पीपापुल अखाडा घाट पर गंगा तट पर 18 फरवरी से आयोजित होने वाले 9 दिवसीय श्री लक्ष्मी नारायण महायज्ञ को लेकर यज्ञ स्थल पर ध्वजारोपण किया गया है. इससे पूर्व यज्ञाचार्च द्वारा वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ गणेश पूजन, पंचांग पूजन , वेदी पूजन , ध्वज पूजन व वेदी पूजन किया गया. यज्ञाचार्य ने बताया कि ध्वजारोपण से लेकर यज्ञ की पूर्णाहूति तक किसी भी प्रकार की बाधा या क्लेश न हो इसके लिए यज्ञ स्थल पर प्रभु का स्मरण कर ध्वजारोपण किया जाता है. यज्ञ समिति के अध्यक्ष रंजीत यादव , सचिव अकलेश कुमार व लोजपा जिलाध्यक्ष चंदन यादव ने बताया कि महायज्ञ 18 फरवरी से प्रारंभ होकर 26 फरवरी तक चलेगा. 18 फरवरी को कुमारी कन्या द्वारा गंगा का पवित्र जल भरकर यज्ञ स्थल तक लाया जायेगा. वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ कलश की स्थापित किया जायेगा. महायज्ञ में बालयोगी यज्ञाशीध श्री कन्हैया जी महाराज, श्री राम कुमार दास जी महाराज व बनारस के आचार्य पंडित यज्ञ नारायण मिश्रा समेत विद्वानों संतों द्वारा प्रवचन किया जाएगा . साथ ही मनोरजन के लिए वृंदावन के रासलीला व रामलीला का भी आयोजन किया गया है. मौके पर पूर्व पंसस उमेश यादव , हरेश यादव , मनोहर यादव , विकास यादव , आशुतोष शर्मा , मोहित कुमार सिंह , गोविंद , रंधीर तिवारी, लालदेव दास, मुन्ना यादव व राकेश यादव समेत आदि मौजूद थे.

सावधान - कम ब्याज पर लोन का झांसा पड़ सकता है महंगा

नई सोच एक्सप्रेस

» धनी ऐप के माध्यम से साइबर ठगी का मामला उजागर
» पुलिस कार्रवाई में पांच गिरफ्तार, दो फरार

पटना।पटना से आई आर्थिक अपराध इकाई, एसटीएफ और शेखपुरा पुलिस के द्वारा संयुक्त अभियान चलाकर पांच साइबर अपराधी को गिरफ्तार किया गया है। जबकि दो अपराधी मौके का फायदा उठाकर भागने में सफल हो गए। इसकी जानकारी देते हुए पुलिस उपाधीक्षक सह साइबर थानाध्यक्ष ज्योति कुमारी ने बताया कि बरबीघा थाना क्षेत्र के छबीला ठेका गांव में पटना से आई आर्थिक अपराध इकाई एसटीएफ और स्थानीय पुलिस बलों के द्वारा संयुक्त छापेमारी अभियान चलाया गया था। इस अभियान में एक दलान में धनी ऐप के नाम पर ठगी कर रहे पांच साइबर अपराधी सभी छबिला ठेका गांव निवासी है। संजय रावत के पुत्र राजू कुमार, जिस पर अलग-अलग राज्य में दस आपराधिक मामले दर्ज हैं। जबकि उसी गांव के राजकुमार प्रसाद के पुत्र पुष्पक कुमार, इंद्रदेव प्रसाद के पुत्र राजीव कुमार, संजय प्रसाद के पुत्र अवनीश कुमार, राजो रावत के पुत्र मोहित कुमार को भी गिरफ्तार किया गया है। इनके पास से छः मोबाइल फोन बरामद किए गए हैं। जिसमे धनी ऐप के माध्यम से ठगी करने का साक्ष्य बरामद किया गया है। मामले के संबंध में डीएसपी ज्योति कुमारी ने बताया कि मौके का फायदा उठाकर दो बदमाश सचिन कुमार और अभिषेक कुमार फायर हो गए। डीएसपी ने कहा कि साइबर अपराध मामले में गिरफ्तार सभी अपराधी 22 से 25 वर्ष के हैं। ये लोग कम इंट्रेस्ट पर लोन दिलाने का प्रलोभन देकर लोगो को झाँसा में लेकर साइबर ठगी करते थे। सभी को शेखपुरा जेल भेजनें की प्रक्रिया की जा रही है।

"टीचर्स ऑफ बिहार" समूह आज केवल एक राज्य-स्तरीय पहल नहीं, बल्कि देशभर के शिक्षकों के लिए प्रेरणा का मॉडल बन चुका है

नई सोच एक्सप्रेस

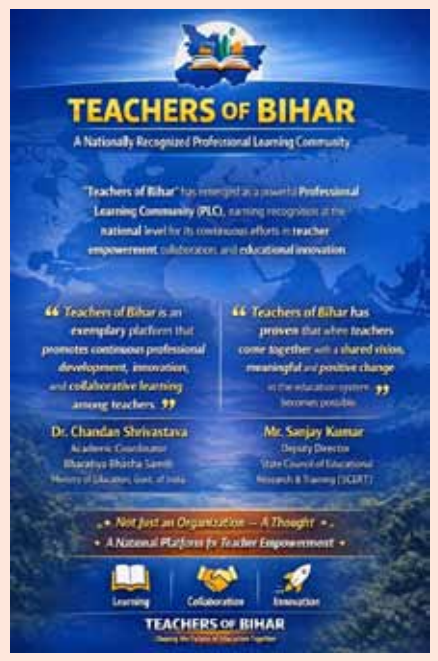

पटना।प्रोफेशनल लर्निंग कम्युनिटी के रूप में राष्ट्रीय स्तर तक अपनी सशक्त पहचान बना चुका "टीचर्स ऑफ बिहार" समूह आज केवल एक राज्य-स्तरीय पहल नहीं, बल्कि देशभर के शिक्षकों के लिए प्रेरणा का मॉडल बन चुका है। डॉ. चंदन श्रीवास्तव, शैक्षिक समन्वयक, भारतीय भाषा समिति, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार ने कहा कि-- "टीचर्स ऑफ बिहार शिक्षकों को निरंतर सीखने, नवाचार अपनाने और आपसी सहयोग के माध्यम से सशक्त करने का उत्कृष्ट उदाहरण है।" यह समूह जमीनी स्तर पर शिक्षकों की सहभागिता को बढ़ाते हुए, कक्षा-कक्ष तक गुणवत्तापूर्ण शिक्षण के प्रभाव को स्पष्ट रूप से दिखाता है। डिजिटल माध्यमों का रचनात्मक उपयोग और शिक्षक-नेतृत्व आधारित कार्यशैली इसे एक आदर्श Professional Learning Community (PLC) के रूप में स्थापित करती है। वहीं श्री संजय कुमार, उप निदेशक, राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद् (SCERT) ने कहा कि-- "टीचर्स ऑफ बिहार ने यह सिद्ध कर दिया है कि जब शिक्षक संगठित होकर साझा लक्ष्य के साथ आगे बढ़ते हैं, तो शिक्षा व्यवस्था में सकारात्मक परिवर्तन संभव है।" यह मंच न केवल शिक्षकों के व्यावसायिक विकास को गति देता है, बल्कि नई शिक्षा नीति के अनुरूप नवाचार, शोध और अनुभव साझा करने की संस्कृति को भी मजबूती प्रदान करता है। दोनों वक्ताओं ने एक स्वर में यह स्वीकार किया कि टीचर्स ऑफ बिहार आज शिक्षक सशक्तिकरण, सहयोगात्मक अधिगम और शैक्षिक नवाचार का सशक्त उदाहरण बनकर उभरा है, जिसकी पहचान अब राष्ट्रीय स्तर पर स्थापित हो चुकी है और भविष्य में यह राज्य ही नहीं बल्कि देश की शिक्षा प्रणाली को नई दिशा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

पाटलिपुत्र विश्वविद्यालय–अगस्त्य फाउंडेशन के बीच एमओयू, 8 हजार से अधिक छात्रों को मिलेगा निःशुल्क इंटर्नशिप का अवसर

नई सोच एक्सप्रेस

पटना।पाटलिपुत्र विश्वविद्यालय, पटना ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति–2020 के प्रभावी क्रियान्वयन की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए शिक्षा के क्षेत्र में राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिष्ठित संस्था अगस्त्य फाउंडेशन के साथ समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए। विश्वविद्यालय परिसर में आयोजित गरिमामयी समारोह में यह एमओयू संपन्न हुआ।

इस अवसर पर कुलपति प्रो. उपेन्द्र कुमार सिंह, रजिस्ट्रार डॉ. अबू बकर रिज़वी, डीन स्टूडेंट वेलफेयर डॉ. राजीव रंजन तथा इंटर्नशिप कॉर्डिनेटर एवं प्लेसमेंट हेड डॉ. मोहम्मद अली सहित विश्वविद्यालय के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। अगस्त्य फाउंडेशन की ओर से डायरेक्टर रामजी रघवन की उपस्थिति रही, जिनका विश्वविद्यालय प्रशासन ने औपचारिक स्वागत किया।

8,000 से अधिक विद्यार्थियों को मिलेगा लाभ

एमओयू के माध्यम से पाटलिपुत्र विश्वविद्यालय के 8,000 से अधिक छात्र-छात्राओं को निःशुल्क इंटर्नशिप का अवसर मिलेगा। इससे विद्यार्थियों के अकादमिक अध्ययन को व्यावहारिक अनुभव से जोड़ने में मदद मिलेगी और रोजगारोन्मुखी कौशल विकसित होंगे।

शिक्षा में नवाचार की पहचान है अगस्त्य फाउंडेशन

वर्ष 1999 से शिक्षा के क्षेत्र में सक्रिय अगस्त्य फाउंडेशन वर्तमान में देश के 19 राज्यों में कार्यरत है। संस्था विशेष रूप से सरकारी विद्यालयों के विद्यार्थियों को विज्ञान शिक्षा उपलब्ध कराने के लिए जानी जाती है। अपनी मोबाइल साइंस लैब्स के माध्यम से अगस्त्य फाउंडेशन प्रयोगात्मक और अनुभव आधारित शिक्षण को बढ़ावा देती है।

कॉलेजों में प्रशिक्षण, स्कूलों से जुड़ेंगे विद्यार्थी

एमओयू के तहत अगस्त्य फाउंडेशन के प्रशिक्षक विश्वविद्यालय के विभिन्न महाविद्यालयों में जाकर स्नातक स्तर के विद्यार्थियों को प्रशिक्षण देंगे। इसके बाद विद्यार्थियों को सरकारी विद्यालयों से जोड़ते हुए इंटर्नशिप कराई जाएगी। राष्ट्रीय शिक्षा नीति–2020 के अनुसार सेमेस्टर IV के बाद सेमेस्टर V के विद्यार्थियों के लिए चार क्रेडिट हेतु न्यूनतम 50 घंटे की अनिवार्य इंटर्नशिप का प्रावधान है। इसी को प्रभावी रूप से लागू करने के उद्देश्य से यह समझौता किया गया है, जिसे विश्वविद्यालय की एक ऐतिहासिक उपलब्धि माना जा रहा है।

विश्वविद्यालय प्रशासन की प्रतिक्रिया

रजिस्ट्रार डॉ. अबू बकर रिज़वी ने कहा कि यह पाटलिपुत्र विश्वविद्यालय के लिए ऐतिहासिक दिन है। इस समझौते से विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण इंटर्नशिप के साथ-साथ भविष्य में रोजगार के अवसरों का मार्ग भी प्रशस्त होगा।

कुलपति प्रो. उपेन्द्र कुमार सिंह ने कहा कि यह एमओयू पूरे पीपीयू परिवार के सामूहिक प्रयास का परिणाम है। विश्वविद्यालय सदैव ऐसे नवाचारपूर्ण कदम उठाता रहेगा, जो विद्यार्थियों के शैक्षणिक और व्यावसायिक भविष्य को नई दिशा दें। उन्होंने अगस्त्य फाउंडेशन के साथ सहयोग को आगे भी जारी रखने की इच्छा जताई।

कार्यक्रम में व्यापक सहभागिता

अगस्त्य फाउंडेशन की ओर से नॉर्थ इंडिया हेड मुकेश कुमार एवं सुनील कुमार भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन एवं समन्वय इंटर्नशिप कॉर्डिनेटर व प्लेसमेंट हेड डॉ. मोहम्मद अली ने किया। अपनी प्रस्तुति में उन्होंने बताया कि अब विद्यार्थी इंटर्नशिप शुरू होने से पहले ही विभिन्न संस्थाओं से परिचित हो सकेंगे, जिससे वे अपनी रुचि और क्षमता के अनुसार विकल्प चुन पाएंगे। इस अवसर पर मेधा फाउंडेशन, मुक्त फाउंडेशन तथा प्रेम यूथ फाउंडेशन की उपस्थिति ने कार्यक्रम की गरिमा बढ़ाई। प्रेम यूथ फाउंडेशन के संस्थापक गांधीवादी प्रेम जी ने इस पहल की सराहना करते हुए खुशी

फतुहा में पत्रकार को धमकी: लोकतंत्र पर हमला

नई सोच एक्सप्रेस

फतुहा।वरिष्ठ पत्रकार अमरेश सिंह को लगातार मोबाइल पर धमकियां मिलने का मामला सामने आया है, जिसे लोकतंत्र और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर सीधा हमला बताया जा रहा है। डॉ. लक्ष्मी नारायण सिंह पटेल ने कहा कि किसी पत्रकार को खबर हटाने के लिए डराना न केवल व्यक्ति विशेष, बल्कि संविधान और कानून के शासन को चुनौती देने जैसा है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, धमकी देने वाला व्यक्ति अलग-अलग नामों से खुद को परिचित कराते हुए कभी नौडीहा तो कभी फतुहा कबीर मठ का महंथ बताता है, जबकि कबीर मठ के परमानंद स्वयं को वैध महंथ बताते हैं। इस विवाद से जुड़े तथ्यों को पत्रकार अमरेश सिंह ने निष्पक्ष रूप से वीडियो के माध्यम से जनता के सामने रखा था। इसके बावजूद उन्हें वीडियो हटाने की धमकी दी जा रही है। डॉ. पटेल ने सवाल उठाया कि क्या पत्रकार को धमकाकर खबर हटवाना अपराध नहीं है और क्या यह आईपीसी की धारा 503, 506 तथा आईटी एक्ट का उल्लंघन नहीं है। उन्होंने मांग की कि अमरेश सिंह को तत्काल सुरक्षा दी जाए, धमकी देने वाले व्यक्ति की पहचान और गतिविधियों की जांच हो तथा दोषी पाए जाने पर कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाए, ताकि भविष्य में पत्रकारों को डराने की घटनाओं पर रोक लग सके।

पटना में दरिंदगी! 8 साल की बच्ची से यौन अपराध का आरोप, पुलिस ने आरोपी को किया तुरंत गिरफ्तार

नई सोच एक्सप्रेस

पटना। पटना के बिहटा थाना क्षेत्र से एक बेहद गंभीर मामला सामने आया है, जहां एक महिला ने थाने में आवेदन देकर आरोप लगाया कि उसकी आठ वर्षीय पुत्री के साथ गांव के ही एक युवक ने यौन अपराध किया है। सूचना मिलते ही पुलिस हरकत में आ गई और बिना देरी किए आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस के अनुसार, पीड़िता का चिकित्सीय परीक्षण कराया जा रहा है ताकि मामले की पूरी सच्चाई सामने आ सके। वहीं, एफएसएल टीम को भी घटनास्थल पर बुलाया गया है, जहां से महत्वपूर्ण साक्ष्य जुटाने की कार्रवाई जारी है। इस पूरे मामले पर दानापुर-02 के अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी अमरेन्द्र कुमार झा ने बताया कि पुलिस इस घटना को बेहद गंभीरता से ले रही है और सभी आवश्यक कानूनी प्रक्रियाएं तेजी से पूरी की जा रही हैं। उन्होंने आश्वासन दिया कि जांच निष्पक्ष होगी और दोषी पाए जाने पर आरोपी के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल पुलिस मामले की हर एंगल से जांच कर रही है, जबकि इलाके में इस घटना को लेकर लोगों में आक्रोश और चिंता का माहौल है।

कोटक फ्लेक्सी कैप फंड ने 15 साल पूरे किए

नई सोच एक्सप्रेस

पटना।कोटक महिंद्रा एसेट मैनेजमेंट कंपनी लिमिटेड ने कोटक फ्लेक्सी कैप फंड के 15 साल पूरे होने की घोषणा की। इस योजना ने शुरू होने से अब तक 16.59 प्रतिशत की सालाना औसत रिटर्न दिया है और अलग-अलग मार्केट साइकिल में लंबी अवधि में मजबूत प्रदर्शन किया है। कोटक महिंद्रा एसेट मैनेजमेंट कंपनी लिमिटेड के मैनेजिंग डायरेक्टर नीलेश शाह ने कहा कि कोटक फ्लेक्सी कैप फंड के 15 साल पूरे होना हमारे लिए और उन निवेशकों के लिए गर्व की बात है जो लगातार इस फंड से जुड़े रहे हैं। फ्लेक्सी कैप फंड की कैटेगरी आज भी बहुत अहम है, क्योंकि यह निवेशकों को भारत की ग्रोथ की यात्रा में अलग-अलग सेगमेंट्स में निवेश का मौका देती है, जबकि मार्केट कैपिटलाइजेशन से जुड़े फैसले एक अनुभवी निवेश टीम पर छोड़ दिए जाते हैं। 31 दिसंबर 2025 तक, कोटक फ्लेक्सी कैप फंड डायरेक्ट प्लान – ग्रोथ ऑप्शन ने पिछले 10 साल में 15.70 फीसदी और पिछले 5 साल में 16.87 फीसदी की सालाना औसत रिटर्न दिया है। इस फंड का मैनेजमेंट हर्ष उपाध्याय कर रहे हैं, जो कोटक महिंद्रा एएमसी के सीआईओ हैं। उनकी निवेश को लेकर सोच सटेबल इनकम, मजबूत कॉर्पोरेट गवर्नेंस और पूंजी के सही उपयोग पर आधारित है। हर्ष उपाध्याय ने कहा कि कोटक फ्लेक्सी कैप फंड ने पिछले 15 साल में अलग-अलग मार्केट फेज को सफलतापूर्वक पार किया है, क्योंकि यह हमेशा मजबूत और लंबे समय तक कमाई करने वाली कंपनियों में निवेश पर केंद्रित रहा है, जिनमें पूंजी का सही इस्तेमाल होता है।

गीत-साहित्य के प्राण थे महाकवि जानकी वल्लभ शास्त्री, चिंतक साहित्यकार थे पं शिवदत्त मिश्र

नई सोच एक्सप्रेस

» जयंती पर साहित्य सम्मेलन में दी गयी गीतांजलि, जय प्रकाश पाण्डेय और विजय ज्योति को मिला स्मृति-सम्मान

पटना।हिन्दी साहित्य के पुरोधा और गीत के शलाका-पुरुष आचार्य जानकी वल्लभ शास्त्री गीत-साहित्य के प्राण-पुरुष थे। वे संस्कृत और हिन्दी के मूर्द्धन्य विद्वान तो थे ही साहित्य और संगीत के भी बड़े तपस्वी साधक थे। कवि-सम्मेलनों की तो शोभा ही थे। अपने कोकिल-कंठ से जब वे गीत को स्वर देते थे, हज़ारों-हज़ार धड़कने थम सी जाती थी। कवि-सम्मेलनों के मंच पर उनकी बराबरी राष्ट्र-कवि रामधारी सिंह 'दिनकर' और गीतों के राज कुमार गोपाल सिंह नेपाली के अतिरिक्त कोई भी नहीं कर सकता था। यह बातें गुरुवार को, बिहार हिन्दी साहित्य सम्मेलन में महाकवि जानकी वल्लभ शास्त्री और चिंतक साहित्यकार पं शिवदत्त मिश्र की जयंती पर आयोजित समारोह और कवि-सम्मेलन की अध्यक्षता करते हुए, सम्मेलन अध्यक्ष डा अनिल सुलभ ने कही। शास्त्री जी ने अपनी साहित्यिक-यात्रा संस्कृत-काव्य से आरंभ की थी। किंतु महाप्राण निराला के निर्देश पर उन्होंने हिन्दी में काव्य सृजन आरंभ किया और देखते ही देखते गीत-संसार के विस्तृत नभ में सूर्य के समान छा गए। साहित्य की सभी विधाओं में जी भर के लिखा। कहानी,उपन्यास , संस्मरण, नाटक और ग़ज़लें भी लिखी। सम्मेलन के उपाध्यक्ष रहे पं शिवदत्त मिश्र को स्मरण करते हुए डा सुलभ ने कहा कि, मिश्र जी एक संवेदनशील कवि और दार्शनिक-चिंतन रखने वाले साहित्यकार थे। 'कैवल्य' नामक उनके ग्रंथ में, उनके आध्यात्मिक चिंतन की गहराई देखी जा सकती है। सम्मेलन-अध्यक्ष ने इस अवसर पर दो युवा हिन्दी सेवियों विजय ज्योति और जय प्रकाश पाण्डेय को 'महाकवि जानकी वल्लभ शास्त्री स्मृति-सम्मान' से विभूषित किया। अतिथियों का स्वागत करती हुईं सम्मेलन की उपाध्यक्ष डा मधु वर्मा ने कहा कि महाकवि जानकी वल्लभ शास्त्री की काव्य-रचनाओं में नारियों का स्थान अत्यंत महनीय है। उन्होंने साहित्य की प्रायः सभी विधाओं में अधिकार पूर्वक लिखा। उनकी साहित्यिक-दृष्टि समाजोन्मुखी थी। भारतीय प्रशासनिक सेवा के पूर्व अधिकारी और वरिष्ठ कवि बच्चा ठाकुर, डा रत्नेश्वर सिंह, डा पुष्पा जमुआर, विभा रानी श्रीवास्तव, डा मनोज गोवर्धनपुरी, दा अर्चना त्रिपाठी तथा बाँके बिहारी साव ने भी अपने विचार व्यक्त किए।

जे. डी. वोमैंस कॉलेज में फैशन डिज़ाइनिंग प्रदर्शनी

नई सोच एक्सप्रेस

पटना।फैशन डिज़ाइनिंग विभाग द्वारा टाई-डाई कला पर आधारित प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। प्रदर्शनी में टाई-डाई तकनीक से तैयार साड़ी, सूट, दुपट्टा, स्कर्ट एवं कुर्ती प्रदर्शित किए गए। साथ ही राजस्थानी डाई तकनीक—मलमल व लहरिया का आकर्षक प्रस्तुतीकरण किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्राचार्या डॉ. पूनम कुमारी ने की। इस अवसर पर हिंदी विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. रेखा मिश्रा की गरिमामयी उपस्थिति रही। कार्यक्रम की समन्वयक सीमा मिश्रा रहीं। फैशन डिज़ाइनिंग इंचार्ज अल्पना कश्यप प्रीति जायसवाल एवं रंजू कुमारी के मार्गदर्शन में प्रदर्शनी सफलतापूर्वक संपन्न हुई। प्रदर्शनी में अल्का, रितिका, सलोनी, अदिति, मनीषा, शोभा, मुस्कान, साइजदा, नेहा कुमारी, नेहा दास, संजू एवं रिया ने अपनी रचनात्मक कृतियों का सफल प्रस्तुतीकरण किया।

संक्षिप्त समाचार

एक दिवसीय प्राकृतिक खेती प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजन

मझौलिया।पश्चिम चंपारण कृषि विज्ञान केंद्र, माधोपुर पश्चिम चंपारण में एक दिवसीय प्राकृतिक खेती प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में जिले के 3 प्रगतिशील प्राकृतिक खेती करने वाले किसानों को प्रशिक्षित किया गया, जिनमें नरकटियागंज के दीपेंद्र दुबे, भवाल, रामनगर के बच्चा सिंह और रुल्ही, मझौलिया के परशुराम सिंह शामिल हैं। कार्यक्रम का आयोजन डॉ. अभिषेक प्रताप सिंह, वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख, कृषि विज्ञान केंद्र, माधोपुर के मार्गदर्शन में किया गया था। कार्यक्रम का आयोजन डॉ. हर्षा बी आर, वैज्ञानिक (फसल उत्पादन), कृषि विज्ञान केंद्र, माधोपुर द्वारा किया गया, जो केंद्रीय सरकार के एनएमएनएफ परियोजना के तहत प्राकृतिक खेती के लिए नोडल अधिकारी भी हैं। इस अवसर पर डॉ. चेल्पुरी रामुलू, वैज्ञानिक (कृषि अभियांत्रिकी) और डॉ. जग पाल, वैज्ञानिक (मत्स्य विज्ञान), कृषि विज्ञान केंद्र, माधोपुर भी उपस्थित थे।कार्यक्रम के दौरान किसानों को प्राकृतिक खेती की विधियों, इसके लाभ और इसके उपयोग के बारे में जानकारी दी गई। प्रशिक्षण में भाग लेने वाले किसानों को एनएमएनएफ के तहत ड्रम, स्प्रेयर, बेसन और गुड़ प्रदान किए गए। कार्यक्रम का उद्देश्य प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देना और किसानों को इस विधि के माध्यम से स्वस्थ और टिकाऊ खेती के लिए प्रेरित करना था। प्रशिक्षण के दौरान किसानों ने प्राकृतिक खेती के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की और अपने अनुभव साझा किए। कार्यक्रम के अंत में प्रशिक्षणार्थियों को प्राकृतिक खेती को अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया गया।

रोज़गार और आजीविका मिशन ग्रामीण को मिलेगा साल में 125 दिन का रोजगार

मझौलिया।कार्यक्रम पदाधिकारी तरुण कुमार ने सोमवार को आयोजित एक प्रेस वार्ता में व्हीबी जी राम जी कार्यक्रम की विस्तृत जानकारी देते हुए इसके उद्देश्यों और लाभों पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि यह कार्यक्रम ग्रामीण क्षेत्र के जरूरतमंद परिवारों को आर्थिक सुरक्षा और रोजगार उपलब्ध कराने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। प्रेस वार्ता के दौरान तरुण कुमार ने कहा व्हीबी जी राम जी कार्यक्रम के तहत लाभार्थियों को वर्ष में 125 दिनों तक रोजगार उपलब्ध कराया जाएगा, जिससे ग्रामीण परिवारों की आय में स्थिरता आएगी और पलायन पर भी अंकुश लगेगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि कार्यक्रम पूरी तरह पारदर्शी व्यवस्था पर आधारित है, ताकि मजदूरों को समय पर और सही लाभ मिल सके। कार्यक्रम पदाधिकारी ने जानकारी दी कि मजदूरी का भुगतान प्रत्यक्ष लाभ अंतरण (डीबीटी) के माध्यम से सीधे लाभार्थियों के बैंक खातों में किया जाएगा। इससे बिचौलियों की भूमिका समाप्त होगी और भुगतान में पारदर्शिता बनी रहेगी। साथ ही उन्होंने बताया कि यदि किसी कारणवश मजदूरी का भुगतान समय पर नहीं होता है, तो विलंबित भुगतान की स्थिति में बेरोजगारी भत्ता देने का भी प्रावधान किया गया है, जिससे श्रमिकों के अधिकार सुरक्षित रहेंगे। कार्यक्रम पदाधिकारी तरुण कुमार ने आम जनता से अपील की कि वे बीजी रामजी कार्यक्रम के तहत पंजीकरण कराकर इसका लाभ उठाएं और रोजगार सृजन से जुड़ी योजनाओं में सक्रिय भागीदारी निभाएं। उन्होंने कहा कि प्रशासन की ओर से कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए सभी आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं, ताकि अधिक से अधिक लोगों को इसका लाभ मिल सके । मौके पर ऋषि कुमार शर्मा , रमन कुमार, अर्चना कुमारी , सुबोध कुमार सहित मुखिया सत्य प्रकाश, आशीष भट्ट, शौकत अली, समिति सदस्य संजय पटेल,वजीर आलम सहित अन्य शामिल थे ।

कलवार महिला मंच की नई कार्यकारिणी ने पदभार संभाला

मुजफ्फरपुर। कलवार महिला मंच की नई कार्यकारिणी ने पदभार संभाल लिया है। गुरुवार को सरैयागंज स्थित नवयुवक समिति ट्रस्ट परिसर में आयोजित एक समारोह में कलवार महिला मंच की नई कार्यसमिति (2026 से 2028) के सभी निर्वाचित पदाधिकारी को शपथ दिलाया गया तथा फूल माला और अंग वस्त्र से सम्मानित किया गया, जिसकी अध्यक्षता भाजपा नेत्री सविता जायसवाल ने किया। साथ ही निवर्तमान अध्यक्ष सविता चौधरी तथा महामंत्री जुली चौधरी से अध्यक्ष रागिनी चौधरी तथा महामंत्री रेणु चौधरी ने पदभार ग्रहण किया।कोषाध्यक्ष के रूप में लवली जायसवाल उपाध्यक्ष अलका चौधरी , उषा चौधरी ,मीनाक्षी चौधरी,कंचन चौधरी ,मंत्री शिखा चौधरी,मीना चौधरी, मीरा चौधरी, प्रियंका जायसवाल, निर्मला चौधरी, उप कोषाध्यक्ष अंशु चौधरी, अंकेछक प्रियंका चौधरी, संरक्षक सदस्य श्रीमती जूली चौधरी , सविता चौधरी, मीरा श्याम गुप्ता, रूप श्री, सुशीला चौधरी ,अधिवक्ता मुन्नी चौधरी प्रभा, सीमा जायसवाल, रीता चौधरी, मधु चौधरी, नमिता चौधरी, राजकुमारी देवी, शकुंतला चौधरी को भी सम्मानित किया गया। वही इस अवसर पर समाज सेवी द्वारिका नाथ चौधरी,भाजपा नेता तथा वियाहुत सभा के पूर्व अध्यक्ष सुजीत चौधरी, पूर्व महामंत्री मनोज कुमार चौधरी,वियाहुत सेवा ट्रस्ट के महामंत्री राजकुमार चौधरी, अध्यक्ष पी एन प्रसाद, दिलीप कुमार चौधरी, दीपक कुमार तथा अन्य ने सभी सदस्यों को बाधाई दिया है।

डाक पार्सल पिकअप में बने तहखाना से अवैध 484 लीटर विदेशी शराब बरामद हुआ

जहानाबाद। जिलाधिकारी अनिल कुमार सिन्हा एवं पुलिस अधीक्षक अपराजित लोहान के दिशा निर्देश में कार्य करते हुए मद्य, निषेध एवं उत्पाद कार्यालय की टीम द्वारा एक महत्वपूर्ण कार्रवाई करते हुए एक डाक पार्सल पिकअप में बने तहखाना से अवैध विदेशी शराब बरामद की गई। जिसकी कुल मात्रा 484 लीटर थी। इसके साथ ही दो व्यक्ति गिरफ्तार किये गये हैं । यह कार्रवाई बिहार मद्य निषेध एवं उत्पाद अधिनियम 2016 के प्रावधानों के तहत की गई है जिसके अंतर्गत बिहार राज्य में किसी भी प्रकार के मादक द्रव्यों के निर्माण, भंडारण, परिवहन, क्रय विक्रय एवं सेवन पर सख्त प्रतिबंध है । यह अधिनियम राज्य में सामाजिक सुरक्षा, स्वास्थ्य संरक्षण तथा अपराध नियंत्रण की दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण है । जिला प्रशासन द्वारा शराबबंदी के पूर्ण क्रियान्वयन को लेकर जिला प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद है। निरंतर चलाए जा रहे सतर्कता अभियानों के माध्यम से कड़ी निगरानी रखी जा रही है। यह स्पष्ट कर दिया गया है कि कानून का उल्लंघन करने वाले किसी भी व्यक्ति के विरुद्ध कठोरतम वैधानिक कार्रवाई सुनिश्चित की जायेगी।

कानून व्यवस्था बनाए रखने में जनप्रतिनिधि करें सहयोग

नई सोच एक्सप्रेस

मझौलिया।थाना परिसर में जनप्रतिनिधियों से रूबरू होते हुए थाना अध्यक्ष अमर कुमार ने कहा कि अमन चैन शांति सांप्रदायिक सौहार्द और कानून व्यवस्था बनाए रखना पुलिस का परम कर्तव्य है। फरियादियों को उचित कानूनी न्याय दिलाना पुलिस प्रशासन का फर्ज है। पुलिस प्रशासन अपने दायित्व के निर्वहन में पूरी ईमानदारी और पारदर्शिता बरतती है। इन कार्यों में समाज के अमन शांति पसंद लोगों जनप्रतिनिधियों और मीडिया कर्मियों का सहयोग काफी मायने रखता है। थाना अध्यक्ष ने उपस्थित जनप्रतिनिधियों से अमन चैन कायम रखने और शांति व्यवस्था बनाए रखने में पुलिस का सहयोग करने की अपील की। उपस्थित जनप्रतिनिधियों ने अपने अपने क्षेत्र की समस्याओं से थाना अध्यक्ष को अवगत कराया। मझौलिया मुखिया सत्य प्रकाश ने शराब कारोबारियों पर कड़ाई से नकेल कसने की मांग की तथा आवेदन लिखने के नाम पर फरियादियों के हो रहे शोषण का मुद्दा उठाया। थानाध्यक्ष अमर कुमार ने आश्वासन दिया कि बहुत जल्द नकेल कसा जाएगा। बिहार में पूर्ण शराबबंदी कानून लागू है। अगर कोई कानून तोड़ता है तो उसके विरुद्ध कड़ी से कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी और की जाती है। उन्होंने कहा कि आवेदन लिखने के नाम पर अब फरियादियों का शोषण नहीं होगा शिकायत मिलते ही त्वरित कार्रवाई की जाएगी। उपस्थित जनप्रतिनिधियों को थाना अध्यक्ष ने भरोसा दिया कि अपने-अपने अधिकार क्षेत्र में कानून संवत कामकाज करें पुलिस सदैव सहयोग में खड़ी रहेगी। कानून के रखवालो के साथ पुलिस सदैव मित्रवत व्यवहार करती है लेकिन कानून तोड़ने वालों के साथ कानूनी प्रक्रिया अपनाती है। इस अवसर पर जिला पार्षद लालू यादव मुखिया सत्य प्रकाश, आशीष भट्ट ,डॉक्टर चंद्रिका साह, शौकत अली सरपंच संजय पटेल, मोहम्मद मुस्ताक, पूरण दास, रोबदा खातून,शिबू तिवारी भाजपा के वरिष्ठ नेता रूपेश कुमार सिंह वी आई पार्टी के प्रखंड अध्यक्ष साधु सहनी समाजसेवी उपेंद्र कुमार सर्वेश कुमार चौबे लव पांडे आदि उपस्थित थे।

निगम क्षेत्र के ऐतिहासिक और सांस्कृतिक धरोहरों को सुरक्षित,सुसज्जित और संरक्षित करना मेरी प्राथमिकता:गरिमा

नई सोच एक्सप्रेस

» नगर के ऐतिहासिक "शहीद स्मारक" के सौंदर्यीकरण और संरक्षण कार्य के नगर निगम की 14.61 लाख की योजना पूरी होने पर महापौर ने किया निरीक्षण

» आज की युवा पीढ़ी से की अपने अमर स्वाधीनता सेनानी पूर्वजों के इतिहास को जानने के साथ नगर के यागदार स्मारक पर आदर पूर्वक पहुंच कर किया देखने की अपील

बेतिया।महापौर गरिमा देवी सिकारिया ने कहा कि चंपारण के स्वाधीनता संग्राम से जुड़ी अमूल्य विरासत को सहेजने की दिशा में पश्चिम Ijचंपारण जिला मुख्यालय के ऐतिहासिक "शहीद स्मारक" के सौंदर्यीकरण और संरक्षण कार्य को नगर निगम बोर्ड की योजना के अनुसार 14.61 लाख की योजना पूरी होने पर पूरी कर ली गई है। महापौर श्रीमती सिकारिया दल-बल के साथ स्थल का निरीक्षण के क्रम में उन्होंने कार्य की गुणवत्ता,संरचना की मजबूती और सौंदर्यात्मक पक्षों का बारीकी से अवलोकन किया। निरीक्षण उपरांत महापौर गरिमा देवी सिकारिया ने कहा कि नगर निगम क्षेत्र में स्थित सभी ऐतिहासिक और सांस्कृतिक धरोहरों को सुरक्षित, सुसज्जित और संरक्षित रखना नगर निगम की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है। उन्होंने कहा कि शहीद स्मारक केवल एक संरचना नहीं, बल्कि देश की आज़ादी के लिए अपने प्राणों की आहुति देने वाले वीर पूर्वजों की स्मृति का प्रतीक है, जिसका सम्मान और संरक्षण हम सभी का दायित्व है। महापौर ने जानकारी दी कि शहीद स्मारक को पूज्य स्थल के रूप में सुरक्षित रखने के उद्देश्य से अब इसकी घेराबंदी कर दी गई है, ताकि स्मारक परिसर में चप्पल-जूते पहनकर प्रवेश न हो सके। इसके साथ ही स्मारक परिसर में ग्रेनाइट का प्रयोग कर आकर्षक साज-सज्जा, सुंदर छतरी का निर्माण तथा उच्च स्तरीय प्रकाश व्यवस्था की गई है। इस संपूर्ण योजना पर कुल 14.61 लाख रुपये की लागत आई है।महापौर श्रीमती सिकारिया ने नगरवासियों, विशेषकर युवाओं से अपील की कि वे एक बार अवश्य शहीद स्मारक आएं, इसके ऐतिहासिक महत्व को जानें और स्वतंत्रता संग्राम के बलिदानियों से प्रेरणा लें। उन्होंने कहा कि ऐसे प्रयासों से नई पीढ़ी में देशभक्ति और ऐतिहासिक चेतना को मजबूती मिलेगी।

ऐतिहासिक पहल डॉ. संदीप मारवाह बने लाइफटाइम राष्ट्रीय सलाहकार

नई सोच एक्सप्रेस

» संस्थान को मिलेगा वैश्विक विस्तार, गुरुकुल शिक्षा और गौसंरक्षण को अंतरराष्ट्रीय पहचान दिलाने की पहल

मधुबनी/बिहार।भारतीय संस्कृति शिक्षा मीडिया तथा गौसेवा के क्षेत्र में कार्यरत अखिल भारतीय गुरुकुल एवं गौशाला अनुसंधान संस्थान ने एक महत्वपूर्ण एवं दूरदर्शी निर्णय लेते हुए अंतरराष्ट्रीय ख्यातिप्राप्त मीडिया शिक्षाविद् एवं सांस्कृतिक दूत डॉ. संदीप मारवाह को संस्थान का लाइफटाइम राष्ट्रीय सलाहकार नियुक्त किया है। यह नियुक्ति ऐसे समय में हुई है, जब डॉ. मारवाह को वर्ष 2026 के लिए फिल्म फेडरेशन ऑफ इंडिया (एफएफआई) का उपाध्यक्ष भी नामित किया गया है, जिसे भारतीय सिनेमा एवं मीडिया जगत के लिए गौरवपूर्ण उपलब्धि माना जा रहा है।अखिल भारतीय गुरुकुल एवं गौशाला अनुसंधान संस्थान भारत की प्राचीन गुरुकुल परंपरा, गौसंरक्षण, गौअनुसंधान, संस्कृतिपरक शिक्षा, राष्ट्र निर्माण तथा मानवीय मूल्यो के संरक्षण के लिए समर्पित एक राष्ट्रीय संस्था है।संस्थान का उद्देश्य भारतीय जीवन दर्शन को आधुनिक शिक्षा, अनुसंधान और वैश्विक संवाद से जोड़ना है। डॉ. संदीप मारवाह जैसे अंतरराष्ट्रीय अनुभव संपन्न व्यक्तित्व के जुड़ने से संस्थान के इन उद्देश्यो को वैश्विक मंच तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण मदद मिलने की उम्मीद जताई जा रही है। डॉ. संदीप मारवाह रचनात्मक कला, फिल्म, मीडिया शिक्षा और सांस्कृतिक कूटनीति के क्षेत्र में विश्व स्तर पर प्रतिष्ठित नाम है। वे नोएडा फिल्म सिटी के संस्थापक, मारवाह स्टूडियोज के चेयरमैन तथा एएएफटी विश्वविद्यालय के संस्थापक-कुलाधिपति है। इसके अलावा वे 145 से अधिक देशों के विद्यार्थियों का मार्गदर्शन कर चुके हैं और भारत की सांस्कृतिक सॉफ्ट पावर को वैश्विक स्तर पर स्थापित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। भारतीय कला, संस्कृति और शिक्षा को अंतरराष्ट्रीय पहचान दिलाने में उनके योगदान के लिए उन्हे देश-विदेश में अनेक सम्मान प्राप्त हो चुके है।इस अवसर पर संस्थान के संस्थापक एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष ज्योतिष रत्न गुरुजी गौतम ऋषि ने कहा कि डॉ. संदीप मारवाह जैसे वैश्विक दृष्टि संपन्न व्यक्तित्व का मार्गदर्शन संस्थान के लिए गौरव का विषय है। उनका अनुभव गुरुकुल शिक्षा, भारतीय संस्कृति और गौसेवा को अंतरराष्ट्रीय विमर्श से जोड़ने में मील का पत्थर साबित होगा। वही राष्ट्रीय संगठन महासचिव आनंद सिंह ने कहा कि डॉ. मारवाह की नियुक्ति से संस्थान की राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय पहचान और अधिक सुदृढ़ होगी तथा यह निर्णय आने वाली पीढ़ियों के लिए सांस्कृतिक और शैक्षिक दिशा तय करेगा।संस्थान ने विश्वास जताया है कि डॉ. संदीप मारवाह के मार्गदर्शन में गुरुकुल शिक्षा को आधुनिक मीडिया से जोड़ने, गौशाला अनुसंधान को वैश्विक मंच पर प्रस्तुत करने तथा भारतीय सांस्कृतिक मूल्यों को अंतरराष्ट्रीय संवाद में स्थापित करने की दिशा में ठोस पहल की जाएगी। संस्थान परिवार का मानना है कि यह सहयोग राष्ट्र संस्कृति और समाज के लिए दीर्घकालिक रूप से लाभकारी सिद्ध होगा।

सेवा निवृत्ति पर शारीरिक शिक्षक देवनारायण राय को भावभीनी विदाई

नई सोच एक्सप्रेस

छपरा।दरियापुर प्रखंड के अकबरपुर पंचायत स्थित उत्क्रमित मध्य विद्यालय भानपुर में शारीरिक शिक्षक देवनारायण राय के सेवा निवृत्ति के अवसर पर सम्मानपूर्वक विदाई समारोह का आयोजन किया गया। समारोह की अध्यक्षता पिंटू कुमार ने की, जबकि संचालन राजकुमार ठाकुर द्वारा किया गया। विदाई समारोह में क्षेत्र के बुजुर्ग, महिलाएं, स्थानीय जनप्रतिनिधि, शिक्षाविद् तथा अभिभावक बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। समारोह के दौरान माहौल काफी भावुक हो गया। संकुल अंतर्गत विद्यालयों के शिक्षकों ने उन्हें माला पहनाकर एवं अंगवस्त्र भेंट कर सम्मानित किया। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि यह क्षण उनके लिए अत्यंत भावुक है। उन्होंने विद्यार्थियों को खेलकूद के साथ-साथ पढ़ाई और अनुशासन के माध्यम से उज्ज्वल भविष्य बनाने की शुभकामनाएं दीं। मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित दरियापुर प्रखंड के शिक्षा पदाधिकारी ने कहा कि देवनारायण राय केवल इस विद्यालय ही नहीं बल्कि पूरे दरियापुर प्रखंड के एक उच्च कोटि के शारीरिक शिक्षक रहे हैं। उनके योगदान को हमेशा याद रखा जाएगा। इस अवसर पर प्रधानाध्यापक उमेश कुमार, शिक्षिका पल्लवी कुमारी, शाइस्ता जमाल, सुनील कुमार, जफर जाफरी, मुरारी प्रकाश, ज्योति प्रिया, फैजान, स्वपन रेखा, अरविंद, सत्यवान, विवेक, धर्मेंद्र तिवारी, गिन्नी कुमारी,काशी कुमार, राजा राम सिंह यादव सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित थे।

मधुबनी राज्य में दूसरे स्थान पर, फार्मर रजिस्ट्री महाअभियान में तेजी

नई सोच एक्सप्रेस

मधुबनी/बिहार।फार्मर रजिस्ट्री महाअभियान के तृतीय चरण के चौथे दिन भी मधुबनी जिला राज्य में दूसरे स्थान पर बना हुआ है। जिलाधिकारी आनंद शर्मा स्वयं अभियान की सघन मॉनिटरिंग कर रहे हैं तथा सभी वरीय अधिकारियों को अपने-अपने आवंटित प्रखंडों में कार्य प्रगति का नियमित जायजा लेने का निर्देश दिया गया है। जिलाधिकारी द्वारा प्रत्येक दिन संध्या में वर्चुअल माध्यम से प्रखंड स्तरीय पदाधिकारियों के साथ बैठक कर अभियान की समीक्षा की जा रही है, जिससे कार्य में तेजी आई है और सकारात्मक परिणाम सामने आने लगे हैं। जिलाधिकारी ने स्पष्ट निर्देश दिया है कि फार्मर रजिस्ट्री कार्य में किसी भी प्रकार की शिथिलता या लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों, कर्मियों एवं सीएससी/वसुधा केंद्र संचालकों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की जाएगी। विदित हो कि तृतीय चरण के प्रथम दिन ही 15 सीएससी/वसुधा केंद्र संचालकों का निबंधन रद्द किया जा चुका है तथा अन्य संचालकों को भी चिन्हित किया जा रहा है।जिलाधिकारी के निर्देशानुसार 02 फरवरी 2026 से जिले के सभी पंचायतों में मिशन मोड में कैम्प लगाकर फार्मर रजिस्ट्री का कार्य किया जा रहा है। आंगनवाड़ी सेविका-सहायिका एवं पंचायत स्तरीय अन्य कर्मियों द्वारा किसानों को जागरूक कर कैम्प तक लाया जा रहा है।जिलाधिकारी ने डीपीओ, आईसीडीएस एवं सभी बाल विकास परियोजना पदाधिकारियों को निर्देश दिया है कि तृतीय महाअभियान की समाप्ति के बाद 08 फरवरी 2026 को प्रत्येक सेविका-सहायिका से यह प्रमाण पत्र लिया जाएगा कि उनके पोषक क्षेत्र में आने वाले सभी पात्र किसानों का किसान रजिस्ट्री कार्य पूर्ण हो चुका है। एग्रोस्टैक परियोजना के तहत फार्मर रजिस्ट्री कार्य को प्राथमिकता के आधार पर पूरा करने के लिए प्रखंड एवं पंचायत स्तर पर विभिन्न विभागो के कर्मियों, जैसे राजस्व कर्मचारी, विशेष सर्वेक्षण कानूनगो, अमीन, किसान सलाहकार, कार्यपालक सहायक, पंचायत रोजगार सेवक, पंचायत सचिव, विकास मित्र, आवास सहायक एवं आंगनवाड़ी सेविका को प्रतिनियुक्त किया गया है।प्रशासन ने किसानों से अपील की है कि वे अपने पंचायत के कृषि समन्वयक, किसान सलाहकार या राजस्व कर्मचारी से संपर्क कर फार्मर रजिस्ट्री कराएं। किसान अपने नजदीकी कॉमन सर्विस सेंटर (सीएससी) पर जाकर भी पंजीकरण करा सकते हैं। रजिस्ट्री के लिए आधार कार्ड, मोबाइल नंबर तथा स्वयं के नाम से जमाबंदी अनिवार्य है। फार्मर रजिस्ट्री पीएम किसान सम्मान निधि सहित अन्य सरकारी योजनाओं, फसल बीमा, केसीसी, सहायता अनुदान तथा फसल क्षति मुआवजा जैसी सुविधाओं का लाभ लेने के लिए आवश्यक है। रजिस्ट्रेशन के दौरान किसी प्रकार की समस्या होने पर किसान सीएससी (वसुधा केंद्र) के अविलाश पांडेय (9635053475), मनोज कुमार (9304850453) तथा राजेश कुमार (7373358760) से संपर्क कर सकते हैं।

पत्रकार महासंघ मधुबनी की कमान नई टीम के हाथों में, मनीष सिंह यादव जिलाध्यक्ष निर्वाचित

नई सोच एक्सप्रेस

» भारतीय राष्ट्रीय पत्रकार महासंघ मधुबनी जिला इकाई की नई कार्यकारिणी का गठन

मधुबनी/बिहार।देश के प्रमुख पत्रकार, साहित्यकार एवं आरटीआई कार्यकर्ताओं के संगठन भारतीय राष्ट्रीय पत्रकार महासंघ की मधुबनी जिला इकाई की नई कार्यकारिणी का गठन सर्वसम्मति से किया गया। शहर के जानकी देवी गौरीशंकर सर्राफ महिला महाविद्यालय परिसर में आयोजित बैठक में संगठन को मजबूत बनाने, पत्रकारों के हितों की रक्षा तथा संगठन के विस्तार को लेकर व्यापक चर्चा की गई। बैठक में आगामी 15 जुलाई को महासंघ के स्थापना दिवस को भव्य रूप से मनाने का भी निर्णय लिया गया तथा इसके लिए प्रारंभिक रणनीति तैयार की गई। बैठक की अध्यक्षता वरिष्ठ शिक्षाविद् प्रो. जगदीश प्रसाद यादव ने की, जबकि मंच संचालन सुरेश कुमार गुप्ता द्वारा किया गया। बैठक में उपस्थित सदस्यों ने सर्वसम्मति से मनीष सिंह यादव को मधुबनी जिला इकाई का जिलाध्यक्ष निर्वाचित घोषित किया। मनीष सिंह यादव इससे पूर्व संगठन में जिला महासचिव के पद पर कार्य कर चुके हैं तथा पत्रकारिता एवं सामाजिक क्षेत्र में सक्रिय भूमिका निभाते रहे हैं। उनके अनुभव और सक्रियता को देखते हुए सदस्यों ने उन्हें संगठन की कमान सौंपने पर सहमति व्यक्त की।नई कार्यकारिणी में सुरेश कुमार गुप्ता को जिला महासचिव की जिम्मेदारी दी गई, जबकि संजय कुमार तिवारी को जिला कोषाध्यक्ष नियुक्त किया गया। इसके अतिरिक्त जिला कार्यकारिणी सदस्य के रूप में अशोक कुमार सिंह, गोविंद जोशी, ऋषि कुमार सिंह, संटू नायक उर्फ नितेश तथा पुष्कर झा को शामिल किया गया। बैठक में कार्यकारिणी के सभी पदाधिकारियों एवं सदस्यों को संगठन के उद्देश्यों के अनुरूप कार्य करने तथा पत्रकारों की समस्याओं को प्राथमिकता के आधार पर उठाने का आह्वान किया गया।बैठक में संगठन के विस्तार को लेकर भी महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। महासंघ को अन्य जिलों में मजबूत बनाने के उद्देश्य से जिला संयोजकों की घोषणा की गई। प्रशांत कुमार गुप्ता को मुजफ्फरपुर जिला, प्रेम आनंद उर्फ प्रमोद कुमार को सुपौल जिला तथा सुरेश कुमार गुप्ता को सीतामढ़ी जिला का संयोजक नियुक्त किया गया। संयोजकों को अपने-अपने जिलों में संगठन का विस्तार करने, सदस्यता अभियान चलाने तथा नई कार्यकारिणी के गठन की जिम्मेदारी सौंपी गई है। साथ ही पत्रकारों के हितों की रक्षा, उनके अधिकारों के प्रति जागरूकता फैलाने तथा सामाजिक सरोकार से जुड़े मुद्दों को प्रमुखता से उठाने पर बल दिया गया।बैठक में वक्ताओं ने कहा कि भारतीय राष्ट्रीय पत्रकार महासंघ पत्रकारों, साहित्यकारों एवं सामाजिक कार्यकर्ताओं का एक सशक्त मंच है, जो देशभर में पत्रकारों के अधिकारों की रक्षा तथा उनके सामाजिक व पेशेवर हितों के लिए लगातार कार्य कर रहा है। संगठन के माध्यम से पत्रकारों को एकजुट कर उनकी समस्याओं के समाधान के लिए प्रभावी प्रयास किए जा रहे हैं। वक्ताओं ने संगठन को और अधिक सशक्त एवं सक्रिय बनाने के लिए सभी सदस्यों से सहयोग की अपील की।इस बैठक में प्रो. जगदीश प्रसाद यादव, सुरेश कुमार गुप्ता, प्रो. कविता कुमारी, सुभाष सिंह यादव, पुष्कर झा, ऋषि कुमार सिंह, पवन महतो, जवाहर कुमार, संटू नायक, गौरव शर्मा, मनीष सिंह यादव, संजय तिवारी, महेश प्रसाद यादव, मनोज कुमार पांडेय, अजित कुमार झा तथा अशोक कुमार सिंह सहित कई सदस्य उपस्थित रहे। उपस्थित सदस्यों ने नई कार्यकारिणी के गठन पर खुशी व्यक्त करते हुए संगठन को मजबूती प्रदान करने के लिए सामूहिक रूप से कार्य करने का संकल्प लिया।

सौढ दक्षिणी पंचायत में फार्मर रजिस्ट्री शिविर, 40 से अधिक किसानों की बनी आईडी

नई सोच एक्सप्रेस

परबत्ता (खगड़िया)। परबत्ता प्रखंड की सौढ दक्षिणी पंचायत भवन में किसानों के लिए फार्मर आईडी बनाने को लेकर तीसरे चरण का शिविर आयोजित किया गया, जिसमें आसपास के गांवों से बड़ी संख्या में किसानों ने भाग लिया। शिविर का उद्देश्य किसानों को फार्मर आईडी से जोड़कर विभिन्न सरकारी योजनाओं का लाभ सुनिश्चित करना रहा। प्रखंड विकास पदाधिकारी संतोष कुमार पंडित ने बताया कि जिलाधिकारी नवीन कुमार के निर्देश पर जिला, अनुमंडल और प्रखंड स्तर पर समन्वय बनाकर अभियान चलाया जा रहा है। कृषि विभाग के अधिकारी, किसान सलाहकार, बीएलओ और सीएससी के वीएलई शिविर मोड में कार्य कर रहे हैं। उन्होंने सौढ दक्षिणी, केरिया और वन्देहरा पंचायत भवन सहित कई केंद्रों का निरीक्षण कर कर्मियों को दिशा-निर्देश दिए। प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी प्रदीप कुमार ने कहा कि लगातार निगरानी और प्रेरणा से अधिक से अधिक किसानों का पंजीकरण कराया जा रहा है। गुरुवार को बूथ 254 के बीएलओ सिद्धार्थ कुमार और बूथ 257 के मोहम्मद शमशुल हक ने गांवों में जाकर किसानों से संपर्क किया। बताया गया कि फार्मर आईडी के लिए आधार, मोबाइल नंबर और जमाबंदी जरूरी है, जिससे पीएम किसान, फसल बीमा और किसान क्रेडिट कार्ड जैसी योजनाओं का लाभ मिलेगा। कार्यपालक सहायक विनोद कुमार ने बताया कि एक दिन में 40 से अधिक फार्मर आईडी और 30 केवाईसी किए गए। शिविर में प्रखंड और पंचायत स्तर के कई अधिकारी व कर्मचारी मौजूद रहे।

हर खबर पर पैनी नजर
नई सोच एक्सप्रेस
(बिहार और झारखंड से प्रकाशित हिन्दी दैनिक)

संक्षिप्त समाचार

पटना नगर निगम बनाएगा जन-सुझावों से बजटः को नगम कार्यालय में दे सकते अपनी राय

पटना।पटना नगर निगम ने वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए वार्षिक बजट तैयार करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। इसको लेकर नगर निगम की ओर से आम नागरिकों से सुझाव मांगे गए थे, ताकि शहर के विकास से जुड़े मुद्दों को बजट में शामिल किया जा सके।पटना के नागरिक अपने सुझाव लिखित रूप में पटना नगर निगम कार्यालय में जमा करा जा सकते हैं। इसके अलावा ई-मेल या डाक से भी भेज सकते हैं। नागरिक स्नू'ी१ ँ'ूं३रङ्गल्ल@ॅ्र'.ङ्क पर मेल कर सकते हैं। दूसरी ओर 7 फरवरी को निगम बोर्ड की बैठक है। नगर निगम अपनी आय बढ़ाने के लिए अब म्युनिसिपल बॉन्ड जारी करेगा। म्युनिसिपल बॉन्ड जारी करने वाला पटना नगर निगम राज्य का पहला नगर निकाय होगा।निगम ने एके कैपिटल को अपना मर्चेंट बैंकर नियुक्त किया है। यह एजेंसी बॉन्ड की संरचना, नियामक अनुपालन, वित्तीय परामर्श, निवेशकों के साथ समन्वय और निर्गम से जुड़ी सभी तकनीकी और प्रक्रियागत आवश्यकताओं में निगम को सहयोग देगी। म्युनिसिपल बांड जारी करने से पहले संबंधित नगर निकायों की वित्तीय स्थिति और आय-व्यय की स्थिति का अध्ययन किया जाता है। राजस्व संरचना और ऋण चुकाने की क्षमता का भी स्वतंत्र मूल्यांकन होगा।सबकुछ बेहतर रहा तो इस दिशा में नगर निगम आगे बढ़ेगा। इससे पहले निगम बोर्ड की बैठक में इसको लेकर चर्चा होगी। बॉन्ड जारी करने के कई फायदे होंगे। नगर निगम को केंद्र या राज्य सरकार के अनुदान पर पूरी तरह निर्भर नहीं रहना पड़ेगा। कामकाज में वित्तीय अनुशासन और जवाबदेही बढ़ेगी।बोर्ड बैठक कई एजेंडों पर चर्चा होगी। इसमें डोर-टू-डोर कचरा उठाव के लिए वाहन और उपकरणों की खरीद, प्रत्येक वार्ड में 1-1 करोड़ रुपए की योजना, 14 उच्च क्षमता वाले बोरिंग लगाना, विज्ञापन संशोधन विनिमय 2025 का प्रारूप, बिहार नगरपालिका संपत्ति कर प्रोत्साहन के लिए ब्याज और जुमार्ना में छूट, पिछली कार्यवाही की संपुष्टि भी शामिल है।

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान रुड़की ने कृषि अवशेष से इनोवेटिव पैकेजिंग समाधान विकसित करने के लिए की साझेदारी

पटना।अमेजन इंडिया ने आज भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान रुड़की के साथ एक महत्वपूर्ण साझेदारी की घोषणा की है। इस सहयोग के तहत कृषि अवशेषों से ऐसे नए पैकेजिंग मटीरियल विकसित किए जाएंगे, जो पारंपरिक लकड़ी आधारित कागज और प्लास्टिक पैकेजिंग का टिकाऊ विकल्प बन सकें। इस परियोजना का उद्देश्य गैर-लकड़ी आधारित कागज तकनीक विकसित करना है, जिससे कृषि अवशेषों को जलाने के बजाय उपयोग में लाया जा सके और वर्जिन वुड पल्प पर निर्भरता कम हो। प्रस्तावित पैकेजिंग हल्की होने के साथ-साथ मजबूत होगी, पूरी तरह रीसाइकल करने और घरेलू स्तर पर कंपोस्ट किए जाने योग्य होगी।भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान रुड़की रुड़की के निदेशक प्रो. कमल किशोर पंत ने कहा, आज सस्टेनेबिलिटी कोई विकल्प नहीं, बल्कि राष्ट्रीय आवश्यकता है। अमेजन और प्प्ज् रुड़की का यह सहयोग सर्कुलर इकोनॉमी की दिशा में भारत के विजन को आगे बढ़ाने का एक ठोस कदम है, जो स्वच्छ भारत, स्टार्टअप इंडिया और राष्ट्रीय संसाधन दक्षता नीति जैसे सरकारी अभियानों के अनुरूप है। अमेजन इंडिया में वाइस प्रेसिडेंट अभिनव सिंह ने कहा कि अमेजन में हम भारत का सबसे तेज, सुरक्षित और भरोसेमंद ऑपरेशंस नेटवर्क तैयार कर रहे हैं और इसे अधिक टिकाऊ बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। प्प्ज् रुड़की के साथ यह साझेदारी हमें कृषि अवशेषों से इनोवेटिव पैकेजिंग विकसित करने का अवसर देती है। भारत में हर साल लगभग 500 मिलियन टन कृषि कचरा उत्पन्न होता है। यदि इसे पैकेजिंग में बदला जाए, तो हम सर्कुलर इकोनॉमी को मजबूत कर सकते हैं और पारंपरिक संसाधनों पर निर्भरता घटा सकते हैं।

मत्स्य एवं मखाना उत्पादों का लाइव प्रदर्शन आकर्षण का केंद्र : हरि

पटना।गांधी मैदान में आयोजित बागवानी महोत्सव 2026 के अवसर पर बिहार राज्य मत्स्यजीवी सहकारी संघ, पटना द्वारा लगाए गए काउंटर संख्या-4 का गुरुवार को भव्य उद्घाटन संपन्न हुआ। इस अवसर पर मत्स्य उत्पाद, मखाना, सिंघाड़ा एवं उनसे संबंधित विविध व्यंजनों के साथ-साथ लाइव डेमोंस्ट्रेशन एवं ज्ञानवर्धक प्रदर्शनी का आयोजन किया गया, जिसने आगंतुकों एवं आम जनता का विशेष ध्यान आकर्षित किया।कार्यक्रम का उद्घाटन पूर्व मंत्री हरि सहनी ने किया। उन्होंने कॉम्फेड की पहल की सराहना करते हुए कहा कि इस प्रकार के आयोजनों से मत्स्य पालकों, मखाना उत्पादकों एवं सहकारी समितियों को नई पहचान और बाजार उपलब्ध होता है, जिससे ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलती है। उन्होंने राज्य में मत्स्य एवं बागवानी क्षेत्र के समन्वित विकास की आवश्यकता पर भी बल दिया। काउंटर पर लगाए गए स्टॉल में पारंपरिक एवं आधुनिक दोनों प्रकार के उत्पादों का प्रदर्शन किया गया, जिसमें मखाना से बने विभिन्न फूड प्रोडक्ट, ताजी एवं प्रोसेस्ड मछली उत्पाद, सिंघाड़ा आधारित खाद्य सामग्री तथा सहकारी मॉडल से जुड़े जागरूकता पोस्टर एवं डिजिटल प्लेटफॉर्म की जानकारी शामिल रही। आगंतुकों ने उत्पादों की गुणवत्ता, प्रस्तुति एवं जानकारीपूर्ण प्रदर्शन की सराहना की।कॉम्फेड द्वारा यह पहल राज्य के मत्स्य पालकों, मखाना किसानों एवं सहकारी संस्थाओं को राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय बाजार से जोड़ने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इस आयोजन के माध्यम से ह्लोकल टू ग्लोबलह्व की अवधारणा को साकार करते हुए बिहार के पारंपरिक उत्पादों को नई पहचान दिलाने का प्रयास किया जा रहा है।कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में कॉम्फेड के एमडी ऋषिकेश कश्यप, ने कहा कि कॉम्फेड का उद्देश्य केवल उत्पादों की बिक्री तक सीमित नहीं है, बल्कि किसानों, मत्स्य पालकों और सहकारी समितियों को आधुनिक तकनीक, डिजिटल सशक्तिकरण, मूल्य संवर्धन एवं विपणन से जोड़ना है। उन्होंने बताया कि काउंटर पर लाइव डेमोंस्ट्रेशन के माध्यम से आगंतुकों को मखाना, मछली एवं सिंघाड़ा आधारित उत्पादों की प्रोसेसिंग, पैकेजिंग और गुणवत्ता मानकों की जानकारी दी जा रही है, जिससे युवाओं एवं उद्यमियों को नए अवसर प्राप्त होंगे।कार्यक्रम में कॉम्फेड के निदेशक सिमरन, मखाना एक्पोर्ट मैनेजर रवि राज, सीएसआर मैनेजर अंकित कुमार, एओसी मैनेजर मो० आरिश हबीब, रिशु राज, रतनेशवर कुमार, प्रियांशु कुमार, प्रेम रंजन कुमार, अभ्युदय कुमार, अवधेश कुमार, नूतन कुमारी, रवीना कुमारी, अंजू देवी सहित विभिन्न सहकारी समितियों के प्रतिनिधि, कृषि एवं मत्स्य क्षेत्र से जुड़े विशेषज्ञ, उद्यमी, छात्र-छात्राएँ तथा बड़ी संख्या में आम नागरिक उपस्थित रहे। आयोजन स्थल पर जानकारी, परामर्श एवं उत्पाद क्रय की विशेष व्यवस्था की गई थी, जिससे लोगों को प्रत्यक्ष अनुभव प्राप्त हुआ।

एमएसएमई के लिए एक्सिस बैंक ने लांच किया रूफटॉप सोलर फाइनेंस

पटना।एक्सिस बैंक ने रूफटॉप सोलर फाइनेंस की शुरुआत की है। यह एक विशेष वित्तीय समाधान है, जिसका उद्देश्य सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) को सौर ऊर्जा अपनाने और ऊर्जा आत्मनिर्भरता के माध्यम से अपनी ऊर्जा लागत को अनुकूलित करने में सहायता करना है। इस योजना के तहत एमएसएमई 10 लाख से 2 करोड़ रूपए तक का बिना जमानत ऋण प्राप्त कर सकते हैं, जिसकी चुकौती अवधि 4 से 7 वर्षों तक लचीली रखी गई है। यह संरचना एमएसएमई को अपने बैलेंस शीट या कार्यशील पूंजी चक्र पर दबाव डाले बिना रूफटॉप सोलर सिस्टम में निवेश करने की सुविधा देती है। यह उत्पाद एक्सिस बैंक के व्यापक शाखा नेटवर्क के माध्यम से पूरे देश में उपलब्ध होगा। गुणवत्तापूर्ण क्रियान्वयन और विश्वसनीयता सुनिश्चित करने के लिए बैंक ने प्रमुख ओरिजिनल इक्विपमेंट मैन्युफैक्चरर्स (ओईएम) के साथ साझेदारी की है। इसके अलावा बैंक ने एक टेक्नोलॉजी पार्टनर के साथ भी सहयोग किया है, जिससे एमएसएमई को सौर ऊर्जा अपनाने की पूरी प्रक्रिया के दौरान बेहतर पारदर्शिता मिल सके।

कला और संवेदनशीलता का संगमः 'यादों का कारवां' के जरिए कैंसर पीड़ितों की मदद के लिए बढ़ाए हाथ

नई सोच एक्सप्रेस

मुंबई (विलेपार्ले)।सुरों की महफिल जब किसी के जीवन में रोशनी लाने का जरिया बन जाए, तो वह कला वंदना बन जाती है। 'आर्य मेलोडीज' द्वारा आयोजित सदाबहार गानों के कार्यक्रम 'यादों का कारवां' ने एक बार फिर समाज के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई है। विलेपार्ले के दीनानाथ मंगेशकर नाट्यगृह में आयोजित इस गरिमामय समारोह में न केवल संगीत की सरिता बही, बल्कि कोंकण की विभूतियों को 'कोंकण सम्मान' से नवाजा भी गया। सम्मानः समाज के सच्चे नायकों का कार्यक्रम के दौरान आर्य मेलोडिस और कोंकण कट्टा संस्था की ओर से कोंकण क्षेत्र के विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाले गणमान्य व्यक्तियों को सम्मानित किया गया। इस वर्ष 'कोंकण सम्मान' प्राप्त करने वालों में शामिल हैंः अप्पा परब (वरिष्ठ इतिहासकार) हर्षल मालेकर (सीनियर जर्नलिस्ट, महाराष्ट्र टाइम्स) छाया गाडे (पूर्व प्रिंसिपल, पार्ले तिलक विद्यालय) शेखर धारगलकर (उद्यमी) दीपन वर्तक (कलाकार) महेश सावंत और संतोष परब (समाजसेवी) विजेताओं को कोंकण के रचयिता ऋषि परशुराम की आकर्षक मूर्ति भेंट कर सम्मानित किया गया। यह सम्मान कोंकण कट्टा के संस्थापक अजीत पितळे, सेवाई संस्था के अध्यक्ष संदीप दलवी, जितेंद्र जनवले और आर्य मेलोडीज के संदीप पवार के हाथों प्रदान किया गया।

सुरों से सेवा तक का सफर

सम्मान समारोह के बाद, संदीप पवार और उनके साथियों ने 'यादों का कारवां' संगीतमय कार्यक्रम की प्रस्तुति दी। दिग्गज गायक श्रीकांत नारायण की मखमली आवाज ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। संदीप पवार का यह उपक्रम पिछले कई वर्षों से निरंतर चल रहा है। इस कार्यक्रम के माध्यम से जो धनराशि एकत्रित होती है, उसे कैंसर पीड़ितों के इलाज के लिए दान किया जाता है। इसी कड़ी में, इस वर्ष एकत्रित सहायता राशि का चेक आर्य मेलोडीज की ओर से एक जरूरतमंद म्यूजिशियन को उनके इलाज हेतु सौंपा गया सराहनीय प्रयास विलेपार्ले और अंधेरी क्षेत्र के गणमान्य नागरिकों की उपस्थिति में संपन्न हुए इस कार्यक्रम को सफल बनाने में आर्य मेलोडिस और कोंकण कट्टा' के सभी सदस्यों ने अथक परिश्रम किया। कला के माध्यम से समाज सेवा का यह प्रेरणादायी उदाहरण आज के समय में एक मिसाल पेश करता है।

सोशल मीडिया का उपयोग अत्यंत सावधानी एवं जिम्मेदारी के साथ करने के लिए किया जागरूक : नीतिका भारद्वाज

नई सोच एक्सप्रेस

कुरुक्षेत्र।जिला एवं सत्र न्यायाधीश कुरुक्षेत्र दिनेश कुमार मित्तल के मार्गदर्शन में तथा जिला विधिक सेवा प्राधिकरण कुरुक्षेत्र की सचिव एवं सीजेएम नीतिका भारद्वाज के दिशानिर्देशानुसार दयानंद महिला महाविद्यालय कुरुक्षेत्र में डिजिटल दुनिया का प्रबंधन साझा करने से पहले सोचें विषय पर एक जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। इस जागरूकता शिविर के दौरान साइबर पुलिस द्वारा विद्यार्थियों को किसी भी समाचार या जानकारी को साझा करने से पूर्व उसकी सत्यता की जांच करने, अज्ञात लिंक पर क्लिक न करने तथा सोशल मीडिया का उपयोग अत्यंत सावधानी एवं जिम्मेदारी के साथ करने के लिए जागरूक किया गया। विद्यार्थियों को यह भी बताया गया कि डिजिटल प्लेटफॉर्म पर थोड़ी-सी लापरवाही साइबर अपराध और धोखाधड़ी का कारण बन सकती है। सीजेएम एवं सचिव नीतिका भारद्वाज ने कहा कि इस अभियान का मुख्य उद्देश्य समाज के प्रत्येक वर्ग में डिजिटल जागरूकता बढ़ाना है, ताकि आमजन साइबर फ्रॉड, फर्जी समाचारों एवं अन्य ऑनलाइन अपराधों से स्वयं को सुरक्षित रख सकें।

"महिमा खाटू श्याम की" फिल्म का टाइटल गीत कैलाश खेर की आवाज़ में रिकॉर्ड, निर्देशक राम शंकर

नई सोच एक्सप्रेस

मुम्बई।खाटू श्याम जी के लाखों श्रद्धालु प्रतिदिन अपनी अर्जी लेकर वहाँ जाते हैं। जो भी भक्त सच्चे दिल से खाटू धाम जाता है, उसकी मनोकामनाएं पूरी होती हैं। निर्माता राम शंकर और डॉ. राजेश डेगन मेगा हिंदी फिल्म "महिमा खाटू श्याम की" लेकर आ रहे हैं जो खाटू श्याम जी की महिमाओं को दर्शायेगी. मुम्बई के कैलासा स्टूडियो में पद्मश्री कैलाश खेर की आवाज में म्यूजिक डायरेक्टर आदित्य शंकर ने इस फिल्म के लिए अपने म्यूजिक डायरेक्शन में टाइटल सॉन्ग रिकॉर्ड किया. इस फिल्म को निर्देशक राम शंकर ने डायरेक्ट किया है। मशहूर प्लेबैक सिंगर और म्यूजिक डायरेक्टर राम शंकर इस फिल्म से प्रोड्यूसर और डायरेक्टर भी बन गए हैं. यह फिल्म श्री खाटू श्याम जी के चमत्कार पर आधारित है। फिल्म की शूटिंग श्री खाटू श्याम जी, जयपुर और मंडावा (राजस्थान में) में पूरी हो चुकी है। यह फिल्म मार्च 2026 के आखिरी हफ्ते में रिलीज होने वाली है. ब्लेसिंग टेलीमीडिया के बैनर तले बनी फिल्म "महिमा खाटू श्याम की" की कहानी भी राम शंकर ने लिखी है जबकि पटकथा संवाद लेखक चंचल पुनढीर हैं. को-प्रोड्यूसर विपुल शाह सह जय कुमार दीवाना, इपी भूपेंद्र राणा, संगीतकार आदित्य शंकर, गीतकार विमल गर्ग, बेखबर, मोहित बाजपेयी हैं. इस फिल्म के अन्य गायक हैं लखबीर सिंह लक्खा, पद्मश्री अनूप जलोटा, राम शंकर, स्नेहा शंकर। क्रिएटिव डायरेक्टर विश्वास परब, एसोसिएट डायरेक्टर शैलेन्द्र मिश्रा, डीओपी पंकज एन शर्मा और एडिटर नवनीत कुमार हैं.

एस0 डी0 वी0 पब्लिक स्कूल में चला साइबर क्राइम जागरूकता अभियान

नई सोच एक्सप्रेस

पटना।एस० डी० वी० पब्लिक स्कूल, नत्थूपुर रोड, कुरथौल, पटना के प्रांगण में साइबर क्राइम से संबंधित जागरूकता अभियान चलाया गया. कार्यक्रम में थाना अध्यक्ष के नेतृत्व में पुलिस एवं प्रशासनिक अधिकारियों ने भाग लिया और विद्यार्थियों को साइबर सुरक्षा से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारियां दीं. इस अवसर पर नगर पुलिस अधीक्षक पटना पश्चिम भानु प्रताप सिंह, पुलिस उपाधीक्षक (साइबर क्राइम पटना) नीतीश चंद्रा, परसा बाजार थाना की सब-इंस्पेक्टर ऋतु राज, उपनिदेशक अनिल कुमार तथा क्रियाविधि संचालक बलवंत कुमार उपस्थित रहे. सभी अधिकारियों ने संयुक्त रूप से विद्यार्थियों को साइबर अपराध से बचाव के तरीकों की विस्तृत जानकारी दी. अधिकारियों ने विद्यार्थियों को बताया कि तेजी से बढ़ती तकनीक और मोबाइल के बढ़ते उपयोग के कारण साइबर अपराध के मामले भी तेजी से बढ़ रहे हैं. उन्होंने छात्रों को मोबाइल पर आने वाले संदिग्ध कॉल, वीडियो कॉल और भ्रामक संदेशों से सतर्क रहने की सलाह दी. साथ ही ऑनलाइन ठगी, फर्जी लिंक, ओटीपी साझा करने और सोशल मीडिया के दुरुपयोग से बचने के उपायों को विस्तार से समझाया गया. कार्यक्रम के दौरान अधिकारियों ने यह भी बताया कि यदि कोई व्यक्ति साइबर अपराध का शिकार हो जाता है

» विद्यार्थियों को दी गई सुरक्षा की जानकारी

तो उसे बिना डर के इसकी शिकायत पुलिस या साइबर सेल में अवश्य करनी चाहिए, ताकि अपराधियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जा सके. विद्यालय प्रशासन ने बताया कि विद्यार्थियों के लिए इस प्रकार के जागरूकता कार्यक्रम वर्तमान समय में बेहद आवश्यक हैं, जिससे वे आधुनिक तकनीक का सुरक्षित और जिम्मेदारी के साथ उपयोग कर सकें.

सीपीआई के आधार वर्ष में बदलाव क्या बदला है और यह क्यों ज़रूरी है- सौरभ गर्ग

नई सोच एक्सप्रेस

वाराणसी।महंगाई देश के सबसे अहम आर्थिक संकेतकों में से एक है जिसे आम लोग रोज़मर्रा की ज़िंदगी में सीधे महसूस करते हैं जैसे घर का राशन, किराया और पेट्रोल,डीज़ल के खर्च में बढ़ोतरी से उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) इसी महंगाई को मापता है | यह उन चीज़ों और सेवाओं के दाम देखता है जिनका इस्तेमाल आम परिवार रोज़ करता है | सरल शब्दों में,सीपीआई आम आदमी की ज़िंदगी का आईना है यह बताता है कि थाली में खाने का खर्च कितना बढ़ा, घर का किराया कितना हुआ और काम पर जाने के लिए ईंधन कितना महंगा हुआ | सीपीआई भले ही एक आंकड़ा लगता हो,लेकिन यह सरकार को यह समझने में मदद करता है कि लोगों पर महंगाई का असली असर क्या है | इसी आधार पर वेतन,पेंशन और सामाजिक सुरक्षा से जुड़े फैसले किए जाते हैं ताकि ज़रूरी चीज़ें आम लोगों की पहुंच में बनी रहें | भारतीय रिज़र्व बैंक भी ब्याज दर और महंगाई को नियंत्रित करने जैसे फैसलों के लिए सीपीआई आधारित महंगाई को ही सबसे मुख्य पैमाना मानता है इसलिए जब सीपीआई ज़मीन की हकीकत सही तरीके से दिखाता है तब सरकार और आरबीआई की नीतियाँ भी लोगों की असली परेशानियों के अनुसार बेहतर बन पाती हैं | महंगाई सिर्फ दाम बढ़ने का नाम नहीं है,बल्कि यह भी है कि दामों में बदलाव से घर के बजट पर कितना असर पड़ता है | इसलिए जितना ज़रूरी दामों को मापना है, उतना ही ज़रूरी यह भी है कि महंगाई का सूचकांक लोगों की आज की खर्च करने की आदतों को सही तरीके से दिखाए इसी संदर्भ में भारत में सीपीआई के आधार वर्ष को 2012 से बदलकर 2024 किया जा रहा है | पिछली बार आधार बदले जाने के बाद देश की अर्थव्यवस्था में बहुत बदलाव आया है | शहरों की आबादी बढ़ी है सेवाओं का क्षेत्र बढ़ा है,डिजिटल प्लेटफॉर्म के कारण खरीदारी का तरीका बदला है और घरों का खर्च अब कई नई चीजों पर होने लगा है | इसीलिए नया सीपीआई 2024 तैयार करने में 2023-24 के घरेलू उपभोग व्यय सर्वेक्षण के आंकड़ों का इस्तेमाल किया गया है | समय के साथ लोगों की ज़रूरतें और खर्च बदलते हैं इसलिए सीपीआई में अलग-अलग वस्तुओं और सेवाओं को दी जाने वाली अहमियत भी बदली गई है जिन चीजों पर अब परिवार ज़्यादा खर्च करते हैं,उन्हें सीपीआई में ज़्यादा महत्व दिया गया है और जिन पर खर्च कम हो गया है उन्हें कम महत्व दिया गया है | इससे सीपीआई वही महंगाई दिखाता है जो सच में आम परिवार के बजट को प्रभावित करती है साथ ही उपभोग की टोकरी (कंजम्पशन बास्केट) को भी बदला गया है ताकि सेवाओं पर बढ़ते खर्च जैसे नए रुझान दिखाई दे सकें,जो बढ़ती आय और बदलती जीवनशैली की वजह से बढ़ रहे हैं | सीपीआई को मापने का तरीका अपडेट करना भी उतना ही ज़रूरी है जितना यह तय करना कि उसमें क्या-क्या शामिल किया जाए | नया संशोधित सीपीआई अब अंतरराष्ट्रीय मानकों के ज्यादा करीब है लेकिन इसमें भारत से जुड़ी खास बातें भी बनी हुई हैं इससे भारत की महंगाई की तुलना दूसरे देशों से करना आसान हो जाता है | आम परिवार के लिए इसका मतलब यह है कि सरकार और नीति बनाने वाले लोग यह बेहतर समझ पाते हैं कि भारत में दामों में होने वाला बदलाव दुनिया के हालात से कैसे जुड़ा है और साथ ही यह भी ध्यान रहता है कि रोज़मर्रा की ज़िंदगी पर क्या असर पड़ रहा है | सीपीआई के लिए आंकड़े जुटाने का तरीका भी अब लोगों की बदलती खरीदारी और खर्च की आदतों के अनुसार बेहतर बनाया गया है जहां पहले की तरह बाजारों से दाम इकट्ठा किए जाते रहेंगे, खासकर खाने-पीने और ज़रूरी चीज़ों के,वहीं 2024 के नए ढांचे में अब कुछ सेवाओं के ऑनलाइन दाम भी शामिल किए जा रहे हैं जैसे मोबाइल और इंटरनेट सेवाएं,हवाई टिकट और कुछ अन्य सेवाओं के दाम अब ऑनलाइन स्रोतों से भी लिए जाएंगे | नई सीपीआई श्रृंखला में अब कंप्यूटर की मदद से दाम इकट्ठा किए जा रहे हैं इससे हाथ से होने वाली गलतियाँ कम हुई हैं और तुरंत जाँच भी हो जाती है इससे दामों से जुड़े आंकड़ों की गुणवत्ता और समय पर उपलब्धता दोनों बेहतर हुई हैं | सीपीआई के आंकड़े सही और समय पर मिलना बहुत ज़रूरी है क्योंकि इसी के आधार पर ऐसे फैसले होते हैं,जो सीधे आम आदमी की ज़िंदगी को प्रभावित करते हैं,जैसे कर्ज कितना महंगा होगा, बचत पर कितना ब्याज मिलेगा और बढ़ती महंगाई से घर का बजट कैसे प्रभावित होगा | नए आधार वर्ष की सीपीआई में अब कई मामलों में सरकारी स्रोतों से मिलने वाले आधिकारिक आंकड़ों का ज्यादा इस्तेमाल किया जा रहा है जैसे रेल किराया,डाक शुल्क,ईंधन के दाम और सार्वजनिक वितरण प्रणाली के तहत बिकने वाली चीजें | इससे इन दामों को पहले से ज्यादा सही तरीके से दर्ज किया जा रहा है और बाजार सर्वे में होने वाली गलती या पक्षपात की संभावना भी कम हो जाती है | अब सर्वे के आंकड़े,सरकारी रिकॉर्ड और डिजिटल माध्यमों से मिलने वाले दाम, तीनों को मिलाकर सीपीआई तैयार की जा रही है | यह पुरानी व्यवस्था की तुलना में बड़ा सुधार है और इससे दामों में होने वाले बदलाव की ज्यादा भरोसेमंद तस्वीर मिलती है | इतने बड़े स्तर पर सीपीआई के आधार वर्ष में बदलाव करना एक बहुत बड़ा संस्थागत प्रयास होता है इसमें देश भर के फील्ड दफ्तरों,सांख्यिकी विभागों और राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय विशेषज्ञ संस्थाओं के बीच तालमेल जरूरी होता है। इस पूरी प्रक्रिया में मेथडोलॉजी की गहराई से जाँच की जाती है अलग-अलग विकल्पों को परखा जाता है और अर्थशास्त्रियों व विषय विशेषज्ञों से सलाह ली जाती है | सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय ने विशेषज्ञ समूहों,अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं और अन्य संबंधित पक्षों से बातचीत की है ताकि किए गए बदलाव साफ,समझने में आसान और वैज्ञानिक रूप से सही हों | टोकरी,वेटेज और आंकड़ों के स्रोत बदलने के बाद भी सीपीआई का मूल उद्देश्य वही रहता है यानी एक परिवार की नज़र से दामों में होने वाले बदलाव को दिखाना यह निरंतरता इसलिए ज़रूरी है ताकि हम समय के साथ महंगाई की तुलना कर सकें |सीधे शब्दों में सीपीआई को बेहतर बनाया जा रहा है लेकिन उसे रोज़मर्रा की ज़िंदगी से जोड़कर ही रखा गया है ताकि वह नीति बनाने वालों के लिए एक भरोसेमंद मार्गदर्शक बना रहे | सीपीआई हमें यह याद दिलाता है कि हर आंकड़े के पीछे करोड़ों लोगों की असली ज़िंदगी छिपी होती है | आखिरकार,आंकड़े लोगों के लिए ही होते हैं यह चुपचाप यह दिखाता है कि दामों में बदलाव हमारी रोज़मर्रा की ज़िंदगी को कैसे प्रभावित करता है और सरकार की नीतियों को दिशा देता है | आधार वर्ष में चल रहे संशोधन के ज़रिये सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय ने यह सुनिश्चित किया है कि सीपीआई सही,समय के अनुसार अपडेट और लंबे समय तक एक जैसे तरीके से मापा गया रहे | ताकि सीपीआई सिर्फ एक संख्या न होकर,पूरे देश के लोगों की असली ज़िंदगी की सच्चाई दिखाने वाला आईना बना रहे लेखक सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय के सचिव हैं, यह उनके निजी विचार हैं ||

विश्व हिंदू रक्षा परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष गोपाल राय का वाराणसी आगमन पर हुआ भव्य स्वागत

नई सोच एक्सप्रेस

वाराणसी।विश्व हिंदू रक्षा परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष गोपाल राय का पांच फ़रवरी गुरुवार को लोहता मे आगमन पर कार्यकर्ताओं और स्थानीय नागरिकों द्वारा अभूतपूर्व एवं जोरदार स्वागत किया गया | क्षेत्र में उनके पहुँचते ही गगनभेदी नारों और पुष्पवर्षा के साथ उनका अभिनंदन किया गया |

भव्य स्वागत समारोह

लोहता क्षेत्र में आयोजित इस स्वागत कार्यक्रम में भारी संख्या में परिषद के पदाधिकारी और सदस्य उपस्थित रहे | कार्यकर्ताओं में भारी उत्साह देखा गया और ढोल नगाड़ों के साथ राष्ट्रीय अध्यक्ष गोपाल राय का अभिवादन किया गया | इस दौरान उन्होंने उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए संगठन की मजबूती और धर्म रक्षा के संकल्प को दोहराया |

माता रानी का लिया आशीर्वाद

स्वागत कार्यक्रम के पश्चात राष्ट्रीय अध्यक्ष चौरा माता मंदिर पहुँचे | यहाँ उन्होंने विधि विधान से माता रानी की पूजा अर्चना की और आरती में सम्मिलित हुए उन्होंने मंदिर परिसर में मत्था टेक कर देश की सुख, समृद्धि और लोक कल्याण की कामना की | मंदिर समिति के सदस्यों

» चौरा माता मंदिर में की पूजा अर्चना

द्वारा उन्हें स्मृति चिन्ह और प्रसाद भेंट कर सम्मानित किया गया | इस मौके पे प्रमुख रूप से मनीष रॉय, राघवेंद्र,कृष्णा पांडे,ओपी कश्यप,राजेश मौर्या,हर्षित,संजय राय,अंकुर,शाहिद अख्तर,प्रहलाद मौर्या,विशाल अग्रहरि, मनोज कुमार,अनिल,दशरथ महेश,बबलू पटेल,शिवानंद,राकेश सहित इत्यादि लोग प्रमुख रूप से उपस्थित थे ||

सीटीआइ रेल सेवा से सेवानिवृत्त हुए भूपेन्द्र सिंह को चेकिंग स्टाफ ग्रुप उत्तर रेलवे वाराणसी द्वारा सम्मानित कर दी गयी विदाई

नई सोच एक्सप्रेस

वाराणसी।31 जनवरी 2026 को सीटीआइ रेल सेवा से सेवानिवृत्त हुए भूपेन्द्र सिंह का 5 फ़रवरी 2026 गुरुवार को वाराणसी स्टेशन पर मुख्य टिकट निरीक्षक (इंचार्ज) कार्यालय मे विदाई एवं सम्मान समारोह चेकिंग स्टाफ ग्रुप उत्तर रेलवे वाराणसी की तरफ से सम्मानित करते हुए विदाई दी गयी | विदाई समारोह कार्यक्रम में मुख्य टिकट निरीक्षक इंचार्ज जनार्दन सिंह के साथ एस के पाण्डेय,प्रशांत सिंह,प्रवीन कुमार,समीर सुरीन,बी बी सिंह,राजेश तिवारी एवं कुछ वरिष्ठ रिटायर्ड साथी उपस्थित रहे | मंच का संचालन मुख्य टिकट निरीक्षक वाई के मिश्रा द्वारा किया गया ||

रणनीतिक शक्ति अभाव का शिकार

आर्थिक सर्वेक्षण रिपोर्ट में कहा गया है कि मौजूदा चुनौतियों के बरक्स राज्य को अलग ढंग से संगठित एवं सक्षम बनना होगा। साथ ही कॉरपोरेट सेक्टर को बड़ी जिम्मेदारी निभानी होगी। परंतु ऐसा कैसे और कब होगा, असल मुद्दा यह है। साल 2025-26 के आर्थिक सर्वेक्षण में सरकार ने माना है कि भारतीय रुपया बदलती भू-राजनीतिक परिस्थितियों के बीच रणनीतिक शक्ति के अभाव का शिकार बना है। 2025 में रुपये की तुलना में डॉलर छह प्रतिशत महंगा हुआ। ऐसा उस समय हुआ, जब खुद डॉलर का भाव प्रमुख मुद्राओं (यूरो, येन, स्विस फ्रैंक आदि) के बास्केट की तुलना में करीब 11 फीसदी गिरा। केंद्र के मुख्य आर्थिक सलाहकार वी. अनंत नागेश्वरन की देखरेख में तैयार सर्वे रिपोर्ट में कहा गया है कि सेवा क्षेत्र में व्यापार लाभ और विदेश स्थित भारतीयों की तरफ से कमा कर भेजी गई रकम रुपये को सहारा देने में नाकाफी साबित हुए हैं। ये चालू खाता के घाटे की भरपाई नहीं कर पाए। जो देश ऐसे घाटे में हैं, उनकी मुद्राओं की कमजोरी खासकर भू-राजनीतिक बदलाव के दौर अधिक उभर कर सामने आई है। दूसरी तरफ जिन देशों ने मैनुफैक्चरिंग का मजबूत आधार तैयार किया, उनकी मुद्राएं स्थिर और मजबूत बनी हुई हैं। मगर इस बिंदु पर भारत की मौजूदा कमजोरी का ठोस जायजा पेश करने के बजाय रिपोर्ट अतीत की आड़ लेती मालूम पड़ी है। कहा है कि मैनुफैक्चरिंग में मजबूत देशों ने इसका आधार तब तैयार किया, जब परिस्थितियां अनुकूल थीं। यह मुद्दा प्रासंगिक है कि उस दौर में भारत ऐसा आधार तैयार करने से क्यों चूक गया। मगर यह प्रश्न भी उतना ही उचित है कि क्या उसका रोना रोते रहना समाधान है? यह अच्छी बात है कि रिपोर्ट में सरकार की भूमिका पर जोर दिया गया है। कहा गया है कि मौजूदा सवालों का जवाब ढूंढने के लिए राज्य को अलग ढंग से संगठित एवं सक्षम बनना होगा। साथ ही कॉरपोरेट सेक्टर को उसमें बड़ी जिम्मेदारी निभानी होगी। परंतु ऐसा कैसे और कब होगा, असल मुद्दा यह है। जिन भू-राजनीतिक बदलावों की बात की गई है, वे अब ठोस शक्ल ले रही हैं। मगर ऐसा होने के संकेत कई वर्षों से मिल रहे थे।

डिजिटल खेल या डिजिटल जाल? बढ़ती ऑनलाइन गेमिंग की लत पर चिंता

आरती कुमारी

ऑनलाइन गेमिंग की लत एवं आभासी दुनिया कितनी भयावह एवं घातक हो सकती है, इसकी एक ही दिन में दो अलग-अलग जगह घटी घटनाओं ने न केवल झकझोरा है, बल्कि यह हमारे समय, हमारी सामाजिक संरचना और हमारी सामूहिक असावधानी पर लगा हुआ एक गहरा प्रश्नचिह्न बना है। धीरे-धीरे किशोरवय को अपने चपेट में लेने वाली यह प्रवृत्ति कितनी हृदयविदारक हो सकती है, उसका उदाहरण बुधवार को घटी ये दो भयावह घटनाएं हैं। एक हृदयविदारक घटना में गाजियाबाद की तीन अल्पवयस्क बहनों ने नौवीं मंजिल से कूदकर आत्महत्या कर ली। इस दुर्भाग्यपूर्ण घटना में 12, 14 और 16 साल की तीन सुकोमल बहनें असमय काल-कवलित हो गईं। ऑनलाइन कोरियन गेम की दीवानी बहनें कोरिया में जाकर बसने और वहीं नया जीवन शुरू करने का सपना देखती थीं। घर वालों ने जब उनकी ऑनलाइन सनक से परेशान होकर उनसे मोबाइल छीन लिए, तो वे तनाव व अवसाद में घिर गईं। फिर तीनों बहनों ने नौवीं मंजिल से कूदकर आत्महत्या कर ली। ऐसी ही घटना हिमाचल प्रदेश के कुल्लू में भी घटी जहां एक पंद्रह वर्षीय किशोर ने ऑनलाइन गेम के अपने एक विदेशी साथी के बिछुड़ने के गम में घर में आत्महत्या कर ली। किशोर दसवीं का छात्र था। इन घटनाओं ने समाज को स्तब्ध ही नहीं किया, बल्कि भीतर तक गहरा घाव दिया है। यह कोई आकस्मिक या अलग-थलग घटना नहीं है। इससे पहले झाबुआ, भोपाल और देश के अन्य हिस्सों में सामने आई ऐसी घटनाएं यह संकेत देती हैं कि आभासी दुनिया किस तरह वास्तविक जीवन पर हावी होती जा रही है और हम अनजाने में एक ऐसे समाज का निर्माण कर रहे हैं जहां संवेदनाएं, संवाद और जीवन-मूल्य स्क्रीन के पीछे दम तोड़ते जा रहे हैं। ऑनलाइन गेमिंग अपने आप में अपराध नहीं है, न ही तकनीक शत्रु है, लेकिन जब यह बच्चों और किशोरों के लिए लत बन जाए, तो यह एक धीमा जहर बन जाती है। यह जहर चुपचाप बच्चों के मस्तिष्क में प्रवेश करता है, उनकी सोच, उनकी भावनात्मक संरचना और उनके निर्णय लेने की क्षमता को विकृत करता है। गेमिंग की दुनिया बच्चों को तात्कालिक रोमांच, आभासी जीत और काल्पनिक पहचान देती है, लेकिन धीरे-धीरे वही दुनिया उन्हें वास्तविक जीवन से काट देती है। परिवार, मित्र, पढ़ाई, प्रकृति, खेल और संवाद-सब कुछ पीछे छूटने लगता है। गाजियाबाद की तीनों बहनों का यह कदम इसी कटाव का चरम और भयावह परिणाम है। विशेषज्ञ मानते हैं कि अत्यधिक ऑनलाइन गेमिंग बच्चों के मस्तिष्क में आवेग नियंत्रण को कमजोर करती है। जोखिम का आकलन करने की क्षमता घटती है और भावनात्मक अस्थिरता बढ़ती है। हार, असफलता या गेम से वंचित किए जाने की स्थिति में अवसाद, क्रोध और निराशा गहराने लगती है। कई बार बच्चे आत्महत्या जैसे चरम कदम को भी एक 'गेम ओवर' की तरह देखने लगते हैं। यह सोच अपने आप में अत्यंत खतरनाक है। आत्महत्या की प्रवृत्ति का बढ़ना केवल मानसिक स्वास्थ्य का प्रश्न नहीं है, बल्कि यह एक सामाजिक चुनौती है, जो हमारी परवरिश, हमारी प्राथमिकताओं और हमारी नीतियों पर सवाल उठाती है। आज के परिवारों में माता-पिता की व्यस्तता, एकल परिवारों की बढ़ती संख्या और संवाद की कमी ने बच्चों को अकेलेपन की ओर धकेला है। स्मार्टफोन कई घरों में बच्चों की चुप्पी खरीदने का सबसे आसान साधन बन गया है। रोता बच्चा हो, जिद करता बच्चा हो या समय न देने की मजबूरी-मोबाइल फोन एक त्वरित समाधान बन चुका है। लेकिन यही समाधान आगे चलकर सबसे बड़ी समस्या बन जाता है। हम यह भूल जाते हैं कि बच्चा केवल मनोरंजन नहीं, बल्कि मार्गदर्शन, स्नेह और समय चाहता है। जब यह सब उसे स्क्रीन से मिलने लगता है, तो परिवार की भूमिका स्वतः कमजोर हो जाती है। यह भी एक कठोर सत्य है कि कई माता-पिता स्वयं डिजिटल लत के शिकार हैं। ऐसे में बच्चों को रोकने का नैतिक और व्यवहारिक अधिकार भी कमजोर पड़ जाता है। हम बच्चों से अपेक्षा करते हैं कि वे मोबाइल कम चलाएं, जबकि हमारे अपने हाथों में हर समय फोन रहता है। यह दोहरा व्यवहार बच्चों के मन में भ्रम और विद्रोह दोनों पैदा करता है। इसलिए समस्या का समाधान केवल बच्चों पर नियंत्रण नहीं, बल्कि पूरे पारिवारिक वातावरण में संतुलन लाने से जुड़ा है। सरकार और समाज की भूमिका भी इस संकट में कम महत्वपूर्ण नहीं है। ऑनलाइन गेमिंग उद्योग तेजी से बढ़ रहा है, लेकिन उसके सामाजिक प्रभावों पर पर्याप्त नियंत्रण और निगरानी का अभाव है। कई गेम्स में हिंसा, आक्रामकता और जोखिम भरे व्यवहार को सामान्य और रोमांचक रूप में प्रस्तुत किया जाता है। बच्चों के लिए आयु-उपयुक्त सामग्री, समय-सीमा और चेतावनी संकेतों को सख्ती से लागू करना अब विकल्प नहीं, बल्कि अनिवार्यता बन चुका है। सरकार को चाहिए कि वह ऑनलाइन गेमिंग और डिजिटल कंटेंट के लिए स्पष्ट और कठोर नियामक ढाँचा विकसित करे, जिसमें बच्चों की सुरक्षा सर्वोपरि हो। विद्यालयों की भूमिका भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। शिक्षा केवल पाठ्यक्रम तक सीमित नहीं रह सकती। डिजिटल साक्षरता, मानसिक स्वास्थ्य और जीवन-कौशल को शिक्षा का अनिवार्य हिस्सा बनाया जाना चाहिए। बच्चों को यह सिखाना आवश्यक है कि तकनीक का उपयोग कैसे किया जाए, न कि तकनीक के गुलाम कैसे बना जाए। शिक्षकों को भी बच्चों के व्यवहार में होने वाले बदलावों, अकेलेपन, चिड़चिड़ेपन और अचानक गिरते शैक्षणिक प्रदर्शन जैसे संकेतों को गंभीरता से लेना होगा। मनोवैज्ञानिक सहायता को लेकर समाज में जो झिझक और संकोच है, उसे भी तोड़ना होगा। मानसिक स्वास्थ्य को कमजोरी नहीं, बल्कि स्वास्थ्य का अभिन्न अंग माना जाना चाहिए। यदि किसी बच्चे में अवसाद, अत्यधिक चुप्पी, आक्रामकता या आत्मघाती विचारों के संकेत दिखें, तो समय रहते विशेषज्ञ की मदद लेना अत्यंत आवश्यक है। देर करना कई बार अपूरणीय क्षति में बदल जाता है। निस्संदेह, ये आत्मघात की घटनाएं, ऑनलाइन गतिविधियों के अतिरेक से मानसिक स्वास्थ्य पर पड़ने वाले घातक प्रभाव को लेकर गंभीर सवालों को जन्म देती हैं। निश्चित रूप से आत्मघात की ये घटनाएं हमारे नीति-नियंताओं और अभिभावकों को आसन्न संकट के प्रति सचेत करती हैं। दरअसल,ये दुखद घटनाएं एक घातक प्रवृत्ति को ही उजागर करती हैं कि गेमिंग और डिजिटल संपर्क लाखों युवाओं को आभासी समुदाय और मनोरंजन तो प्रदान कर सकते हैं, लेकिन साथ ही ये भावनात्मक कमजोरियों,सामाजिक अलगाव और मानसिक स्वास्थ्य संबंधी जरूरतों की पूर्ति न होने जैसी समस्याओं को भी जन्म दे सकते हैं। हालांकि, वहीं दूसरी ओर समाज विज्ञानी इस बात पर भी बल देते हैं कि केवल गेमिंग या ऑनलाइन मित्रता ही आत्महत्या का कारण नहीं बन सकती हैं। निस्संदेह, आत्महत्या एक जटिल और बहुआयामी घटना है। लेकिन समस्याग्रस्त डिजिटल जुड़ाव, विशेष रूप से जब यह ऑफलाइन जीवन से अलगाव, बाधित शिक्षा और तीव्र भावनात्मक तनाव के साथ होता है तो संवेदनशील युवा मन में परेशानी को और बढ़ा सकता है। गाजियाबाद की यह घटना हमें यह भी सोचने पर मजबूर करती है कि हमने बच्चों के लिए कैसी दुनिया बनाई है। क्या हमने उन्हें संवाद दिया, या केवल उपकरण थमा दिए? क्या हमने उन्हें संस्कार दिए, या केवल सुविधाएं? क्या हमने उन्हें सुनने का समय दिया, या केवल आदेश? यह आत्ममंथन केवल पीड़ित परिवारों तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि पूरे समाज को अपने भीतर झांककर देखना होगा। यह घटना एक चेतावनी है, एक टर्निंग पॉइंट है। यदि अब भी हमने इसे एक सामान्य समाचार की तरह भुला दिया, तो भविष्य में ऐसी घटनाएं और बढ़ेंगी। समाज को, सरकार को और प्रत्येक परिवार को मिलकर कड़े और संवेदनशील कदम उठाने होंगे। तकनीक को नकारना समाधान नहीं है, लेकिन उसे बिना नियंत्रण स्वीकार करना भी आत्मघाती है। संतुलन, संवाद और सहभागिता ही बच्चों की सुरक्षा का वास्तविक आधार हैं। गाजियाबाद की तीनों बहनों हो या कुल्लु के किशोर की असमय मृत्यु हमें यह याद दिलाती है कि अगर हमने अभी नहीं संभला, तो यह इलेक्ट्रॉनिक खतरा हमारे घरों, हमारे भविष्य और हमारी संवेदनाओं को निगलता चला जाएगा। यह समय है जागने का, सोचने का और ठोस कदम उठाने का-क्योंकि यह सवाल केवल तकनीक का नहीं, बल्कि जीवन का है।

वैश्विक अस्थिरता के दौर में भारत की रणनीतिक स्वायत्तता: शक्ति-संतुलन, स्वहित और विश्व व्यवस्था में भारत की निर्णायक भूमिका

आचार्य अशोक चौधरी प्रियदर्शी, कटिहार, बिहार

इक्कीसवीं सदी का तीसरा दशक विश्व राजनीति के इतिहास में एक संक्रमणकाल के रूप में अंकित हो रहा है। शक्ति-संतुलन बदल रहा है, आर्थिक संरचनाएँ पुनर्गठित हो रही हैं, तकनीकी श्रेष्ठता नई भू-राजनीतिक प्रतिस्पर्धा का आधार बन रही है, और ऊर्जा-संसाधनों पर नियंत्रण वैश्विक नीति निर्धारण को प्रभावित कर रहा है। शीतयुद्ध के पश्चात स्थापित एकध्रुवीय विश्व व्यवस्था, जिसमें अमेरिका केंद्रीय शक्ति था, अब धीरे-धीरे बहुध्रुवीय संरचना में परिवर्तित हो रही है। चीन का आर्थिक-सैन्य उभार, रूस की सामरिक सक्रियता, यूरोप की रणनीतिक स्वायत्तता की खोज और वैश्विक दक्षिण की सामूहिक आवाज—ये सभी संकेत देते हैं कि विश्व व्यवस्था पुनर्संतुलन के दौर में है। इस परिदृश्य में भारत की विदेश नीति का केंद्रीय तत्व "रणनीतिक स्वायत्तता" बनकर उभरा है। रणनीतिक स्वायत्तता का अर्थ तटस्थता नहीं, बल्कि स्वतंत्र निर्णय क्षमता है। यह किसी गुट से दूरी बनाकर निष्क्रिय रहने की नीति नहीं, बल्कि सक्रिय संतुलन की नीति है। भारत समानांतर रूप से विभिन्न वैश्विक मंचों पर सहभागिता करता है—आर्थिक सहयोग भी करता है, सुरक्षा संवाद भी, और विकास साझेदारी भी—परंतु किसी एक धुरी पर निर्भर नहीं होता। यही नीति उसे एक संतुलनकारी शक्ति के रूप में स्थापित करती है। इस दृष्टिकोण की ऐतिहासिक जड़ें गुटनिरपेक्ष आंदोलन में मिलती हैं, परंतु वर्तमान स्वरूप अधिक परिपक्व और व्यवहारिक है। उस समय भारत एक विकासशील राष्ट्र था; आज वह विश्व की प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में सम्मिलित है। इसलिए वर्तमान रणनीतिक स्वायत्तता केवल वैचारिक नहीं, बल्कि आर्थिक, तकनीकी और सामरिक क्षमता पर आधारित है। आर्थिक शक्ति इस नीति की आधारशिला है। विदेश नीति की स्वतंत्रता तभी संभव है जब घरेलू अर्थव्यवस्था मजबूत हो। भारत ने विनिर्माण विस्तार, डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना, सेवा निर्यात, कृषि मूल्य संवर्धन, स्टार्टअप नवाचार और अवसंरचना निवेश के माध्यम से आंतरिक शक्ति-संचयन को प्राथमिकता दी है। यह आर्थिक सुदृढ़ता ही कूटनीतिक आत्मविश्वास का आधार है। आत्मनिर्भरता का अर्थ वैश्विक अलगाव नहीं, बल्कि सक्षम सहभागिता है—जहाँ भारत सहयोग भी करता है और अपने हित भी सुरक्षित रखता है। ऊर्जा कूटनीति रणनीतिक स्वायत्तता का अत्यंत महत्वपूर्ण आयाम है। ऊर्जा आपूर्ति में विविधीकरण, दीर्घकालिक अनुबंध, सौर-पवन ऊर्जा

विस्तार, हरित हाइड्रोजन पहल और परमाणु ऊर्जा सहयोग—ये सभी भारत की ऊर्जा सुरक्षा को सुदृढ़ करते हैं। ऊर्जा निर्भरता विदेश नीति को सीमित कर सकती है; इसलिए भारत ने संतुलन की नीति अपनाई है। रक्षा और सामरिक क्षेत्र में स्वदेशीकरण इस नीति की व्यावहारिक अभिव्यक्ति है। रक्षा उद्योग का विस्तार, अनुसंधान निवेश, नौसैनिक आधुनिकीकरण, अंतरिक्ष निगरानी और साइबर सुरक्षा—ये सभी भारत को आत्मविश्वास देते हैं। साझेदारी बढ़ाते हुए भी निर्भरता से बचना—यही रणनीतिक स्वायत्तता की आत्मा है। तकनीकी भू-राजनीति आधुनिक शक्ति का निर्णायक आयाम है। अर्धचालक, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, डिजिटल संप्रभुता, साइबर सुरक्षा और अंतरिक्ष कार्यक्रम राष्ट्रीय संप्रभुता से जुड़े हैं। भारत ने डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना, अंतरिक्ष मिशनों और नवाचार पारिस्थितिकी तंत्र के माध्यम से तकनीकी आधार सुदृढ़ किया है। समुद्री रणनीति भारत की स्वायत्तता को वैश्विक विस्तार देती है। हिंद महासागर क्षेत्र व्यापार, ऊर्जा आपूर्ति और सामरिक संतुलन का केंद्र है। समुद्री सक्रियता भारत को एक विश्वसनीय समुद्री शक्ति बनाती है—यह उपस्थिति संतुलनकारी है, आक्रामक नहीं। वैश्विक दक्षिण के संदर्भ में भारत की भूमिका नैतिक और संरचनात्मक दोनों है। विकास साझेदारी, क्षमता निर्माण, स्वास्थ्य सहयोग, जलवायु न्याय और आपदा सहायता के माध्यम से भारत विकासशील देशों की आवाज़ बन रहा है। यह भूमिका उसकी कूटनीतिक विश्वसनीयता को सुदृढ़ करती है। महाशक्तियों के साथ संतुलन रणनीतिक स्वायत्तता की परीक्षा है। अमेरिका के साथ सहयोग बढ़ रहा है, पर औपचारिक सैन्य गठबंधन नहीं; रूस के साथ ऐतिहासिक रक्षा-ऊर्जा संबंध जारी हैं; यूरोप के साथ हरित-तकनीकी साझेदारी विकसित हो रही है; चीन के साथ प्रतिस्पर्धा और संवाद दोनों जारी हैं। यही बहु-दिशात्मक संतुलन नीति का सार है। चुनौतियाँ भी स्पष्ट हैं—तकनीकी प्रतिबंध, आर्थिक दबाव, क्षेत्रीय तनाव, वैश्विक अस्थिरता। किंतु भारत की आंतरिक आर्थिक सुदृढ़ता, सामाजिक स्थिरता और तकनीकी प्रगति इस नीति की ढाल हैं। 2047 की दृष्टि में भारत का लक्ष्य केवल क्षेत्रीय शक्ति नहीं, बल्कि विश्व व्यवस्था में प्रभावशाली भागीदारी है। इसके लिए आर्थिक, तकनीकी और सामरिक संतुलन आवश्यक है। निष्कर्षतः, रणनीतिक स्वायत्तता भारत की विदेश नीति का केंद्रीय सिद्धांत है—संतुलन, स्वहित और सक्रिय सहभागिता। वैश्विक अस्थिरता के इस युग में यही नीति भारत को स्थिरता, सम्मान और नेतृत्व प्रदान कर सकती है। यह सिद्धांत भारत को केवल शक्ति-संतुलन में स्थान नहीं देता, बल्कि विश्व व्यवस्था के पुनर्गठन में एक निर्णायक भूमिका भी प्रदान करता है।

सत्ता, जाँच एजेंसियाँ और न्यायपालिका के बीच उलझा संविधान

जितेंद्र सिंन्हा। पटना

जब किसी देश का रक्षा मंत्रालय किसी पुस्तक के सार्वजनिक वितरण पर रोक लगाता है और वही पुस्तक एक प्रमुख राष्ट्रीय नेता द्वारा खुलेआम लहराई जाती है, तो प्रश्न केवल उस पुस्तक का नहीं रह जाता है। वह प्रश्न बन जाता है, राज्य की सत्ता, कानून की हैसियत और लोकतंत्र की आत्मा का। रक्षा मंत्रालय द्वारा किसी पुस्तक पर प्रतिबंध कोई सामान्य प्रशासनिक निर्णय नहीं होता है। यह निर्णय आम तौर पर तब लिया जाता है जब राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ी सूचनाएँ हों। सैन्य रणनीति या ऑपरेशंस उजागर हों या ऐसी सामग्री हो जो देश की सुरक्षा संरचना को नुकसान पहुँचा सकती हो। ऐसे में सवाल स्वाभाविक है कि यदि पुस्तक राष्ट्रहित के लिए खतरनाक है, तो उसका सार्वजनिक राजनीतिक प्रदर्शन कैसे स्वीकार्य है? और यदि वह खतरनाक नहीं है, तो प्रतिबंध किस आधार पर लगाया गया? यह विरोधाभास बताता है कि या तो निर्णय में ईमानदारी नहीं है, या फिर उसके उल्लंघन पर राजनीतिक मौन है। दोनों ही स्थितियाँ गणतंत्र के लिए खतरनाक हैं। भारत का संविधान देश को "गणराज्य" घोषित करता है। लेकिन गणतंत्र केवल एक संवैधानिक परिभाषा नहीं है, यह एक नैतिक व्यवस्था है। गणतंत्र की आत्मा चार स्तंभों पर टिकी होती है, वह है कानून की सर्वोच्चता। संस्थाओं की स्वायत्तता। सत्ता की जवाबदेही और राष्ट्रहित की प्राथमिकता। यदि इन चारों में से कोई भी कमजोर पड़ता है, तो गणतंत्र केवल एक औपचारिक ढांचा बनकर रह जाता है यानि अंदर से खोखला हो जाता है। आज समस्या यह नहीं है कि भारत में कानून नहीं हैं, समस्या यह है कि कानून का प्रयोग व्यक्ति देखकर हो रहा है। आज भारतीय व्यवस्था में लगता है कि कानून की आँखों पर राजनीतिक चश्मा चढ़ा हुआ है। एक तरफ सामान्य नागरिक, पत्रकार, छात्र और लेखक, जिन पर शब्दों, पोस्टों और नारों के लिए कठोर धाराएँ लगा दी जाती हैं। दूसरी तरफ सत्ता में बैठे लोग, प्रभावशाली नेता और राजनीतिक संरक्षण प्राप्त चेहरे, जिनके कृत्य "अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता", "राजनीतिक असहमति" या "संवैधानिक अधिकार" कहकर टाल दिए जाते हैं। यह अंतर ही गणतंत्र को भीतर से खोखला करता है। क्या यही गणतंत्र है? या यह किसी और ही व्यवस्था का नया नाम है? भारत स्वयं को "संप्रभु, समाजवादी, पंथनिरपेक्ष, लोकतांत्रिक गणराज्य" घोषित करता है। लेकिन गणतंत्र केवल एक संवैधानिक शब्द नहीं है। गणतंत्र का अर्थ है कानून के समक्ष समानता। संस्थाओं की सर्वोच्चता। सत्ता का उत्तरदायित्व और राष्ट्रहित के प्रति निर्विवाद निष्ठा। यदि यह तत्व केवल कागज पर रहे और व्यवहार में उनका चयनित उपयोग हो, तो गणतंत्र एक औपचारिक मुखौटा बनकर रह जाता है। रक्षा मंत्रालय द्वारा किसी पुस्तक पर रोक लगना कोई साधारण घटना नहीं होती है। यह निर्णय सामान्यतः इन कारणों से लिया जाता है कि राष्ट्रीय सुरक्षा, सैन्य गोपनीयता, संवेदनशील रणनीतिक जानकारी या सैनिकों के मनोबल पर प्रतिकूल प्रभाव। ऐसे में प्रश्न उठता है कि यदि पुस्तक राष्ट्रहित के लिए खतरनाक है, तो उसका राजनीतिक मंचों पर प्रदर्शन कैसे स्वीकार्य है? और यदि वह खतरनाक नहीं है, तो रक्षा मंत्रालय की रोक किस आधार पर? यह संस्थागत विरोधाभास है, जहाँ एक ही राज्य के दो अंग अलग-अलग संदेश देते हैं। राष्ट्रद्रोह (धारा 124A) भारत में सबसे अधिक विवादित कानूनों में से एक रहा है। विडंबना यह है कि सोशल मीडिया पोस्ट पर देशद्रोह। कविता पर देशद्रोह। नारे पर देशद्रोह। लेकिन प्रतिबंधित सामग्री के सार्वजनिक प्रदर्शन पर नहीं। संस्थागत अवज्ञा पर नहीं। संवैधानिक मर्यादाओं के उल्लंघन पर नहीं। क्या राष्ट्रद्रोह अब कृत्य से नहीं, कर्ता से तय होता है? राष्ट्रद्रोह का कानून अंग्रेजों ने भारतीयों को दबाने के लिए बनाया था। लेकिन विडंबना यह है कि आजादी के बाद भी यह कानून जीवित है, लेकिन उसका प्रयोग न्यायसंगत नहीं है बल्कि चयनित हो गया है। आज राष्ट्रद्रोह कविता पर लग सकता है। भाषण पर लग सकता है। पोस्टर या पोस्ट पर लग सकता है। लेकिन संवेदनशील सामग्री के राजनीतिक उपयोग पर नहीं। संस्थागत निर्णयों की खुली अवहेलना पर नहीं और सत्ता की अकड़ पर नहीं। ऐसे में यह प्रश्न उठना स्वाभाविक है कि क्या अब राष्ट्रद्रोह अपराध नहीं है बल्कि राजनीतिक पहचान बन चुका है? लोकतंत्र में संस्थाएँ सत्ता से ऊपर होती हैं। लेकिन जब सत्ता स्वयं को संस्थाओं से ऊपर समझने लगे, तब पतन शुरू होता है। जाँच एजेंसी से सबूत छीनना केवल कानून का उल्लंघन नहीं है, यह राज्य की संप्रभुता को खुली चुनौती है। यदि ऐसा कोई सामान्य नागरिक करता तो जेल तय थी। लेकिन जब ऐसा सत्ता करती है तो बहस शुरू होती है, कार्रवाई नहीं। यही अंतर गणतंत्र को मजाक बना देता है। किसी राज्य की मुख्यमंत्री यदि जाँच एजेंसी के साथ हाथापाई करे। सबूतों को बलपूर्वक छीने और सार्वजनिक रूप से एजेंसी को चुनौती दे, तो किसी "सामान्य देश" में परिणाम स्पष्ट होते हैं, तत्काल गिरफ्तारी। संवैधानिक पद से हटना और कठोर कानूनी प्रक्रिया लेकिन जब ऐसा नहीं होता है, तो सवाल उठता है कि क्या सत्ता अब कानून से ऊपर है लोकतंत्र में जाँच एजेंसियाँ सरकार की नहीं, कानून की प्रतिनिधि होती हैं। उनका कार्य किसी व्यक्ति या दल को निशाना बनाना नहीं, बल्कि तथ्यों की खोज करना होता है। लेकिन जब कोई संवैधानिक पदधारी जाँच एजेंसी के काम में हस्तक्षेप करे। दस्तावेजों या सबूतों को बलपूर्वक अपने कब्जे में ले और खुलेआम एजेंसी को चुनौती दे, तो यह केवल "राजनीतिक टकराव" नहीं रहता है बल्कि यह संवैधानिक अवज्ञा बन जाता है। यह वह बिंदु होता है जहाँ राज्य स्वयं अपने ही कानून के खिलाफ खड़ा दिखाई देता है। सबूत छीनना अपने आप में एक गंभीर अपराध है। क्योंकि सबूत केवल कागज नहीं होता है बल्कि वह न्याय की रीढ़ होती हैं। जब सबूत सुरक्षित नहीं रहता है तो सच्चाई संदिग्ध हो जाती है। न्याय प्रक्रिया कमजोर पड़ जाती है और जनता का भरोसा टूटता है। यदि यही कार्य कोई आम नागरिक करता है तो उसे "न्याय में बाधा" (Obstruction of Justice) कहा जाता है। लेकिन जब सत्ता ऐसा करती है तो शब्द बदल जाता हैं, "राजनीतिक साजिश"। "संघर्ष की स्थिति" और "संवैधानिक विवाद"। यहीं से कानून का दोहरा चरित्र उजागर होता है। यह प्रश्न बार-बार उठता है कि जब अपराध सार्वजनिक है, जब दृश्य प्रमाण मौजूद हैं, तो तत्काल कार्रवाई क्यों नहीं होती? इसका उत्तर कानून में नहीं, राजनीतिक संरचना में छिपा है। भारत में जाँच एजेंसियाँ तकनीकी रूप से स्वतंत्र हैं, लेकिन व्यवहार में वे राजनीतिक सहमति, प्रशासनिक अनुमति और "समय की अनुकूलता" पर निर्भर करती दिखाई देती हैं। यही निर्भरता कानून को निष्प्रभावी बना देती है। सुप्रीम कोर्ट लोकतंत्र की अंतिम आशा माना जाता है।

मेष राशि : आज आपका दिन लाभदायक रहेगा। अपने विचारों के साथ-साथ दूसरे लोगों के विचारों पर भी गौर देने की जरूरत है। आय के साधन बढ़ने के साथ-साथ खर्चों की भी अधिकता बनी रहेगी। बाहरी व्यक्तियों का हस्तक्षेप अपने व्यक्तिगत कार्यों पर ना होने दें। आज जीवनसाथी और परिवारजनों के साथ कुछ समय मनोरंजन में बिताएंगे।

वृष राशि : आज आपका दिन अच्छा रहेगा। आज आप अपने संपर्क में आने आने वाले हर व्यक्ति के साथ प्रेमपूर्वक व्यवहार करेंगे। विचारों में स्थिरता और दृढ़ता रहने से आप अपने कार्यों को अच्छी तरह कर पाएंगे। सामाजिक रुप से मान-प्रतिष्ठा बनी रहेगी। आज दूसरों के भरोसे अपने कार्यों को न छोड़ें, इसका असर आपके कार्यक्षेत्र में पड़ सकता है।

मिथुन राशिः आज का दिन आपके लिए बहुत बढ़िया रहेगा। इस राशि के स्टूडेंट्स को आज किसी कंपनी से नए जॉब के लिए कॉल आ सकती है। साथ ही कम्प्यूटर कोर्स ज्वॉइन करना चाहते है तो आज का दिन शुभ है। आज जल्दबाजी की बजाए शांति और धैर्य पूर्ण तरीके से कामों को अंजाम देना आपके काम को ज्यादा सुगम बनाएगा। नजदीकी लोगों से मुलाकात फायदेमंद साबित होगी।

कर्क राशिः आज आपके सोचे हुए काम पूरे होंगे। अगर आज नए बिजनेस की शुरूआत करने की सोच रहें है तो आज का दिन आपके लिए शुभ है। जीवनसाथी के सहयोग से आपको किसी बड़े काम में सफलता मिलेगी। आज आपकी आर्थिक स्थिति पहले से बेहतर रहेगी। आज अपनी व्यावसायिक कार्य प्रणाली में कुछ बदलाव लाने की कोशिश करेंगे।

सिंह राशिः आज का दिन आपके लिए अच्छा रहने वाला है। आज उन चीजों को महत्व दें जो सच में आपके लिए महत्वपूर्ण हैं। आपको अपने दोस्तों और काम के बीच संतुलन बनाकर रखना होगा, जिससे आपको ज्यादा से ज्यादा काम करने का समय मिल सके। सोचा हुआ कार्य समय पर पूरा होने से आप अपने अंदर ऊर्जा और आत्मविश्वास महसूस करेंगे। संतान की किसी उपलब्धि से सुकून व खुशी महसूस होगी।

कन्या राशिः आज आपका दिन खास रहेगा। आज रास्ते में जाते समय आपकी मुलाकात किसी ऐसे व्यक्ति से हो सकती है, जिसका फायदा आपको भविष्य में अवश्य मिलेगा। असमंजस की स्थिति में परिवार वालों की सलाह लेना अच्छा रहेगा। इस समय मार्केटिंग संबंधी कार्यों पर ज्यादा ध्यान देने की जरूरत है। दांपत्य जीवन सुखद और मधुरता पूर्ण रहेगा।

तुला राशिः आज का दिन आपके लिए ठीक रहेगा। किसी काम को करने में आज आपके सामने कठिनाइयां आएंगी, आप अपनी सूझ-बूझ से उनसे निपटने में सफल होंगे। आज समाज में आपको अपनी कार्यशीलता के लिए सम्मानित किया जा सकता है। साझेदारी संबंधी व्यापार की योजना बना रहे हैं तो उससे जुड़े सभी मामलों पर अच्छे से सोच-विचार कर लें।

वृश्चिक राशिः आज पुराने विचारों को छोड़कर नए विचारों को अपनाएंगे। आपके इस विचार को देखकर परिवार का मन उत्साह से भर जाएगा। साथ ही आज घर पर अपना मनपसंद खाना खा सकते है। किसी उलझन का समाधान मिलने से आपका मन प्रसन्न रहेगा। अपने व्यक्तिगत कार्यों में किसी और का हस्तक्षेप न होने दें।

धनु राशिः आज आपका दिन खुशनुमा रहने वाला है। इस राशि के बिजनेसमैन आज किसी जरूरी काम से विदेश की यात्रा कर सकते है। यात्रा लाभदायक होगी। कारोबार में बहुत सावधानी रखने की जरूरत है। धैर्य और संयम से मुश्किल समय निकल जाएगा। साझेदारी के व्यवसाय में पारदर्शिता बनाए रखने से अच्छा रहेगा। इस राशि के प्रोफेशर्स के लिए आज का दिन अच्छा रहेगा।

मकर राशिः आज आपका दिन राहत से भरा रहेगा। आर्थिक स्थिति में आज सुधार आएगा। समय का उचित सदुपयोग करें। सामाजिक गतिविधियों में आपके विचारों को विशेष प्राथमिकता मिलेगी। युवाओं का मन मुताबिक कार्य पूरा होने से सुकून मिलेगा। आज आपको जीवनसाथी के प्रति अपना व्यवहार बदलने की जरूरत है।

कुंभ राशिः आज का दिन आपके लिए बेहतरीन रहेगा। अनुभवी लोगों का मार्गदर्शन लेना आपके लिए सहायक रहेगा। किसी विदेशी कंपनी से जॉब के लिए कॉल आ सकती है। घर का माहौल सुखद और शांतिपूर्ण बना रहेगा। किसी मित्र से मुलाकात होगी और पुरानी यादें ताजा होंगी। आज किसी कानूनी मामले में आपको राहत मिल सकती है।

मीन राशिःआज का दिन आपके लिए फायदेमंद रहेगा। बिजनेस में आपको फायदा मिलने वाला है। उधार दिया हुआ पैसा आज वापस मिलेगा। आज आपका स्वास्थ्य पहले से बेहतर रहेगा। दिन की शुरुआत कुछ व्यस्तता वाली रह सकती है लेकिन अंत में बेहतर परिणाम हासिल होंगे। किसी प्रभावशाली व्यक्ति से मुलाकात लाभदायक रहेगी। इस राशि के वकीलों के लिए आज का दिन महत्वपूर्ण है।

संक्षिप्त समाचार

आजसू की पूर्व प्रत्याशी शालिनी गुप्ता ने थामा झामुमो का दामन

रांची।आजसू पार्टी की पूर्व प्रत्याशी शालिनी गुप्ता ने मंगलवार को झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) की सदस्यता ग्रहण कर ली। इस अवसर पर झामुमो नेता यदुनंदन पांडे ने उन्हें पार्टी में शामिल होने पर बधाई दी और कहा कि उनके आने से क्षेत्र के विकास के रास्ते और मजबूत होंगे। यदुनंदन पांडे ने कहा कि झामुमो राज्य के समग्र विकास के लिए प्रतिबद्ध है और शालिनी गुप्ता के अनुभव से संगठन को नई मजबूती मिलेगी। कार्यक्रम के दौरान पार्टी कार्यकर्ताओं ने उनका स्वागत किया और भविष्य में मिलकर जनता के हित में काम करने का संकल्प लिया।

मधनिया गांव के शेरू सिंह का आकस्मिक निधन, शोक की लहर

मयूरहड (चतरा)। प्रखंड के मधनिया गांव निवासी शेरू सिंह का आज सुबह आकस्मिक निधन हो गया। उनकी उम्र लगभग 40 वर्ष बताई गई है। परिजनों के अनुसार उन्होंने सुबह करीब 4:30 बजे अंतिम सांस ली। उनका अंतिम संस्कार आज दोपहर 12 बजे गांव के बढ़ाकर नदी श्मशान घाट पर किया जाएगा। शेरू सिंह के अचानक चले जाने से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। गांव और आसपास के क्षेत्र में शोक का माहौल है। सिह समाज के लोगों सहित बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने उनके निधन को समाज के लिए अपूरणीय क्षति बताते हुए परिजनों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की

नगर निगम चुनाव 2026 की सूची स्क्रुटनी कर हुई हुई जारी

हजारीबाग। नगर निगम चुनाव 2026 के तहत पार्षद के नामांकन प्रक्रिया के संपन्न होने के उपरांत आज 5 फरवरी को स्क्रूटनी की प्रक्रिया समाप्त हुई। स्क्रूटनी के उपरांत जारी सूची वार्ड 1 से उम्मीदवार शाहीन परवीन का नामांकन जाति प्रमाण पत्र (बिहार सरकार द्वारा जारी) के कारण एवं वॉर्ड 4 से रामेश्वर कुशवाहा का नामांकन नगर पालिका का नो ड्यूज सर्टिफिकेट, मतदाता सूची एवं बैंक पासबुक की अभिप्रमाणित प्रति के कारण निरस्त किया गया है।वार्ड 10 से एक उम्मीदवार मनोरमा देवी का नामांकन संतान संबंधी घोषणा पत्र के कारण निरस्त किया गया है।वार्ड 17 से उम्मीदवार शमा परवीन का नामांकन जाति प्रमाण पत्र (बिहार सरकार द्वारा जारी) के कारण निरस्त किया गया है।वार्ड 21 से उम्मीदवार मोहम्मद अयातुल्लाह इरफान एवं वॉर्ड 24 से उम्मीदवार कंचन देवी का नामांकन संतान संबंधी घोषणा पत्र के कारण निरस्त किया गया है।वार्ड 30 से उम्मीदवार रजिया खातून का नामांकन जाति प्रमाण पत्र (बिहार सरकार द्वारा जारी) के कारण निरस्त किया गया है।वार्ड 32 से उम्मीदवार चंदन कुमार का नामांकन की एक प्रति नाम निर्देशन शुल्क एवं जाति प्रमाण पत्र के कारण निरस्त किया गया है,जबकि दूसरी प्रति स्वीकृत कर ली गई है।वार्ड 35 से एक उम्मीदवार खुशबू देवी का नामांकन की एक प्रति कम आयु की घोषणा के कारण निरस्त किया गया है, एवं दूसरी प्रति स्वीकृत कर ली गई है।

दारू पुलिस ने न्यायालय के इश्तिहार का कराया प्रकाशन, ढोल-नगाड़े के साथ लगाया गया नोटिस

दारू।दारू थाना कांड संख्या 1146/20 के अभियुक्त मो. तस्लीम (पिता– वली मियां), निवासी सीलाडीह, थाना दारू, जिला हजारीबाग के विरुद्ध माननीय न्यायालय, हजारीबाग द्वारा निर्गत इश्तिहार का विधिवत प्रकाशन किया गया। दारू पुलिस ने न्यायालय के निर्देशानुसार इश्तिहार को ढोल-नगाड़ा बजाकर सार्वजनिक रूप से उद्घोषित किया तथा दो गवाहों की उपस्थिति में अभियुक्त के घर, सीलाडीह चौक एवं व्यवहार न्यायालय, हजारीबाग के मुख्य द्वार पर नोटिस लगाया। पुलिस ने बताया कि यह कार्रवाई न्यायालय के आदेश के अनुपालन में की गई है, ताकि अभियुक्त को न्यायालय में उपस्थित होने की सूचना विधिवत रूप से मिल सके।

पाकुड़: वरीय लेखा लिपिक सौरभ कुमार के आकस्मिक निधन पर समाहरणालय में शोक सभा आयोजित

» समाहरणालय में अधिकारियों और कर्मियों ने नम आंखों से दी वरीय लेखा लिपिक को विदाई

पाकुड़। समाहरणालय सभागार में बुधवार को एक शोक सभा का आयोजन कर ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल के वरीय लेखा लिपिक सौरभ कुमार के आकस्मिक निधन पर गहरी शोक संवेदना व्यक्त की गई। इस दुखद समाचार से प्रशासनिक गलियारे में शोक की लहर दौड़ गई है।

प्रशासनिक अधिकारियों ने दी श्रद्धांजलि

शोक सभा में सामान्य प्रेक्षक, उपायुक्त मनीष कुमार, परियोजना निदेशक (आईटीडीए), अपर समाहर्ता, अनुमंडल पदाधिकारी और जिला भू-अर्जन पदाधिकारी सहित जिले के तमाम वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित हुए। सभी ने दिवंगत सौरभ कुमार के व्यक्तित्व और उनके द्वारा विभाग में दिए गए योगदान को याद करते हुए उन्हें अपनी भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की।

मौन रखकर शांति की प्रार्थना की

शोक सभा के दौरान उपस्थित सभी पदाधिकारियों एवं कर्मियों ने दो मिनट का मौन रखा। सभी ने ईश्वर से दिवंगत आत्मा की शांति और शोक संतप्त परिजनों को इस अपार दुख को सहने की शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना की।

सहकर्मियों ने साझा की यादें

सौरभ कुमार को उनके मृदुभाषी व्यवहार और कार्य के प्रति निष्ठा के लिए जाना जाता था। उनके सहकर्मियों ने बताया कि वे एक कर्तव्यनिष्ठ कर्मचारी थे, जिन्होंने हमेशा अपने दायित्वों का निर्वहन पूरी ईमानदारी से किया। शोक सभा में उप निर्वाचन पदाधिकारी, जिला आपूर्ति पदाधिकारी, जिला पंचायत राज पदाधिकारी सहित विभिन्न विभागों के सैकड़ों कर्मचारी एवं पदाधिकारी मौजूद थे।

बीजेपी सांसद सह गायक मनोज तिवारी अपने सुरों का बिखरेंगे जलवा, राघव पंडित के म्यूजिकल फेरे संग संपन्न होगा विवाह समारोह

नई सोच एक्सप्रेस

» गृहस्थ बसाने से लेकर गृहस्थ चलाने का करेंगे इंतजाम: मनीष जायसवाल

हजारीबाग।हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र के समृद्ध इतिहास में एक और स्वर्णिम अध्याय जुड़ने जा रहा है। सिद्धपीठ माँ छिन्नमस्तिका की पावन भूमि रामगढ़ आगामी 8 फरवरी 2026 को एक भव्य सामाजिक क्रांति की साक्षी बनेगी। हजारीबाग के लोकप्रिय सांसद मनीष जायसवाल के नेतृत्व में स्थानीय सिद्धू-कान्हु मैदान में 101 जरूरतमंद जोड़ों का ग्रैंड सामूहिक कन्यादान समारोह आयोजित किया जा रहा है। आयोजन की घड़ियां समीप हैं, मात्र दो दिन शेष हैं और तैयारियां अब अपने चरम पर यानी रेस मोड में हैं।इस वैवाहिक महाकुंभ को यादगार बनाने के लिए ख्याति प्राप्त गायक, अभिनेता एवं सांसद श्री मनोज तिवारी 'मृदुल' अपने सुरों का जादू बिखेरेंगे। वहीं विवाह की रस्में किसी राजसी शादी से कम नहीं होंगी। देश-दुनिया में प्रसिद्ध कोलकाता के राघव पंडित और उनकी टीम के 'म्यूजिकल फेरे' इस उत्सव का मुख्य आकर्षण होंगे, जहाँ मंत्रोच्चार और संगीत के अनूठे संगम के बीच 101 जोड़े सात फेरे लेकर दांपत्य जीवन में प्रवेश करेंगे।सांसद मनीष जायसवाल का विजन केवल विवाह संपन्न कराना नहीं, बल्कि इन नव-दम्पत्तियों के भविष्य को सुरक्षित करना भी है। उन्होंने स्पष्ट किया कि यह आयोजन केवल 'घर बसाने' तक सीमित नहीं है, बल्कि 'गृहस्थ चलाने' का भी पुख्ता इंतजाम है। विदाई के समय प्रत्येक जोड़े को दैनिक उपयोग की सामग्रियों के साथ-साथ स्वरोजगार हेतु एक 'टोटो' (ई-रिक्शा) भेंट किया जाएगा, ताकि वे स्वावलंबन के साथ अपना जीवन यापन कर सकें।एक सजग जनप्रतिनिधि के रूप में मनीष जायसवाल ने विकास कार्यों के साथ-साथ सामाजिक समरसता को अपनी प्राथमिकता बनाया है। उनका 'वार्षिक सेवा कैलेंडर' इसी प्रतिबद्धता का प्रमाण है। जनवरी-फरवरी में सामूहिक विवाह, रामनवमी पर सांसद अस्त्र-शस्त्र वितरण, खेलों को बढ़ावा देने के लिए सांसद खेल महोत्सव और विशेषकर नमो फुटबॉल टूर्नामेंट, बुजुर्गों के लिए निरंतर जारी सांसद तीर्थ दर्शन महाअभियान और जरूरतमंद बेटियों को लहंगा भेंट करने से लेकर जरूरतमंद परिवारों के बीच नमो श्राद्ध किट तक उनकी हर पहल समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति को संबल प्रदान करती है।सांसद सामूहिक विवाह उत्सव-2026 को लेकर हजारीबाग और रामगढ़ के जन-जन में भारी उत्साह है। चयनित 101 जोड़ों में कई दिव्यांग जन और ऐसे युवा शामिल हैं जिनके सिर से माता-पिता का साया उठ चुका है। उनके लिए सांसद मनीष का यह प्रयास किसी वरदान से कम नहीं है। पूरे क्षेत्र को बैनर, पोस्टर और फ्लेक्स से सजा दिया गया है। भाजपा कार्यकर्ताओं और सामाजिक संगठनों के सक्रिय सहयोग से यह सुनिश्चित किया जा रहा है कि लाखों लोग इस ऐतिहासिक क्षण के साक्षी बनें।

फाइलेरिया मुक्त पाकुड़: निजी स्कूलों के प्रधानाध्यापकों के साथ उपायुक्त ने की समीक्षा बैठक

नई सोच एक्सप्रेस

» उपायुक्त ने 10 फरवरी से शुरू होने वाले अभियान के लिए निजी स्कूलों को दिया लक्ष्य

पाकुड़।जिले में फाइलेरिया उन्मूलन कार्यक्रम को प्रभावी ढंग से लागू करने और जन-जन तक दवा पहुँचाने के उद्देश्य से समाहरणालय में एक महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक आयोजित की गई। उपायुक्त मनीष कुमार की अध्यक्षता में आयोजित इस बैठक में जिले के विभिन्न निजी विद्यालयों के प्रधानाध्यापकों ने हिस्सा लिया। बैठक का मुख्य केंद्र आगामी अभियान की सफलता और स्कूली बच्चों की शत-प्रतिशत भागीदारी सुनिश्चित करना रहा।

10 फरवरी से शुरू होगा महाभियान

बैठक को संबोधित करते हुए उपायुक्त मनीष कुमार ने घोषणा की कि जिले में 10 फरवरी से फाइलेरिया उन्मूलन कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ किया जाएगा। उन्होंने कड़े निर्देश देते हुए कहा कि स्कूलों में अध्ययनरत एक भी बच्चा दवा सेवन से वंचित नहीं रहना चाहिए।

जागरूकता फैलाने में विद्यालयों की भूमिका अहम

उपायुक्त ने जोर देकर कहा कि फाइलेरिया एक गंभीर स्वास्थ्य समस्या है और इसे जड़ से मिटाने के लिए विद्यालयों का सहयोग अनिवार्य है। उन्होंने प्रधानाध्यापकों से अपील की:

अभिभावकों को करें जागरूकः शिक्षक विद्यार्थियों के माध्यम से उनके अभिभावकों तक दवा के महत्व का संदेश पहुँचाएं।

शत-प्रतिशत उपस्थितिः दवा सेवन के दिन सभी बच्चों की उपस्थिति सुनिश्चित की जाए।

सक्रिय सहयोगः स्वास्थ्य कर्मियों के साथ समन्वय बिठाकर अभियान को सफल बनाने में विद्यालय प्रशासन सक्रिय भूमिका निभाए।

बोर्ड परीक्षाओं को लेकर भी दिए निर्देश

स्वास्थ्य चर्चा के साथ-साथ उपायुक्त ने जिले में चल रही बोर्ड परीक्षाओं की भी समीक्षा की। उन्होंने प्रधानाध्यापकों को निर्देशित किया कि:

*परीक्षार्थी समय से पूर्व केंद्रों पर पहुँचें, इसकी व्यवस्था सुनिश्चित की जाए।

*परीक्षा संबंधी सभी सरकारी दिशा-निर्देशों का सख्ती से पालन हो।

*शांतिपूर्ण और कदाचार मुक्त वातावरण में परीक्षा संपन्न कराई जाए।

"जिला प्रशासन जन स्वास्थ्य और शिक्षा, दोनों ही क्षेत्रों में बेहतरीन व्यवस्था देने के लिए प्रतिबद्ध है। फाइलेरिया मुक्त जिला बनाने के लिए हम सबको मिलकर प्रयास करना होगा।" — मनीष कुमार, उपायुक्त

स्वतंत्रता सेनानी सरस्वती देवी का जयंती सरस्वती उच्च विद्यालय में धूम धाम से मनाई गई

नई सोच एक्सप्रेस

दारू।सरस्वती +2 हाई स्कूल दारू में स्वतंत्रता सेनानी सरस्वती देवी का माल्यार्पण कर जन्मदिन मनाया गया। दारू अंचल अधिकारी रामबालक कुमार बीडीओ हारून रशीद सरस्वती हाई स्कूल प्रधानाचार्य अध्यापक और स्वतंत्रता सेनानी के पोते भैया मारुती शरण सहाय और उनके पुरे परिवार द्वारा माल्यार्पण कर उनकी जयंती मनाई गई।जैसा कि सर्व बिदित है कि सरस्वती देवी का जन्मदिन 5 फरवरी 1901 - बिहारी दुर्गामंडप के सामने एक कायस्थ परिवार में हुवा था उनके पिता पैसे से वकील थे तथा उनका बिवाह दारू के भैया कैदारनाथ सहाय के साथ किया गया.वे भी एक जाने माने वकील थे झारखंड के हजारीबाग की एक प्रमुख स्वतंत्रता सेनानी और अविभाजित बिहार की पहली महिला स्वतंत्रता सेनानी थीं, जिन्हें सविनय अवज्ञा आंदोलन के दौरान कैद किया गया था। उन्होंने गांधीजी के असहयोग आंदोलन में सक्रिय भूमिका निभाई और हजारीबाग सेंट्रल जेल में बंद कर दिया गया। सरस्वती हाई स्कूल के प्रांगण में बने प्रतिमा में उनके पूर्वजो द्वारा प्रत्येक वर्ष कि भांति इस वर्ष भी उनकी प्रतिमा पर पुष्प द्वारा माल्यार्पण कर याद किया गया।कार्यक्रम में सरस्वती +2 उच्च विद्यालय प्रधानाध्यापक परियोझ कुमार झा, भैया सुकेश कुमार प्रीति प्रकाश, मीना नारायण, ओमप्रकाश, नंदकिशोर, मंजू देवी, मोहम्मद मोबिन, राजेश कुमार, महादेव ठाकुर सहित विद्यालय के शिक्षकगण एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएँ उपस्थित थे।

निजी क्षेत्र में 75% आरक्षण पर भाजपा का हमला, सरकार पर दोहरे रवैये का आरोप

नई सोच एक्सप्रेस

रांची।मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन द्वारा निजी क्षेत्र में 75 प्रतिशत आरक्षण को लेकर दिए गए बयान पर भारतीय जनता पार्टी ने कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। भाजपा प्रवक्ता अजय साह ने इसे जनता को भ्रमित करने वाला बताते हुए कहा कि सरकार का कथन और जमीनी हकीकत एक-दूसरे से मेल नहीं खाते। अजय साह ने आरोप लगाया कि राज्य सरकार द्वारा जारी कई टेंडर ऐसे बनाए जा रहे हैं, जिनसे स्थानीय उद्यमियों और संवेदकों को अवसर नहीं मिल पाता और बाहर की कंपनियों को लाभ पहुंचता है। उन्होंने शराब नीति, बालू घाटों की नीलामी, कोचिंग संस्थानों के रेगुलेशन और आयुष्मान भारत योजना का हवाला देते हुए कहा कि इन क्षेत्रों में भी स्थानीय लोगों को नजरअंदाज किया गया है। उन्होंने यह भी दावा किया कि सरकारी विभागों में बाहरी कंपनियों का वर्चस्व बढ़ रहा है और आउटसोर्सिंग के नाम पर नौकरियों में बिचौलियों की भूमिका से स्थानीय युवाओं के अवसर घट रहे हैं। भाजपा प्रवक्ता ने एमबीबीएस प्रवेश प्रक्रिया और स्किल डेवलपमेंट योजनाओं में कथित अनियमितताओं का मुद्दा उठाते हुए सरकार पर गंभीर आरोप लगाए। अजय साह ने कहा कि यदि सरकार निजी क्षेत्र में आरक्षण की बात कर रही है तो उसे पहले इसे सरकारी नीतियों, योजनाओं और ठेकों में प्रभावी ढंग से लागू करना चाहिए। उन्होंने चेतावनी दी कि भाजपा इन मुद्दों को लेकर सरकार पर दबाव बनाती रहेगी और जनता के सामने "दोहरे चेहरे" को उजागर करती है।

थाना प्रभारी सरोज सिंह चौधरी के नेतृत्व में बड़ी कार्रवाई, चैथी मोड़ से महूदि मोड़ तक हाईवोल्टेज पीछा

नई सोच एक्सप्रेस

» बैरिकेडिंग तोड़कर भागी शराब लदी कार, पुलिस टीम ने बहुत ही मशक्कत के बाद महूदि मोड़ पर दबोचे तस्कर

हजारीबाग।पुलिस अधीक्षक हजारीबाग को मिली गुप्त सूचना के आधार पर चौपारण थाना प्रभारी सरोज सिंह चौधरी के नेतृत्व में अवैध शराब तस्करी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया गया। 05 फरवरी 2026 को थाना गेट के समीप चल रहे वाहन जांच अभियान के दौरान एक Hyundai Xcent (JH13D-3969) को रोकने का प्रयास किया गया, लेकिन चालक ने बैरिकेडिंग तोड़ते हुए तेज रफ्तार में वाहन भगा दिया। थाना प्रभारी के निर्देश पर पुलिस टीम ने पीछा शुरू किया। कार चतरा मोड़ होते हुए चैथी मोड़ की ओर मुड़ी और गांव की दिशा में भागने लगी। इस दौरान टेंपो और मोटरसाइकिल को टक्कर मारते हुए वाहन कच्चे रास्ते में घुस गया। हालात को देखते हुए पुलिस ने क्षेत्र में सतर्कता फैलाते हुए लगातार पीछा जारी रखा। लगातार घेराबंदी, ग्रामीणों के सहयोग और काफी मशक्कत के बाद अंततः महूदि मोड़ के पास वाहन को घेरकर रोका गया। कार से उतरकर भाग रहे दो युवकों को पुलिस बल ने खदेड़ कर पकड़ लिया। तलाशी के दौरान वाहन से भारी मात्रा में अवैध अंग्रेजी शराब बरामद की गई, जिसे छुपाकर बिहार की ओर ले जाया जा रहा था। गिरफ्तार अभियुक्त सोनू कुमार, उम्र 19 वर्ष, पिता उपेन्द्र यादव, निवासी परसातरी, थाना चौपारण, जिला हजारीबाग तथा संदीप पासवान, उम्र 20 वर्ष, पिता रामदत्त पासवान, निवासी फुलवरिया, थाना नवलशाही, जिला कोडरमा को गिरफ्तार किया गया। कार्रवाई में शामिल पुलिस टीम इस अभियान में अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी बरही अजीत कुमार विमल, चौपारण थाना प्रभारी पु०अ०नि० सरोज सिंह चौधरी, स०अ०नि० बादल कुमार महतो, स०अ०नि० मो० कमरुद्दीन सहित थाना रिजर्व गार्ड व चौकीदार शामिल थे। मामले में चौपारण थाना कांड संख्या 34/26 दिनांक 05/02/26 के तहत BNS की विभिन्न धाराओं एवं 47(ए) एक्साइज एक्ट में प्राथमिकी दर्ज कर आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है। बरामद शराब व वाहन का अनुमानित मूल्य करीब सात लाख रुपये बताया गया है।स्थानीय लोगों का कहना है कि थाना प्रभारी सरोज सिंह चौधरी की सख्ती और सक्रिय निगरानी से क्षेत्र में अवैध शराब कारोबारियों में हड़कंप मचा हुआ है।

सीबीएसई बोर्ड परीक्षा: पाकुड़ के छात्रों के लिए उन्मुखीकरण कार्यशाला आयोजित, DC ने बांटे एडमिट कार्ड

नई सोच एक्सप्रेस

» परीक्षा की तैयारी स्ट्राइप लाइनः उपायुक्त ने छात्रों को दिए सफलता के मंत्र, कहा- आत्मविश्वास और अनुशासन ही जीत की कुंजी

पाकुड़।सीबीएसई 10वीं और 12वीं की बोर्ड परीक्षाओं में विद्यार्थियों के प्रदर्शन को बेहतर बनाने और उनके भीतर से परीक्षा का भय दूर करने के उद्देश्य से टाउन हॉल स्थित रवींद्र भवन में एक विशेष उन्मुखीकरण कार्यशाला (Orientation Workshop) का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ उपायुक्त मनीष कुमार ने दीप प्रज्वलित कर किया। इस कार्यशाला में सीएम स्कूल ऑफ एक्सीलेंस (गर्ल्स) और सीएम स्कूल ऑफ एक्सीलेंस (राज +2) के सैकड़ों छात्र-छात्राओं ने भाग लिया।

बेहतर अंक पाने के लिए डीसी के 'सफलता सूत्र'

विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए उपायुक्त मनीष कुमार ने कहा कि बोर्ड परीक्षा केवल अंकों का खेल नहीं, बल्कि भविष्य की मजबूत आधारशिला है। उन्होंने छात्रों को परीक्षा में सफल होने के लिए कई महत्वपूर्ण सुझाव दिए:

निरंतर अभ्यासः नियमित अध्ययन और बार-बार पुनरावृत्ति (Revision) पर ध्यान दें।

समय प्रबंधनः परीक्षा के दौरान समय का सही नियोजन करें और प्रश्नपत्र को ध्यानपूर्वक पढ़ें।

सकारात्मक दृष्टिकोणः शांत और एकाग्रचित्त होकर परीक्षा दें। किसी भी प्रकार के अनुचित साधनों का प्रयोग न करें।

लेखन शैलीः उत्तर पुस्तिका में स्वच्छ और स्पष्ट लिखें। उपायुक्त ने विशेष रूप से अंकों की संभावना बढ़ाने के लिए आरेख (Diagrams) और फ्लोचार्ट का उपयोग करने की सलाह दी।

"अगर किसी प्रश्न का उत्तर पूरी तरह से नहीं पता हो, तब भी उससे संबंधित महत्वपूर्ण बिंदुओं को जरूर लिखें। आपकी मेहनत और सकारात्मक सोच ही जिले का नाम रोशन करेगी।" — मनीष कुमार, उपायुक्त

प्रशासनिक पहल से सुधर रहा है शैक्षणिक स्तर

उपायुक्त ने बताया कि जिला प्रशासन शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार के लिए प्रतिबद्ध है। सरकारी विद्यालयों में चलाए जा रहे विशेष शैक्षणिक अभियानों के कारण परीक्षा परिणामों में निरंतर सुधार हो रहा है। उन्होंने छात्रों से अपील की कि वे प्रत्येक परीक्षा में अनिवार्य रूप से सम्मिलित हों।

सांकेतिक रूप से वितरित किए गए प्रवेश पत्र

कार्यशाला के दौरान उपायुक्त ने छात्र-छात्राओं के बीच सांकेतिक रूप से एडमिट कार्ड (प्रवेश पत्र) का वितरण किया। एडमिट कार्ड पाकर छात्रों के चेहरे खिल उठे। उपायुक्त ने सभी परीक्षार्थियों को आगामी परीक्षाओं के लिए शुभकामनाएं दीं और उन्हें पूरे आत्मविश्वास के साथ परीक्षा केंद्र पहुँचने के लिए प्रेरित किया।

जय माता दी ज्वेलर्स लूटकांड में पुलिस को बड़ी सफलता, एक और आरोपी गिरफ्तार

नई सोच एक्सप्रेस

बरही (हजारीबाग)।बरही चौक स्थित जय माता दी ज्वेलर्स में बीते 16 नवंबर 2025 को हुई सनसनीखेज लूट की घटना (कांड संख्या 439/25) के उद्भेदन में पुलिस को एक और बड़ी सफलता मिली है। इस मामले में फरार चल रहे एक आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। गुरुवार को बरही एसडीपीओ अजीत कुमार विमल ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर बताया कि अब तक की कार्रवाई में पुलिस लूटे गए जेवरात, घटना में प्रयुक्त वाहन तथा हथियार की बरामदगी कर चुकी है। इस कांड में कुल छह आरोपी शामिल थे, जिनमें से चार को पहले ही गिरफ्तार किया जा चुका है। एसडीपीओ ने बताया कि शेष फरार आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए लगातार छापामारी अभियान चलाया जा रहा था। इसी क्रम में 4 फरवरी 2026 को पुलिस ने छापामारी कर फरार आरोपी रामाशिष चौधरी, पिता स्वर्गीय रघु चौधरी, ग्राम बनाही, थाना आमस, जिला गया (बिहार) को उसके घर से गिरफ्तार किया। आरोपी हाल ही में एक सड़क दुर्घटना में घायल हुआ था और घर पर इलाज करा रहा था, इसी दौरान पुलिस ने उसे दबोच लिया। पुलिस के अनुसार गिरफ्तार आरोपी का आपराधिक इतिहास रहा है और वह कई मामलों में नामजद रह चुका है। इस लूटकांड में शामिल अन्य अपराधियों की पहचान भी कर ली गई है। उनकी गिरफ्तारी के लिए एसआईटी टीम द्वारा लगातार छापामारी की जा रही है। वही पुलिस ने दावा किया है कि शेष आरोपियों को भी शीघ्र गिरफ्तार कर लिया जाएगा। पी.सी दौरान मौके पर पुलिस निरीक्षक सह थाना प्रभारी विनोद कुमार, मौजूद थे। छापामारी दल में पुअनि मृत्युंजय कुमार, पुअनि सौरभ कुमार, सिपाही नीरज कुमार सिंह सहित थाना के सशस्त्र बल के जवान शामिल थे।

संक्षिप्त समाचार

सड़क दुर्घटना में कोयला लदे बाइक सवार की मौत, जांच में जुटे पुलिस

साहिबगंज। जिले के राजमहल थाना क्षेत्र में सड़क दुर्घटना में कोयला लदे बाइक सवार की मौत हो गई मिली जानकारी के अनुसार कर्बला गांव स्थित रॉयल भट्टा रोड के समीप गुरुवार कि अहले सुबह सड़क हादसे में एक व्यक्ति की दर्दनाक मौत हो गई। ये हादसा कैसे हुआ ये पता नहीं चल पाया है। बताया जा रहा है कि यह घटना सुबह की है। सुबह एक जोरदार आवाज सुनाई देने के दरमियान आसपास के ग्रामीणों द्वारा सड़क किनारे पर आकर देखा तो एक युवक कोयले से लदे बाइक के अंदर दबा हुआ सड़क किनारे खेत में पड़ा था, स्थानीय लोगों ने दबे हुए युवक को निकालने और उसकी जान बचाने का हरसंभव प्रयास किया, लेकिन ग़मीर रूप से घायल होने के कारण बाइक सवार युवक की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई।ग्रामीणों ने इसकी खबर राजमहल पुलिस को दी गई।घटना की सूचना मिलते ही राजमहल थाना पुलिस दल-बल के साथ मौके पर पहुंच शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के हेतु अनुमंडलीय अस्पताल, राजमहल भेज दिया है।बताया जा रहा है कि मृतक की पहचान 31 वर्षीय मनोज मंडल के रूप में हुई है, जो गोड्डा जिला के बोआईरिजोर छोटा डोरमा तलबड़िया गांव का रहने वाला है। इस घटना के खबर मिलते ही मृतक के परिजनों का रो रो कर बुरा हाल है,तो मृतक के गांव में मातम पसरा हुआ है।खबर लिखे जाने तक राजमहल थाना प्रभारी हसनैन अंसारी मामले की जांच पड़ताल में जुड़ गए हैं परिजनों द्वारा आवेदन पर आगे कि जांच प्रक्रिया की जाएगी। बरहाल युवक के शव को कब्जे में लेते हुए।पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया पुलिस मामले की जांच पड़ताल में जुटी है|

विद्यार्थी कठोर अनुशासन और पूर्ण ईमानदारी से शिक्षा ग्रहण करें-डॉ सुरेंद्र

साहिबगंज।संविधान के 75 वें वर्षगांठ के अवसर पर संस्कार भारती द्वारा स्थानीय सरस्वती शिशु मंदिर में आयोजित चित्रांकन प्रतियोगिता मैं विजेताओं को पुरस्कृत किया गया।विजेताओं को पुरस्कृत करते हुए आरएसएस के जिला संपर्क प्रमुख डॉ सुरेंद्रनाथ तिवारी और संस्कार भारती के संरक्षक भावेश ठाकुर ने कहा कि बच्चों की छुपी हुई प्रतिभा को सामने लाने का एक छोटा प्रयास संस्कार भारती कर रही है।सुरेंद्रनाथ तिवारी ने कहा कि कठोर अनुशासन,मेहनत,ईमानदारी और गुरु का सम्मान करते हुए आप अपने जीवन को श्रेष्ठ बना सकते हैं।इस चितवनकान प्रतियोगिता में प्रथम स्थान श्रेया कुमारी,द्वितीय स्थान प्रतीक कुमार,तृतीय स्थान,दुर्गा कुमारी और सात बच्चों को सांत्वना पुरूस्कार दिया गया।इस अवसर पर सरस्वती शिशु मंदिर के प्रधानाचार्य सुनील कुमार पंडित अध्यक्ष सत्यजीत कृष्णा,संरक्षक भावेश ठाकुर,जिला मंत्री डॉ ममता विद्यार्थी सह मंत्री शालिनी गुप्ता,शिक्षा प्रमुख,श्वेता दत्ता गुंजा,चैताली रॉय चौधरी,अर्चना चैटर्जी सहित विद्यालय के सभी कर्मी उपस्थित थे।

सदर अस्पताल के शिशु रोग विशेषज्ञ डॉक्टर आशुतोष कुमार रहे नदारत

लगभग 12:20 तक डॉक्टर नहीं पहुंचे थे अस्पताल

साहिबगंज। साहिबगंज सदर अस्पताल की व्यवस्था लाख कवायद के बाद भी नहीं सुधर रही है। डाक्टर, स्वास्थ कर्मी अक्सर डयूटी पर लेट से आते हैं। गुरुवार को भी 12 बजे तक सदर अस्पताल के ऊपरी तल्ला में शिशु रोग विशेषज्ञ डॉ आशुतोष कुमार नहीं पहुंचे थे। जबकि उस समय तक उनके चेम्बर के बाहर कई लोग अपने अपने बच्चों को डाक्टर से दिखाने का इंतजार कर रहे थे। शिशु रोग विशेषज्ञ के चेम्बर के बाहर मरीजों की लंबी कतार लगी थी। कई लोगों तो बिना शिशु को दिखाई ही वापस बैरन लौट गए.इसके बाद शिशु रोग विशेषज्ञ डाक्टर करीब 12.30 बजे पहुंचे।

नाबालिग को शादी के नियत से बहला फुसलाकर ले जाने के मामले में पुलिस ने आरोपी को किया गिरफ्तार

साहिबगंज।राधानगर थाना क्षेत्र अंतर्गत एक गांव से एक नाबालिग लड़की को शादी की नीयत से बहला-फुसलाकर भगा ले जाने के मामले में पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार कर गुरुवार को न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया है। पुलिस के अनुसार, इस मामले में पीड़िता की मां ने राधानगर थाना में लिखित आवेदन देकर शिकायत दर्ज कराई थी। आवेदन में उन्होंने आरोप लगाया था कि राजमहल थाना क्षेत्र के मानसिंघा गांव निवासी मुर्शाद शेख एवं मुफजूर शेख ने मिलकर उनकी नाबालिग पुत्री को बहला-फुसलाकर अपने साथ भगा लिया है। पीड़िता की मां ने थाना पुलिस से पुत्री की सकुशल बरामदगी की गुहार लगाते हुए आरोपियों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की मांग की थी। शिकायत के आधार पर राधानगर थाना कांड संख्या 26/26 के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने छापेमारी अभियान चलाकर राजमहल थाना क्षेत्र के मानसिंघा गांव निवासी मुर्शाद शेख को गिरफ्तार कर लिया। कागजी प्रक्रिया पूरी करने के बाद गिरफ्तार आरोपी को न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया है।

महेशपुरः गमछानाला पुलिस पोस्ट में एसडीपीओ ने की अपराध गोष्ठी, शांति व्यवस्था के लिए 24 घंटे रहेगी तैनाती

नई सोच एक्सप्रेस

महेशपुर (पाकुड़)। पुलिस प्रशासन ने सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाने के लिए एक नई पहल की है। गुरुवार को एसडीपीओ विजय कुमार ने थाना क्षेत्र के गमछानाला स्थित नवनिर्मित पुलिस पोस्ट की छावनी में मासिक अपराध गोष्ठी आयोजित की। विशेष बात यह रही कि पहाड़ की तराई में पहली बार इस प्रकार की मीटिंग का आयोजन किया गया, जिससे स्थानीय ग्रामीणों में सुरक्षा के प्रति भारी उत्साह देखा गया।

गमछानाला में अब 24 घंटे पुलिस का पहरा

एसडीपीओ विजय कुमार ने बताया कि गमछानाला में नवनिर्मित पुलिस पोस्ट का निर्माण पहली बार किया गया है। यहां 24 घंटे पुलिसकर्मियों की तैनाती रहेगी, जिसका सीधा उद्देश्य क्षेत्र में शांति व्यवस्था बनाए रखना और अपराधियों पर नकेल कसना है।

लंबित कांडों के त्वरित निष्पादन का निर्देश

अपराध गोष्ठी के दौरान एसडीपीओ ने बारी-बारी से सभी थानों के लंबित कांडों, यूडी (अप्राकृतिक मृत्यु) मामलों और पिछले माह तक के प्रतिवेदित कांडों की विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने सभी थाना प्रभारियों को निर्देश दिया कि इन मामलों का निष्पादन जल्द से जल्द सुनिश्चित करें। साथ ही अंतर्राज्यीय अपराधियों पर विशेष निगरानी रखने और चेक पोस्ट पर सघन गश्ती का आदेश दिया।

त्योहारों को लेकर विशेष कार्ययोजना

आगामी महाशिवरात्रि और होली पर्व को लेकर पुलिस प्रशासन पूरी तरह चौकस है:

महाशिवरात्रिः महेशपुर के बूढ़ा बाबा मंदिर परिसर में लगने वाले मेले में सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम रहेंगे। सभी मंदिरों में पुलिस बल की विशेष तैनाती की जाएगी।

होलीः त्योहार के दौरान अवैध गतिविधियों और हुड़दंगियों पर नजर रखने के लिए दिवा, संध्या और रात्रि गश्ती को अनिवार्य कर दिया गया है।

घर बंद कर बाहर जा रहे हैं, तो पुलिस को बताएं

एसडीपीओ ने चोरी की घटनाओं को रोकने के लिए आम जनता से भी अपील की है। उन्होंने कहाः

पूर्व सूचनाः यदि घर के सभी सदस्य ताला बंद कर बाहर जा रहे हैं, तो महेशपुर थाने को इसकी जानकारी अवश्य दें ताकि पुलिस वहां नियमित गश्ती कर सके।

संदिग्धों की सूचनाः देर रात मोहल्ले में किसी भी अनजान व्यक्ति के दिखने पर तुरंत पुलिस को सूचित करें।

बैठक में मौजूद अधिकारी

इस महत्वपूर्ण बैठक में महेशपुर पुलिस निरीक्षक प्रयाग दास, अमड़ापाड़ा थाना प्रभारी मदन कुमार शर्मा, महेशपुर थाना प्रभारी रवि शर्मा, रद्दीपुर ओपी प्रभारी अजय कुमार उपाध्याय और पाकुड़िया थाने के एसआई नागेंद्र कुमार मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

» पहली बार पहाड़ की तराई में क्राइम मीटिंग, महाशिवरात्रि और होली को लेकर अलर्ट पर पुलिस

संकल्प प्रदेश कार्यकारणी की बैठक रांची मे

नई सोच एक्सप्रेस

साहिबगंज।संकल्प के साथ संगठन को मज़बूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम झारखंड युवा कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष कुमार गौरव की अध्यक्षता में प्रदेश कार्यकारिणी बैठक का आयोजन हुआ।इस बैठक मे साहिबगंज से डॉ०सद्दाम हुसैन,साहिबगंज युवा कांग्रेस जिला अध्यक्ष तनवीर राजा,पाकुड़ युवा कांग्रेस जिला अध्यक्ष बेलाल शेख,राजमहल विधानसभा अध्यक्ष कौसर आलम,आबदार खान अन्य साथी साहेबगंज पाकुड़ जिले से कार्यक्रम में शामिल रहे।इस अवसर पर अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी झारखण्ड प्रभारी के राजू,सह-प्रभारी डॉ.श्रीवेला प्रसाद एवं भूपेंद्र मरावी,प्रदेश अध्यक्ष केशव महतो कमलेश,विधायक दल के नेता प्रदीप यादव,प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष बंधु तिर्की,ग्रामीण विकास मंत्री दीपिका पांडे सिंह,युवा कांग्रेस के राष्ट्रीय प्रभारी मनीष शर्मा,राष्ट्रीय अध्यक्ष उदय भानू चिब,झारखण्ड प्रदेश प्रभारी नवनीत कौर साथ ही झारखंड प्रदेश कांग्रेस के कई मंत्री,विधायक वरिष्ठ कांग्रेसी नेता गण उपस्थिति थे।बैठक में विशेष मार्गदर्शन प्रदान किया।बैठक मे युवा शक्ति,संगठन और संघर्ष के संकल्प के साथ आगे बढ़ता झारखंड पर चर्चा किया गया।

झामुमो प्रखंड अध्यक्ष सह प्रमुख बर्नार्ड मरांडी ने फीता काटकर 9 दिवसीय यज्ञ की शुरुआत

नई सोच एक्सप्रेस

बरहेट।प्रखंड क्षेत्र के पंचकठिया बाजार पंचायत अंतर्गत रक्सी गांव में गुरुवार को 9 दिवसीय श्रीश्री 1008 महारुद्र यज्ञ के शुभारंभ के अवसर पर भव्य कलश शोभायात्रा निकाली गयी। इसके पूर्व अतिथि झामुमो प्रखंड अध्यक्ष सह प्रमुख बर्नार्ड मरांडी,एस आई विजय रमानी,बिट्टू साह,लड्डू भगत,नागराज साह,यज्ञ कमेटी अध्यक्ष प्रेम प्रकाश पंडित ने मंत्र उच्चारण के साथ फीत काटकर उद्घाटन किया.शोभायात्रा में 1001कुमारी कन्याएं और महिलाएं कलश लेकर शामिल हुईं।शोभायात्रा में श्रद्धालुओं की लंबी कतारें देखने को मिली जय श्रीराम,जय बजरंगबली,हर-हर महादेव, बम-बम भोलेनाथ के उदघोष से पूरा क्षेत्र भक्तिमय हो गया।यहां पर अयोध्या से पधारे यज्ञाचार्य पंडित बाल संत त्यागी महाराज उनके सहयोगियों पंडितों द्वारा वैदिक मंत्रोच्चार के साथ पूजा अर्चना कराया।पूजा कर शोभायात्रा यज्ञ स्थल रक्सी से शुरू होकर बरहेट बोरियो मुख्य सड़क पंचकटिया बाजार मार्ग होते हुए बाबूपुर शांति नगर,सिंगा होते हुए थाना समीप गुमानी नदी घाट पहुंची,जहां विद्वान पंडित के द्वारा वैदिक मंत्रोच्चार के साथ कलश में जल भरा गया।इसके बाद शोभायात्रा पुनःयज्ञ स्थल पर पहुंची. शोभायात्रा के दौरान भगवान की झांकी रथ पर सजायी गयी थी.श्रद्धालु गाजे-बाजे के साथ जयकारे लगाते हुए झूमते नजर आये.जगह-जगह लोगों ने पुष्पवर्षा कर शोभायात्रा का स्वागत किया.यज्ञ स्थल पर पहुंचने के बाद पंडितों ने वैदिक मंत्रोच्चारण के बीच कलशों की स्थापना करायी और अखंड रामधुन की शुरुआत की गयी.झामुमो प्रखंड अध्यक्ष सह प्रमुख बर्नार्ड मरांडी ने कहा कि यज्ञ के आयोजन से लोगों में सर्वात्मका ऊर्जा का संचार होता है, इसके साथ-साथ भाईचारे का भाव और एकता मिलती है.यज्ञ से मानव जीवन में सुख शांति और भगवान का आशीर्वाद प्राप्त होता है।मौके पर झामुमो सक्रिय कार्यकर्ता समदा सोरेन,समाजसेवी राजू साह,देवाशीष पांडे,यज्ञ कमेटी के सदस्य बिरेन साह,राजू साह,जितेन,संतोष,सूरज जायसवाल,विकाश,कृष्णा,शिव कुमार , अन्य मौजूद थे।

डीएवी पब्लिक स्कूल मुनीडीह में कक्षा 12वीं का विदाई समारोह हर्षोल्लास के साथ सम्पन्न

नई सोच एक्सप्रेस

मुनीडीह।डीएवी पब्लिक स्कूल मुनीडीह में गुरुवार को कक्षा 12वीं के विद्यार्थियों के लिए विदाई समारोह महान कर्मयोगी एन. डी. ग्रोवर सभागार में भव्य रूप से आयोजित किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत विद्यालय की प्राचार्या इंदु प्रसाद की उपस्थिति में हवन-पूजन से हुई, जिसमें श्री एच. के. शास्त्री ने विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य और समृद्ध जीवन की कामना की। इस अवसर पर सेवानिवृत्त संस्कृत आचार्या कविता श्रीवास्तव अपने परिवार सहित मौजूद रहीं। इसके पश्चात कक्षा 11वीं के प्रतिनिधि छात्र-छात्राओं ने कक्षा 12वीं के विद्यार्थियों का स्वागत करते हुए समारोह का औपचारिक शुभारंभ किया। कार्यक्रम की पहली प्रस्तुति 11वीं की छात्राओं द्वारा सामूहिक नृत्य गीत "आओ शुभ दिन आज आओ" रही, जिसने माहौल को उल्लासपूर्ण बना दिया। इसके बाद मधुर गीतों और नृत्य प्रस्तुतियों ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। वरिष्ठ शिक्षक एम. पी. सिंह ने अपने संबोधन में कविता श्रीवास्तव के योगदान की सराहना करते हुए 12वीं के विद्यार्थियों को ईमानदारी, जिम्मेदारी और विनम्रता के साथ आगे बढ़ने का संदेश दिया। आस्था सिंह एवं उनके साथियों द्वारा फिल्मी गीत "ऑल इज़ वेल" पर आधारित नृत्य प्रस्तुति कार्यक्रम का प्रमुख आकर्षण रही। वहीं अनुप्रिया चंद्रवंशी और साहिल के प्रेरक भाषणों ने सभी को प्रभावित किया। मनोरंजन के लिए म्यूजिकल चेयर प्रतियोगिता का आयोजन भी किया गया, जिसमें छात्रों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। अंतिम चरण में आस्था कुमारी और आयुष ने गीत "अभी न जाओ छोड़ के..." प्रस्तुत कर समां बांध दिया। कार्यक्रम का संचालन कक्षा 11वीं के छात्र-छात्राओं ने संयुक्त रूप से किया। समारोह का समापन प्राचार्या इंदु प्रसाद के प्रेरणादायी संबोधन से हुआ, जिसमें उन्होंने विद्यार्थियों को भविष्य के लिए शुभकामनाएं देते हुए मार्गदर्शन प्रदान किया। इस अवसर पर अरजीत भद्रा को मिस्टर डीएवी और गायत्री कुमारी को मिस डीएवी चुना गया। समारोह में विद्यालय परिवार के सभी सदस्य उपस्थित रहे।

पाकुड़ के ईंट भट्टों में प्रशासन का छापाः बाल श्रम के खिलाफ चलाया गया विशेष जागरूकता अभियान

नई सोच एक्सप्रेस

पाकुड़। जिले में बाल श्रम को जड़ से मिटाने और श्रमिकों को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से श्रम विभाग ने एक बड़ा अभियान छेड़ा है। श्रम अधीक्षक गिरीश चन्द्र प्रसाद के नेतृत्व में सदर प्रखंड के विभिन्न ईंट भट्टों पर सघन निरीक्षण और जागरूकता कार्यक्रम चलाया गया।

इन गांवों के ईंट भट्टों का हुआ निरीक्षण

प्रशासनिक टीम ने सदर प्रखंड के बेलडांगा, पियादापुर, बल्लभपुर, सेजा, रामचन्द्रपुर, कशीला एवं नरोत्तमपुर स्थित ईंट भट्टों का दौरा किया। इस दौरान टीम ने कार्यस्थल पर मौजूद श्रमिकों की आयु की जांच की और संचालकों को बाल श्रम से जुड़े कड़े कानूनों की जानकारी दी।

कानून का उल्लंघन पड़ेगा महंगाः जुर्माना और जेल का प्रावधान

निरीक्षण के दौरान श्रम अधीक्षक ने भट्टा संचालकों को स्पष्ट चेतावनी देते हुए कहा कि किसी भी परिस्थिति में 14 वर्ष से कम उम्र के बच्चों को काम पर रखना अपराध है। उन्होंने कानूनों का विवरण देते हुए बतायाः

आयु सीमाः 14 वर्ष से कम के बच्चों का नियोजन पूर्णतः प्रतिबंधित है। साथ ही, 14 से 18 वर्ष के किशोरों को ईंट भट्टों जैसे जोखिमपूर्ण कार्यों में नहीं लगाया जा सकता।

सजा का प्रावधानः बाल श्रम कानून का उल्लंघन करने पर नियोजकों को 20 हजार से 50 हजार रुपये तक का जुर्माना भरना पड़ सकता है।

कारावासः गंभीर मामलों में 6 माह से लेकर 2 वर्ष तक की जेल या जुर्माना और जेल दोनों हो सकते हैं।

"बाल श्रम बच्चों के भविष्य और समाज के विकास में सबसे बड़ी बाधा है। हमारा उद्देश्य केवल जुर्माना लगाना नहीं, बल्कि बच्चों को शिक्षा की मुख्यधारा से जोड़ना है। प्रशासन नियमित रूप से ऐसे औचक निरीक्षण जारी रखेगा।" — गिरीश चन्द्र प्रसाद, श्रम अधीक्षक

जागरूकता पर विशेष बल

» ईंट भट्टा संचालकों को सख्त चेतावनी, नियमों के उल्लंघन पर होगी जेल और भारी जुर्माना

अभियान के दौरान श्रम प्रवर्तन पदाधिकारी (सदर) अनुप्रिया सोरेन ने श्रमिकों को बताया कि वे अपने बच्चों को काम पर लगाने के बजाय स्कूलों में भेजें। टीम ने संचालकों को निर्देशित किया कि वे अपने कार्यस्थल पर 'बाल श्रम निषेध' से संबंधित बोर्ड लगाएं और पारदर्शी तरीके से श्रमिकों का रिकॉर्ड रखें।इस अभियान में श्रम विभाग के अन्य कर्मी भी उपस्थित थे, जिन्होंने ईंट भट्टों पर कार्यरत प्रवासी श्रमिकों की समस्याओं को भी सुना और उन्हें श्रम कानूनों के प्रति सजग किया।

पाकुड़ः निकाय चुनाव को लेकर प्रशासन मुस्तैद, एसएसटी टीम ने गोकुलपुर में चलाया सघन चेकिंग अभियान

नई सोच एक्सप्रेस

पाकुड़।नगर निकाय चुनाव को शांतिपूर्ण, निष्पक्ष और पारदर्शी तरीके से संपन्न कराने के लिए जिला प्रशासन पूरी तरह से सतर्क मोड में है। चुनाव की घोषणा के बाद से ही जिले के संवेदनशील इलाकों और प्रवेश द्वारों पर सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है। इसी क्रम में गुरुवार को फ्लाइंग स्टैटिक सर्विलांस टीम (SST) ने जिले के गोकुलपुर के समीप सघन वाहन जांच अभियान चलाया।

डिक्की और कागजातों की हुई बारीकी से तलाशी

दंडाधिकारी राजेश कुमार साहा के नेतृत्व में एसएसटी की प्रथम टीम ने सड़क से गुजरने वाले हर छोटे-बड़े वाहन की तलाशी ली। इस दौरान दोपहिया और चारपहिया वाहनों को रोककर उनकी डिक्की, सीट के नीचे और अन्य संदिग्ध हिस्सों की गहनता से जांच की गई। सुरक्षा बलों ने न केवल वाहनों की तलाशी ली, बल्कि चालकों से उनके पहचान पत्र और वाहन से संबंधित वैध कागजातों की भी मांग की।

अवैध नकदी और शराब पर प्रशासन की पैनी नजर

जांच अभियान का नेतृत्व कर रहे दंडाधिकारी राजेश कुमार साहा ने बताया कि नगर निकाय चुनाव के दौरान मतदाताओं को लुभाने के लिए अवैध नकदी, शराब या अन्य उपहारों के परिवहन की संभावना बनी रहती है। **उन्होंने कहाः**

"प्रशासन का मुख्य उद्देश्य चुनाव को धनबल और बाहुबल से मुक्त रखना है। हम यह सुनिश्चित कर रहे हैं कि जिले में किसी भी प्रकार की आपत्तिजनक सामग्री का प्रवेश न हो सके। नियमित अंतराल पर अलग-अलग स्थानों पर इसी तरह की सरप्राइज चेकिंग जारी रहेगी।"

अब तक नहीं मिली कोई आपत्तिजनक सामग्री

राहत की बात यह रही कि गुरुवार को हुई घंटों की लंबी जांच के दौरान किसी भी वाहन से अवैध नकदी या प्रतिबंधित सामग्री बरामद नहीं हुई है। दंडाधिकारी ने स्पष्ट किया कि हालांकि अब तक की जांच में सब कुछ सामान्य पाया गया है, लेकिन इसका अर्थ यह नहीं कि ढिलाई बरती जाएगी।

प्रशासन की अपीलः जिला प्रशासन ने आम नागरिकों से अपील की है कि वे जांच के दौरान सुरक्षा कर्मियों का सहयोग करें। साथ ही, यदि कोई व्यक्ति बड़ी मात्रा में नकदी लेकर यात्रा कर रहा है, तो वह उससे संबंधित वैध दस्तावेज अपने साथ जरूर रखें, ताकि किसी भी प्रकार की असुविधा से बचा जा सके।

» निष्पक्ष और शांतिपूर्ण मतदान के लिए प्रशासन सख्त, सघन वाहन जांच अभियान जारी

नवजात शिशु को लेकर मां ने जमीन पर कराया इलाज

नई सोच एक्सप्रेस

साहिबगंज।सदर अस्पताल में चिकित्सा व्यवस्था में लापरवाही थमने का नाम ही नहीं ले रहा है. अस्पताल में मरीज का जमीन पर इलाज करना पड़ रहा है जमीन पर मरीज का इलाज करने के क्रम में संक्रमण का खतरा भी लगा रहता है ताजा मामला गुरुवार की है.जहां सदर अस्पताल की ऊपरी तल्ला में नवजात शिशु के साथ महिला को जमीन पर इलाज करना पड़ रहा है. जहाँ तालझारी थाना क्षेत्र अंतर्गत सुखसेना बालापोखर निवासी गौतम मंडल की पत्नी 20 वर्षीय चांदनी देवी ने एक शिशु को जन्म दिया अपने घर चानन गांव में वही गुरुवार की सुबह उनकी तबीयत खराब हो गई और हालात बिगड़ गई सुबह जब शिशु को लेकर अस्पताल आई तो बेड के लिए दर-दर भटक रहे थे उसे बेड तक नसीब नहीं हुआ. चांदनी देवी के पति गौतम मंडल ने बताया कि कई बार सिस्टर से एक बेड मांगा लेकिन मुझे कहने लगी खाली नहीं है. मजबूर होकर मुझे जमीन पर ही मेरी पत्नी अपनी नवजात शिशु को लेकर जमीन पर ही इलाज करना पड़ रहा है जिससे मरीज वह उनके परिजनों को काफी परेशानी हुई |

संक्षिप्त समाचार

तमिलनाडु के मंत्री पन्नीरसेल्वम के कुंठा का ईलाज नहीं : अशोक

पटना। तमिलनाडु के कृषि मंत्री एमआरके पनीरसेल्वम के विवादित बयान पर बिहार सरकार के मंत्री अशोक चौधरी ने पलटवार किया है। जिसमें उन्होंने कहा था की उत्तर के लोग तमिलनाडु में टेबल साफ करने आ रहे हैं। वे यहां मजदूरी, पानी पूरी बेचने आते हैं क्योंकि उन्होंने सिर्फ हिंदी सीखी है। इसके उलट हमारे बच्चे विदेश जाते हैं.क्योंकि हम दो-भाषा नीति का पालन करते हैं और हमने अंग्रेजी अच्छी तरह सीखी है। वे विदेश जा रहे हैं और उन्हें करोड़ों कमाने के अवसर मिल रहे हैं.अशोक चौधरी ने कहा की आपकी कुंठा का ईलाज तो नहीं है टफङ पन्नीरसेल्वम जी, लेकिन आपकी भ्रांतियां अवश्य दूर कर सकता हूं। उन्होंने कहा की यह वही हिंदी भाषी बिहार है जहाँ आर्यभट्ट ने शून्य की खोज की, जहाँ चाणक्य ने राजनीति के सूत्र लिखे, जहाँ सम्राट अशोक ने अहिंसा का संदेश दिया। यह वही धरती है जहाँ नालंदा और विक्रमशिला जैसे विश्वविद्यालयों में दुनियाभर से विद्यार्थी ज्ञान अर्जित करने आते थे। यहीं बापू ने चंपारण में आजादी के लिए पहला सत्याग्रह किया और यहीं से लोकतंत्र की मजबूत नींव रखी गई। यह वही हिंदी भाषी बिहारी था जिसके संपूर्ण क्रांति आंदोलन से सरकारें हिल गई थीं और देश की दिशा बदल गई।अशोक चौधरी ने कहा की आज भी यहाँ के बच्चे वढरउ, कअर, कढर जैसी परीक्षाओं में देश में शीर्ष स्थान प्राप्त करते हैं। ककळ, अककटर और देश-विदेश के प्रतिष्ठित संस्थानों में बिहार के युवा अपनी प्रतिभा का लोहा मनवा रहे हैं। मुझे नहीं पता आप किन हिंदी भाषियों की बात कर रहे हैं, लेकिन अगर आपकी बात सच भी है तो यह हम बिहारवासियों के लिए गर्व की बात है कि इसी हिंदी भाषी धरती पर जन्मे नेताओं ने देश को बालिका शिक्षा, महिला सशक्तिकरण और विकास की नई राह दिखाई है।मंत्री ने कहा की आपको भले ही हिंदी और हिंदी भाषियों से परेशानी हो, लेकिन हमारे लिए यह गर्व का विषय है कि हमारे मेहनतकश कर्मयोगी अपने श्रम से न केवल अपने परिवार बल्कि पूरे देश की अर्थव्यवस्था को गति दे रहे हैं। हर क्षेत्र में - चाहे वो विज्ञान हो, प्रशासन हो, उद्योग हो या कला - बिहार के लोगों ने अपनी योग्यता सिद्ध की है। हमारी भाषा और हमारे लोगों पर प्रश्न उठाने से बेहतर होगा कि आप अपने प्रदेश और लोगों की बेहतरी पर ध्यान दें। इतिहास गवाह है कि भाषा और संस्कृति पर कटाक्ष करने वालों को समाज ने कभी स्वीकार नहीं किया। एकता और सम्मान से ही देश आगे बढ़ता है, विभाजनकारी सोच से नहीं।

चैम्बर ने बिहार विद्युत विनियामक आयोग द्वारा आयोजित जन-सुनवाई में भाग लेकर वित्तीय वर्ष

पटना। बिहार चैम्बर ऑफ कॉमर्स एण्ड इण्डस्ट्रीज ने बिहार विद्युत विनियामक आयोग द्वारा आयोग के कोर्टरूम में आयोजित जन-सुनवाई में भाग लेकर चैम्बर की ओर से आपत्ति दर्ज कराते हुए वित्तीय वर्ष 2026-2027 के विद्युत दरों में कोई वृद्धि नहीं किए जाने का अनुरोध किया । चैम्बर अध्यक्ष पीके अग्रवाल ने बताया कि बिजली कंपनियों ने बिहार विद्युत विनियामक आयोग को वित्तीय वर्ष 2026-2027 में विद्युत दरों में 35 पैसा प्रति यूनिट बिजली की दर बढ़ाने का प्रस्ताव दिया था । उक्त आलोक में आयोग ने 12 जनवरी को बेगूसराय, 19 जनवरी को गया में एवं आज 5 फरवरी 2026 को पटना में राज्य के विभिन्न संगठनों एवं विद्युत उपभोक्ताओं का मंतव्य जानने के लिए जन-सुनवाई का आयोजन किया जिसमें चैम्बर की ओर से ए0 के0 पी0 सिन्हा भाग लिए । जन-सुनवाई में चैम्बर की ओर से लिखित एवं मौखिक तर्क दिया गया कि क्यों नहीं बिजली की दर बढ़ना चाहिए । आयोग को बताया गया कि - दो साल पहले डिमांड चार्ज एवं फिक्सड चार्ज को दुगना किया गया था और विद्युत की दरें भी बढ़ी इस कारण बिजली कंपनियाँ अच्छे मुनाफा में है । सरपलस हो रहा है इसलिए विद्युत की दरें कम करनी चाहिए न कि विद्युत दरें बढ़े, बिजली कंपनियों का ट्रांसमिशन एंड डिस्ट्रीब्यूशन लॉस भी कम होकर 11.46% आ गया है इसलिए 35 पैसा प्रति यूनिट दर को बढ़ाना उचित प्रतीत नहीं होती है । उद्योगों के लिए यहाँ का विद्युत दर बहुत अधिक है । अधिक उर्जा खपत करनेवाले झारखंड में डीवीसी लाइन लेकर चलाते हैं अतः यहाँ भी अधिक उर्जा खपत वाले उद्योगों को डीवीसी के बराबर टैरिफ करना चाहिए जिससे कि यहाँ भी अधिक उर्जा खपत वाले उद्योग लग सके ।श्री अग्रवाल ने बताया कि अधिक उर्जा खपत वाले उद्योगों को उत्साहित करने के लिए लोड फैक्टर रिबेट के रूप में अन्य इनसेंटीव देना चाहिए इससे लागत कम होने से अधिक उर्जा खपतवाले उद्योग आएंगे और राज्य का विकास होगा । ऑन लाइन पेमेंट पर पहले 1% फलैट रिबेट दिया जाता था लेकिन पिछले साल से इस पर कैप लगाकर 50000/- कर दिया गया है । इसके कारण जो बड़े-बड़े उपभोक्ता हैं जिन्हें पहले 1% रिबेट मिलता था कैप लगने से उनका रिबेट प्रतिशत बहुत कम हो जाता है जो उचित नहीं है । इसे पहले की भांति ही वगैर कैप के 1% किया जाना चाहिए । एचटीएसएस उपभोक्ता को 33000 वोल्ट सप्लाई पर चलाते हैं और 15000 केवीए तक लोड ले सकते हैं । इससे उपर का लोड होने पर उन्हें 132केवीए सप्लाई में जाना पड़ता है और चेंज कराने का खर्च बहुत अधिक है इसलिए जो वर्तमान एचटीएसएस उपभोक्ता यदि लोड बढ़ाना चाहते हैं तो उनके लिए 15000 वोल्ट की सीमा को बढ़ाकर 20000 तक कर देना चाहिए । सभी एचटी उपभोक्ता के लिए फिक्सड चार्ज असल में सप्लाई किए गए घंटों के हिसाब से होना चाहिए 11 केवी उपभोक्ताओं के लिए यह बहुत जरूरी है । पटना या अन्य शहरों में एक जोन बनाया जाए जहाँ पर 24७7 विद्युत की आपूर्ति सुनिश्चित कराया जाना चाहिए । इससे वैसी संस्था जिन्हें बिना रूकावट के बिजली चाहिए मॉडर्न सर्विसेज यूनिट्स आएंगी

आरटीई के तहत कक्षा एक में नामांकन की तिथि 15 तक बढ़ी

पटना। शिक्षा अधिकार अधिनियम (आरटीई) के अंतर्गत निजी विद्यालयों में कक्षा-1 में नामांकन हेतु ऑनलाइन पंजीयन की अंतिम तिथि बढ़ाकर अब 15 फरवरी कर दी गई है। पूर्व में यह तिथि 31 जनवरी निर्धारित थी। अभिभावक अब ज्ञानदीप पोर्टल पर 15 फरवरी तक आवेदन कर सकेंगे।नव निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार प्राप्त आवेदनों का सत्यापन 18 फरवरी तक किया जाएगा, जबकि 23 फरवरी को सत्यापित विद्यार्थियों का ऑनलाइन विद्यालय आवंटन किया जाएगा। चयनित विद्यार्थियों का संबंधित विद्यालयों में नामांकन 24 फरवरी से 10 मार्च तक कराया जाएगा।शिक्षा विभाग ने सभी अभिभावकों से निर्धारित अवधि के भीतर पंजीयन कराने तथा बच्चों को निःशुल्क एवं अनिवार्य शिक्षा के इस अवसर का लाभ दिलाने की अपील की है।

नगरपालिका आम निर्वाचनः सेक्टर और पुलिस पदाधिकारियों को दिया गया गहन प्रशिक्षण

जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने शांतिपूर्ण और पारदर्शी चुनाव के लिए दिए कड़े निर्देश

नई सोच एक्सप्रेस

पाकुड़। नगरपालिका आम निर्वाचन को शांतिपूर्ण, निष्पक्ष और पारदर्शी तरीके से संपन्न कराने के लिए जिला प्रशासन ने कमर कस ली है। इसी कड़ी में समाहरणालय सभागार में जिला निर्वाचन पदाधिकारी (नगरपालिका) सह उपायुक्त मनीष कुमार की अध्यक्षता में सेक्टर मजिस्ट्रेट एवं पुलिस पदाधिकारियों के लिए एक महत्वपूर्ण प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया।

मतपेटिका संचालन का व्यावहारिक प्रशिक्षण:प्रशिक्षण के दौरान मास्टर ट्रेनर्स ने निर्वाचन से जुड़ी बारीकियों और पदाधिकारियों के उत्तरदायित्वों पर विस्तृत प्रकाश डाला। विशेष रूप से, सभी अधिकारियों को मतपेटिका (Ballot Box) खोलने और बंद करने की तकनीकी प्रक्रिया का व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया गया, ताकि मतदान के दिन किसी भी प्रकार की तकनीकी त्रुटि न हो।

संवेदनशील क्षेत्रों पर पैनी नजर रखने के निर्देश

उपायुक्त मनीष कुमार ने पदाधिकारियों को संबोधित करते हुए कहा कि निर्वाचन प्रक्रिया की सफलता सेक्टर और पुलिस अधिकारियों की तत्परता पर निर्भर करती है। उन्होंने निम्नलिखित मुख्य बिंदुओं पर विशेष जोर दियाः

भौतिक निरीक्षण: मतदान से पूर्व केंद्रों तक पहुँचने वाले मार्गों, मूलभूत सुविधाओं और संचार व्यवस्था की जांच सुनिश्चित की जाए।

आदर्श आचार संहिता: अनधिकृत प्रचार, सरकारी संसाधनों के दुरुपयोग और संपत्ति विरूपण जैसे मामलों पर सख्त निगरानी रखें।

सुरक्षा और विश्वास: संवेदनशील क्षेत्रों में नियमित भ्रमण कर मतदाताओं में विश्वास जगाएं। यदि कहीं से धमकी या दबाव की सूचना मिले, तो तुरंत जिला निर्वाचन पदाधिकारी को सूचित करें।

रिपोर्टिंग: मतदान के दिन हर गतिविधि, सुरक्षा व्यवस्था और मतदान प्रतिशत की नियमित रिपोर्टिंग नियंत्रण कक्ष को दी जानी चाहिए।

"मतदाताओं को मतदान केंद्र और हेल्पलाइन की जानकारी उपलब्ध कराना हमारी प्राथमिकता है। सभी अधिकारी सुनिश्चित करें कि हर नागरिक निर्भीक होकर अपने मताधिकार का प्रयोग कर सके।" — मनीष कुमार, जिला निर्वाचन पदाधिकारी

अधिकारियों की उपस्थिति:इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में स्थापना उप समाहर्ता त्रिभुवन कुमार सिंह, जिला क्रीड़ा पदाधिकारी सह प्रभारी पदाधिकारी (प्रशिक्षण कोषांग) राहुल कुमार सहित जिले के सभी सेक्टर पदाधिकारी और पुलिस अधिकारी मुख्य रूप से उपस्थित थे। अंत में, उपायुक्त ने स्पष्ट किया कि मतदान समाप्ति के बाद मतपेटिकाओं की सीलिंग और आवश्यक प्रपत्रों को समय पर जमा करना अनिवार्य होगा।

मेधा का परचमः यूजीसी नेट-जेआरएफ में मोहम्मद अफराहीम ने हासिल की ऑल इंडिया रैंक-1

नई सोच एक्सप्रेस

पाकुड़। देश की सबसे प्रतिष्ठित परीक्षाओं में से एक 'यूजीसी नेट-जेआरएफ' (UGC NET-JRF) के परिणामों में पाकुड़ के मोहम्मद अफराहीम उर्फ चांद ने अपनी सफलता से पूरे देश का ध्यान खींचा है। अफराहीम ने न केवल इस कठिन परीक्षा को उत्तीर्ण किया, बल्कि राजनीति विज्ञान (Political Science) विषय में 100 परसेंटाइल के साथ पूरे भारत में प्रथम स्थान (All India Rank 1) प्राप्त कर जिले और राज्य का नाम रोशन किया है। सर्वाधिक अंकों के साथ बनाया रिकॉर्ड अफ्राहिम की यह जीत इसलिए भी खास है क्योंकि उन्होंने राजनीति विज्ञान जैसे विषय में 274 अंक अर्जित किए हैं, जो देश भर के अभ्यर्थियों में सर्वाधिक अंकों में से एक है। इस वर्ष राजनीति विज्ञान में

कुल 88,529 छात्रों ने पंजीकरण कराया था, जिनमें से 63,468 छात्र परीक्षा में शामिल हुए थे। इन हजारों मेधावियों को पीछे छोड़ते हुए अफराहीम ने शीर्ष स्थान पर कब्जा जमाया। परिवार में जश्न का माहौल इस ऐतिहासिक सफलता के बाद अफराहीम के घर पर बधाई देने वालों का तांता लगा हुआ है। पिता मो. आसीम ईमाम और माता आशमा परवीन अपनी संतान की

» पाकुड़ के लाल मोहम्मद अफराहीम ने रचा इतिहास, राजनीति विज्ञान में बने देश के नंबर वन अभ्यर्थी

इस उपलब्धि पर फूले नहीं समा रहे हैं। बड़ी बहन जेबा ईमाम अनवर, सबा ईमाम, मामा पत्रकार राणा मकसूद सहित परिवार के तमाम सदस्यों ने इसे अफराहीम की कड़ी मेहनत और खुदा की इबादत का फल बताया है।**अगला लक्ष्य**: यूपीएससी के जरिए देश सेवा अपनी सफलता पर बात करते हुए अफराहीम ने कहा, "यह परिणाम मेरे जीवन का सबसे अहम मोड़ है। जेआरएफ मिलने से अब पीएचडी और अनुसंधान (Research) का रास्ता साफ हो गया है, लेकिन मेरा अंतिम लक्ष्य सिविल सर्विसेज (UPSC) परीक्षा पास करना है।" उन्होंने अपनी सफलता का श्रेय माता-पिता की दुआओं, गुरुजनों के मार्गदर्शन और निरंतर परिश्रम को दिया। "मुझे अपनी मेहनत पर पूरा भरोसा है। जेआरएफ की सफलता ने मेरा आत्मविश्वास बढ़ाया है और अब मैं दोगुनी ऊर्जा के साथ यूपीएससी की तैयारी में जुट जाऊंगा।"— मोहम्मद अफराहीम (AIR-1, राजनीति विज्ञान) अफ्राहिम की इस कामयाबी ने पाकुड़ के अन्य युवाओं के लिए भी प्रेरणा का स्रोत पेश किया है, यह साबित करते हुए कि छोटे शहरों के विद्यार्थी भी अपनी प्रतिभा के दम पर राष्ट्रीय पटल पर शीर्ष स्थान हासिल कर सकते हैं।

विश्व हिन्दू कल्याण फाउंडेशन के सचिव ने दारू थाना प्रभारी मोहम्मद इकबाल हुसैन से किया शिष्टाचार मुलाक़ात

नई सोच एक्सप्रेस

दारु।विश्व हिन्दु कल्याण फाउंडेशन के सचिव बैजनाथ साव ने दारु थाना प्रभारी इक़बाल हुसैन से शिष्टाचार भेंट की। इस अवसर पर बैजनाथ साव ने थाना प्रभारी को उनके संस्था द्वारा किये जा रहे जनकल्याण कार्यो के संबंध विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने थाना प्रभारी से सहयोग मांगा। थाना प्रभारी ने संगठन के द्वारा किये जा रहे कार्यो की सराहना करते हुए उन्हे हर संभव सहयोग देने का आश्वाशन दिया।श्री साव ने बताया कि उनके संस्था का जरुरतमंदों खासकर बेटियों की शादी, बीमार के इलाज में हरसंभव मदद दिया जाना प्रमुख कार्यो में प्राथमिकता के आधार पर शामिल है।

सीए बरहरवा ने 18 रन से हासिल की जीत,सीनियर क्रिकेट लीग टूर्नामेंट

नई सोच एक्सप्रेस

साहिबगंज।ज़िला क्रिकेट संघ के तत्वाधान में सिदो-कान्हू स्टेडियम में चल रहे सीनियर क्रिकेट लीग टूर्नामेंट के तहत गुरुवार को सीए बरहरवा व माही ब्लू के बीच मैच खेला गया। सीए बरहरवा ने टॉस जीत कर पहले बल्लेबाजी करते हुए 18 ओवर में 9 विकेट पर 144 रन बनाया। ललित नारायण मंडल ने 42, ईशु डोकानिया ने 26, मो जुनैद रेजा ने 25 रन की पारी खेली। माही ब्लू के गेंदबाज हसीबुल इस्लाम ने 3 व मयंक राज ने 5 विकेट लिए। जवाब में बल्लेबाजी करने उतरी माही ब्लू की टीम 25.3 ओवर में 126 रन बना कर ऑल आउट हो गई। सोहैल शेख ने 27 व अमन कुमार ने नाबाद 38 रन की पारी खेली। सीए बरहरवा के

गेंदबाज पीयूष गुप्ता ने 3 व सन्नी, सरताज व कृष ने 2-2 विकेट लिए। सीए बरहरवा ने 18 रन से जीत हासिल की। सीए बरहरवा के खिलाड़ी पीयूष को मैन ऑफ दी मैच घोषित किया गया। मुख्य अतिथि ज़िला क्रिकेट संघ सचिव अंकुर सिन्हा ने पीयूष को मैन ऑफ दी मैच की ट्रॉफी से पुरस्कृत किया। मैच में अंपायरिंग हयातुल्लाह व तारिक अनवर ने किया। जबकि स्कोरिंग श्याम रंजन ने किया। मौके पर टूर्नामेंट इंचार्ज मो अशफाक आलम सहित अन्य मौजूद थे। टूर्नामेंट इंचार्ज मो अशफाक आलम ने बताया कि शुक्रवार को माही येलो बनाम नेताजी क्रिकेट क्लब बी के बीच मैच खेला जाएगा।

ममता सरकार के अन्याय के आगे कर्मचारियों के न्याय की जीत ऐतिहासिकः मंगल पांडेय

नई सोच एक्सप्रेस

पटना। बिहार के स्वास्थ्य व विधि मंत्री तथा पश्चिम बंगाल भाजपा प्रभारी मंगल पांडेय ने ममता सरकार पर अपने कर्मचारियों के दमन व शोषण का आरोप लगाते हुए कहा कि पश्चिम बंगाल सरकार और उनके कर्मचारियों के बीच लंबे समय से चल रही महंगाई भत्ते (डीए) के विवाद में सुप्रीम कोर्ट का फैसला स्वागत योग्य है। उन्होंने कहा कि कई सालों की लड़ाई और संघर्ष के बाद यहां राज्य सरकार के कर्मचारियों को आखिरकार कोर्ट के ऑर्डर के मुताबिक उनके हक का महंगाई भत्ता मिलने वाला है। यह ऐतिहासिक उपलब्धि कर्मचारियों की एकता, धैर्य और पक्के इरादे का सबूत है। जिसे ममता सरकार साजिश व दमनकारी नीतियों के तहत लगातार नजर अंदाज कर रही थी। श्री पांडेय ने बंगाल सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि राज्य की नाकाम मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने काफी समय तक सरकारी कर्मचारियों को उनका जायज हक नहीं दिया। वहीं राज्य सरकार ने महंगाई भत्ता रोकने की पुरजोर कोशिश में जनता के पैसों का दुरुपयोग करते हुए कानूनी लड़ाई लड़ने के लिए कई बड़े वकीलों को हायर किए। साथ ही कर्मचारियों के जायज आंदोलन पर पुलिसिया कार्रवाई भी की। उन्हें डराने और रोकने के लिए अभद्र और अपमानजनक टिप्पणियां भी की गईं। लगातार दमन और अन्याय के बावजूद, राज्य के कर्मचारियों ने हार नहीं मानी। एक लंबे और सिद्धांतों वाले संघर्ष के जरिए, उन्होंने आज वह हासिल किया है। जो उनका हक है। यह जीत अन्याय के खिलाफ न्याय की जीत है।श्री पांडेय ने सुप्रीम कोर्ट के फैसले का स्वागत करते हुए कहा देश की सबसे बड़ी अदालत ने साफ तौर पर कहा है कि महंगाई भत्ता न तो कोई रियायत है और न ही कोई खैरात, बल्कि यह कर्मचारियों का एक कानूनी और अटूट अधिकार है। इस खास मौके पर मैं सभी राज्य सरकार के कर्मचारियों को उनकी ऐतिहासिक जीत और अपने जायज दावों की रक्षा के लिए दिल से बधाई देता हूं। आज सीएम ममता गलत साबित हुईं। उन्होंने अपनी जिम्मेदारी से बचने के लिए बार-बार कहा है कि ललडीएलल कर्मचारियों का अधिकार नहीं है। मगर देश की सबसे बड़ी अदालत ने साफ कहा है कि डीए कर्मचारियों का कानूनी तौर पर सही अधिकार है, कोई ग्रांट नहीं। अब आने वाले विधानसभा चुनावों में ममता की पार्टी को जनता सबक सिखाएगी।

महेशपुरः सद्भाव की मिसाल बना पीर पहाड़ उर्स, एसडीपीओ ने ग्रामीणों को 'सम्मान का गमछा' भेंट कर सराहा

पीर पहाड़ उर्स के सफल आयोजन पर एसडीपीओ ने ग्राम प्रधानों को किया सम्मानित

नई सोच एक्सप्रेस

महेशपुर (पाकुड़)। प्रखंड के पीर पहाड़ पर आयोजित उर्स मेले के शांतिपूर्ण और सफल समापन के बाद पुलिस प्रशासन ने सामाजिक एकता की मिसाल पेश करने वाले ग्रामीणों के प्रति आभार व्यक्त किया है। गुरुवार को एसडीपीओ विजय कुमार ने उर्स के सफल संचालन में अहम भूमिका निभाने वाले स्थानीय ग्राम प्रधानों और पीर मजार कमेटी के सदस्यों को पारंपरिक रूप से गमछा देकर सम्मानित किया।

आपसी तालमेल और मोहब्बत की जीत:सम्मान समारोह के दौरान एसडीपीओ विजय कुमार ने ग्राम प्रधान बबलू मरांडी, शिवधन सोरेन, दुर्गा पहड़िया, महेश्वर मरांडी और जोसेफ टुडू सहित अन्य ग्रामीणों को सम्मानित किया। उन्होंने कहा कि पीर पहाड़ पर उर्स का सफल आयोजन यहाँ के आदिवासी ग्राम प्रधानों और मजार कमेटी के बीच अटूट आपसी तालमेल का परिणाम है।

"सामाजिक एकता और आपसी मेल-मोहब्बत से ही किसी भी बड़े आयोजन को सफल बनाया जा सकता है। यहाँ के ग्रामीणों ने पूरे क्षेत्र को शांति और भाईचारे का संदेश दिया है।" — विजय कुमार, एसडीपीओ

परंपरा और एकता का अनूठा संगम:पीर पहाड़ का उर्स क्षेत्र में अपनी विशिष्ट पहचान रखता है, जहाँ विभिन्न समुदायों के लोग एक साथ मिलकर चादरपोशी और अन्य धार्मिक अनुष्ठानों में भाग लेते हैं। एसडीपीओ ने इस बात पर विशेष जोर दिया कि स्थानीय आदिवासी समाज और मुस्लिम समुदाय के बीच जो समन्वय यहाँ देखने को मिला, वह जिला प्रशासन के लिए भी गर्व का विषय है।

प्रशासन का आभार:एसडीपीओ ने कहा कि जब समाज के लोग खुद जिम्मेदारी उठाते हैं, तो प्रशासन का कार्य भी सुगम हो जाता है। ग्रामीणों की सजगता के कारण ही उर्स के दौरान शांति व्यवस्था पूरी तरह बहाल रही। सम्मान पाकर ग्राम प्रधानों और कमेटी के सदस्यों ने भी खुशी जाहिर की और भविष्य में भी इसी तरह सद्भाव बनाए रखने का संकल्प लिया।

पाकुड़ः कानून की चौखट पर हुआ रिश्तों का मिलन, वर्षों बाद एक हुए पिता और पुत्र

कुटुंब न्यायालय की पहल से पिता-पुत्र के बीच वर्षों पुराना विवाद खत्म, बुजुर्ग पिता को मिला सहारा

नई सोच एक्सप्रेस

पाकुड़। रिश्तों में आई कड़वाहट जब कानूनी लड़ाई का रूप ले लेती है, तो अक्सर उम्मीदें दम तोड़ देती हैं। लेकिन पाकुड़ व्यवहार न्यायालय स्थित कुटुंब न्यायालय में एक ऐसा ही मामला सामने आया, जहाँ कानून ने न केवल न्याय किया बल्कि दो टूटते हुए दिलों को भी जोड़ दिया। प्रधान न्यायाधीश (कुटुंब न्यायालय) रजनीकांत पाठक के अथक प्रयास से वर्षों से चल रहे पिता-पुत्र के विवाद का सुखद अंत हुआ।

भरण-पोषण के लिए भटक रहे थे बुजुर्ग पिता:मामला मूल भरण पोषण वाद संख्या 297/2025 से जुड़ा है, जिसमें पिता हज़ीकुल अब्दुल गनी मियां ने अपने पुत्र इसराइल अंसारी के खिलाफ मामला दर्ज कराया था। पत्नी की मृत्यु के बाद बुजुर्ग पिता बेसहारा हो गए थे। वे न केवल आर्थिक तंगी और भरण-पोषण की समस्या से जूझ रहे थे, बल्कि बीमारी की हालत में चिकित्सा और देखभाल के लिए भी तरस रहे थे।

न्यायाधीश की मध्यस्थता ने दिखाई राह:प्रधान न्यायाधीश रजनीकांत पाठक ने दोनों पक्षों को सुना और मानवीय संवेदनाओं को ध्यान में रखते हुए उन्हें आपसी सुलह के लिए प्रेरित किया। उनके मार्गदर्शन में पिता और पुत्र ने अपने पुराने मतभेदों को भुला दिया। दोनों पक्ष अब एक-दूसरे के साथ रहने और सम्मानपूर्वक जीवन बिताने को तैयार हो गए हैं। इस समझौते से बुजुर्ग पिता को बुढ़ापे में फिर से पुत्र का सहारा मिल गया है।

"परिवार समाज की इकाई है। विवादों को संवाद और आपसी समझ से हल करना ही सुखी जीवन का आधार है।" — रजनीकांत पाठक, प्रधान न्यायाधीश, कुटुंब न्यायालय

'मेडिएशन फॉर द नेशन 2.0' के तहत मिली सफलता:यह सफलता नालसा (नई दिल्ली) एवं झालसा (रांची) के निर्देशानुसार संचालित 'मेडिएशन फॉर द नेशन 2.0' अभियान के तहत मिली है। प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह अध्यक्ष (जिला विधिक सेवा प्राधिकार) दिवाकर पांडे के निर्देश पर डालसा सचिव रूपा बंदना किरो की देखरेख में जिले में मध्यस्थता के माध्यम से मामलों के निपटारे पर विशेष जोर दिया जा रहा है।

संक्षिप्त समाचार

पटना यूनिवर्सिटी छात्र संघ चुनाव, 14 निर्वाचन ईकाइयों पर वोट

» सेंट्रल पैनल में 5 पद के लिए होगा इलेक्शन, नॉमिनेशन फॉर्म 11 फरवरी से मिलेगा

पटना। पटना यूनिवर्सिटी छात्र संघ चुनाव 2026-27 को लेकर कल से चहल-पहल शुरू हो जाएगी। कल प्रारूप मतदाता सूची का प्रकाशन होगा। इस बार छात्र संघ चुनाव के कुल 14 निर्वाचन ईकाइयों पर वोट पड़ेंगे।वहीं, सेंट्रल पैनल में अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, महासचिव, संयुक्त सचिव और कोषाध्यक्ष के एक-एक पद के लिए चुनाव होंगे। 5 सेंट्रल पैनल के अलावा कुल 22 काउंसिल मेंबर के लिए मतदान होगा। कॉलेज काउंसिल मेंबर के लिए एक हजार विद्यार्थियों की संख्या पर एक काउंसिल सदस्य होंगे।वहीं, जिन कॉलेजों और फैक्लटी में 1501 से अधिक मतदाता होंगे वहां दो काउंसिल मेंबर होंगे। इसी आधार पर विद्यार्थियों की संख्या के अनुसार काउंसिल मेंबर चुने जाएंगे। पटना यूनिवर्सिटी में सबसे अधिक चार काउंसिल मेंबर पटना वीमेंस कॉलेज से चुने जाएंगे। वहीं, पटना साइंस कॉलेज में 2, पटना कॉलेज में 2, बीएन कॉलेज में 2, मगध महिला कॉलेज में 2 और फैकल्टी ऑफ सोशल साइंस में 2 काउंसिल मेंबर चुने जाएंगे। हालांकि अभी विश्वविद्यालय की ओर से फाइनल मतदाता सूची जारी नहीं की गई है। मतदाता सूची जारी होने के बाद काउंसलर की संख्या में बदलाव हो सकता है।पटना यूनिवर्सिटी छात्र संघ चुनाव 28 फरवरी को होगा। इस घोषणा के साथ ही आचार संहिता लग गई है और कुलपति की ओर से वर्तमान छात्र संघ मंगलवार से भंग कर दिया गया।छात्रसंघ चुनाव के लिए नॉमिनेशन फॉर्म 11 फरवरी से मिलना शुरू होगा। इसकी कीमत 50 रुपए रखी गई है। नॉमिनेशन फॉर्म लेने के लिए स्टूडेंट को डीएसडब्ल्यू के ऑफिस सुबह 10 से 3:30 बजे के बीच आना होगा।14 फरवरी तक नॉमिनेशन फॉर्म मिलेगा और फिर 16 से 18 फरवरी के बीच जमा लिया जाएगा। 19 फरवरी को सुबह 10:30 बजे नॉमिनेशन फॉर्म की स्क्रूटनी होगी और शाम 5 बजे उम्मीदवारों की सूची जारी कर दी जाएगी।उम्मीदवारों की सहूलियत के लिए ग्रिवांस सेल भी तैयार की गई है। जहां उम्मीदवार चुनाव से संबंधित अपनी शिकायतों को दर्ज करा सकते हैं। 21 फरवरी दोपहर 3 बजे तक कैंडीडेट्स अपना नाम वापस ले सकते हैं।फिर शाम 5 बजे विश्वविद्यालय की ओर से उम्मीदवारों की फाइनल सूची जारी की जाएगी। 28 फरवरी को सुबह 8:30 से 2:30 बजे तक वोटिंग होगी। 28 फरवरी को ही शाम 4:30 बजे के बाद काउंटिंग शुरू कर दी जाएगी। इसी दिन देर रात तक चुनाव परिणाम जारी कर दिया जाएगा। काउंटिंग के लिए वेन्यू बाद में डिसाइड की जाएगी।डीन प्रो. योगेंद्र कुमार वर्मा ने बताया कि छात्रसंघ चुनाव आयोजित कराने के लिए विश्वविद्यालय की ओर से कमेटी गठित की गई। इसमें चीफ एलेक्शन आफिसर भौतिकी विभाग अध्यक्ष प्रो. शंकर कुमार को बनाया गया है।वहीं, एडवाइजर डिपार्टमेंट ऑफ एजुकेशन के प्रो. खगेंद्र कुमार को नियुक्त किया गया है। विश्वविद्यालय की ओर से दो ऑब्जर्वर भी नियुक्त किए गए हैं। ऑब्जर्वर के रूप में बॉटनी विभाग के अध्यक्ष प्रो. बीरेंद्र प्रसाद और कॉमर्स विभाग के अध्यक्ष प्रो. एनके झा को नियुक्त किया गया है।

पाटलिपुत्र विश्वविद्यालय एवं अगस्त्य फाउंडेशन के मध्य समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर

» राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुरूप 8,000 से अधिक विद्यार्थियों को निःशुल्क इंटर्नशिप का अवसर

पटना। पाटलिपुत्र विश्वविद्यालय, पटना द्वारा राष्ट्रीय शिक्षा नीतिझ2020 के प्रभावी क्रियान्वयन की दिशा में एक महत्वपूर्ण एवं दूरदर्शी पहल करते हुए आज शिक्षा के क्षेत्र में राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिष्ठित संस्था अगस्त्य फाउंडेशन के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। यह पोलीपुत्र विश्वविद्यालय परिसर में आयोजित एक गरिमामयी समारोह में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. उपेन्द्र कुमार सिंह, रजिस्ट्रार डॉ. अबू बकर रिजवी, डीन स्टूडेंट वेलफेयर डॉ. राजीव रंजन, तथा इंटर्नशिप कॉर्डिनेटर एवं प्लेसमेंट हेड डॉ. मोहम्मद अली सहित विश्वविद्यालय के वरिष्ठ अधिकारी एवं पदाधिकारी उपस्थित रहे।अगस्त्य फाउंडेशन की ओर से संस्था के डायरेक्टर रामजी रघवन की गरिमामयी उपस्थिति रही, जिनका विश्वविद्यालय प्रशासन द्वारा औपचारिक स्वागत किया गया।इस समझौता ज्ञापन के माध्यम से पाटलिपुत्र विश्वविद्यालय के 8,000 से अधिक छात्र-छात्राओं को निःशुल्क इंटर्नशिप का अवसर प्राप्त होगा, जिससे विद्यार्थियों के अकादमिक अध्ययन को व्यावहारिक अनुभव से जोड़ने में उल्लेखनीय सहायता मिलेगी। उल्लेखनीय है कि अगस्त्य फाउंडेशन वर्ष 1999 से शिक्षा के क्षेत्र में कार्यरत एक प्रतिष्ठित गैर-लाभकारी संस्था है, जो वर्तमान में देश के 19 राज्यों में सक्रिय रूप से कार्य कर रही है। संस्था विशेष रूप से सरकारी विद्यालयों के विद्यार्थियों को विज्ञान शिक्षा प्रदान करने के लिए जानी जाती है।अगस्त्य फाउंडेशन अपनी चलंत विज्ञान प्रयोगशालाओं (मोबाइल साइंस लैब्स) के माध्यम से विद्यार्थियों को हैंड्स-ऑन ट्रेनिंग प्रदान करती है, जिससे प्रयोगात्मक, अनुभव आधारित एवं नवाचारपूर्ण शिक्षा को बढ़ावा मिलता है।इस एमओयू के अंतर्गत अगस्त्य फाउंडेशन के प्रशिक्षक पाटलिपुत्र विश्वविद्यालय के विभिन्न महाविद्यालयों में जाकर स्नातक स्तर पर अध्ययनरत विद्यार्थियों को प्रशिक्षण प्रदान करेंगे। इसके उपरांत विद्यार्थियों को जमीनी स्तर पर सरकारी विद्यालयों से जोड़ते हुए इंटर्नशिप का अवसर उपलब्ध कराया जाएगा।अगस्त्य फाउंडेशन की ओर से नॉर्थ इंडिया हेड मुकेश कुमार एवं सुनील कुमार भी इस अवसर पर उपस्थित रहे। पाटलिपुत्र विश्वविद्यालय की ओर से इंटर्नशिप कॉर्डिनेटर एवं प्लेसमेंट हेड डॉ. मोहम्मद अली ने इस पूरे कार्यक्रम का कुशलतापूर्वक संचालन एवं समन्वय किया, जिनके नेतृत्व में यह टङ्क्व सफलतापूर्वक संपन्न हो सका।

शिक्षक बच्चों के सबसे प्रभावकारी मार्ग दर्शक होते हैं

रामगढ़वा। बिहार सरकार के शिक्षा विभाग के निर्देश पर गुरुवार को प्रखंड के गणेश महावीर उच्च विद्यालय रामगढ़वा में एक्टिविटी बेस्ड लर्निंग पर आधारित एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया।इस कार्यक्रम का आयोजन प्रभारी प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी अशोक पन्ना की अध्यक्षता में आयोजित किया गया। मौके पर प्रखंड तकनीकी टीम के सदस्यों मो. फैजुल्लाह, सम्मी कुमार गिरी, सोहराब आलम एवं शिवांगी पांडेय के द्वारा वर्ग दो के बच्चों को सहज सिखने और इनको सिखाने की कला की जानकारी दी गई। कार्यशाला के दौरान प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी अशोक पन्ना ने कहा की गतिविधि एवं परियोजना आधारित शिक्षण से विद्यार्थियों में समझ, तर्कशक्ति, प्रश्न करने की प्रवृत्ति और समस्या समाधान की क्षमता विकसित होती है। इस से शिक्षा अधिक प्रभावी और व्यवहारिक बनती है।इन्होने यह भी बताया कि शिक्षक बच्चों के सबसे प्रभावकारी मार्ग दर्शक होते हैं और इस कार्यशाला से प्राप्त जानकारी का लाभ बच्चों को देंगे।कार्यशाला में रामगढ़वा प्रखंड के सभी प्राथमिक विद्यालयों से प्रधान शिक्षक एवं कक्षा 2 के पवन कुमार,कमलेश कुमार बैठा, आदित्य सुमन, वाल्मीकि पासवान, अनुपम कुमार, कमलेश कुमार बैठा, मिन्हाज यास्मीन, बुसरा खातून, अर्चना कुमारी, सविता कुमारी, नासिर हुसैन, एजाज अहमद, शम्भू राम इत्यादि भारी संख्या में शिक्षक - शिक्षिकाओं नें भाग लिया।

बिहार पशु विज्ञान विश्वविद्यालय के पशु चिकित्सालय का मंत्री सुरेंद्र मेहता ने किया औचक

नई सोच एक्सप्रेस

पटना। मत्स्य एवं पशु चिकित्सालय के मंत्री सुरेंद्र मेहता ने गुरुवार को बिहार पशु विज्ञान विश्वविद्यालय स्थित पशु चिकित्सालय का औचक निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया. निरीक्षण के दौरान उन्होंने पशु चिकित्सा स्त्री रोग एवं प्रसूति विभाग, पशु चिकित्सा शल्य चिकित्सा एवं रेडियोलॉजी विभाग सहित विभिन्न इकाइयों का भ्रमण किया और वहां उपलब्ध आधुनिक सुविधाओं तथा उपचार व्यवस्था की जानकारी ली. निरीक्षण के क्रम में मंत्री ने चिकित्सालय में उपलब्ध एक्स-रे मशीन, रक्त एवं अन्य जांच उपकरण, आधुनिक तकनीक से सुसज्जित ऑपरेशन थिएटर समेत विभिन्न संसाधनों का अवलोकन किया. उन्होंने संतोष व्यक्त करते हुए कहा कि बिहार पशुचिकित्सा महाविद्यालय का यह उन्नत पशु चिकित्सालय देश के आधुनिक पशु चिकित्सालयों के समकक्ष है. उन्होंने प्रतिदिन इलाज के लिए पंजीकृत होने वाले पशुओं की बढ़ती संख्या पर भी प्रसन्नता जताई और इसे दक्ष पशु चिकित्सकों तथा आधुनिक तकनीक से हो रहे बेहतर उपचार का परिणाम बताया. मंत्री ने चिकित्सालय में इलाज कराने आए पटना एवं आसपास के क्षेत्रों से पहुंचे पशुपालकों और पशु प्रेमियों से भी बातचीत की. बातचीत के दौरान लोगों ने चिकित्सालय में उपलब्ध उन्नत सुविधाओं की सराहना की. वहीं कुछ व्यवस्थाओं को और बेहतर करने की मांग भी रखी. इस पर मंत्री ने भरोसा दिलाया कि शेष कमियों को जल्द दूर कर सुविधाओं को और सुदृढ़ किया जाएगा. निरीक्षण के दौरान मंत्री ने चिकित्सालय में इंटर्नशिप और प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे विद्यार्थियों से भी संवाद किया और उनके अनुभवों की जानकारी ली. इस अवसर पर बिहार पशुचिकित्सा महाविद्यालय के डीन जे.के. प्रसाद, पल्लव शेखर, ज्ञान देव सिंह, राजेश, अजीत, दीपक सहित अन्य चिकित्सक एवं अधिकारी मौजूद रहे.

विद्यालय समय बदलाव की मांग को लेकर शिक्षक नेता की पहल

नई सोच एक्सप्रेस

छपरा। सारण स्नातक निर्वाचन क्षेत्र के शिक्षक नेता समरेंद्र बहादुर सिंह ने विद्यालय संचालन समय में बदलाव की मांग को लेकर विधान पार्षद वंशीधर ब्रजवासी से मुलाकात की। उन्होंने विधान मंडल में मुख्यमंत्री द्वारा दिए गए उस वक्तव्य का उल्लेख किया, जिसमें विद्यालयों का संचालन सुबह दस बजे से शाम चार बजे तक करने की बात कही गई थी। समरेंद्र सिंह ने कहा कि वर्तमान मौसम, विद्यार्थियों की सुविधा और शैक्षणिक गुणवत्ता को देखते हुए यह समय अधिक व्यावहारिक है। इससे छात्रों की उपस्थिति बढ़ेगी और पढ़ाई का माहौल बेहतर होगा। उन्होंने यह भी मांग रखी कि पूर्व की व्यवस्था के अनुसार शनिवार को विद्यालयों का संचालन हाफ डे किया जाए, ताकि शिक्षक व विद्यार्थी दोनों को संतुलन मिल सके। विधान पार्षद ब्रजवासी ने मांगों को गंभीरता से सुनते हुए आश्वासन दिया कि वे इस मुद्दे को सरकार के समक्ष उठाएंगे। इस दौरान शिक्षा व्यवस्था, शिक्षकों की कार्य परिस्थितियों और विद्यार्थियों के हित से जुड़े विषयों पर भी चर्चा हुई।

गंगा किनारे भगवान शिव पर परिचर्चा, शिव को गुरु बनाने की पहल

नई सोच एक्सप्रेस

दानापुर। गुरुवार को नारीयल घाट के मल्लाहटोला गंगा किनारे एक अध्यामिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जहां हजारों गुरु भाई- बहन उपस्थित हुए। इस कार्यक्रम में भगवान शिव को अपना गुरु बनाने की बात बताई गई। मुख्य वक्ता भैया बृजेश ने बताया कि शिव का शिष्य होने के लिए पारंपरिक औपचारिकता एवं दीक्षा की जरूरत नहीं है शिव जगतगुरु एवं आदि गुरु है शिव का शिष्य होने में मात्र तीन सूत्र ही सहायक है। इस मौके पर परिचर्चा में तीन सूत्र दया मांगना, चर्चा करना और ओम नमः शिवाय से अपने गुरु को प्रणाम करने को बात बताई गई। अन्य वक्ताओं में राम विलास सिंह, मंजू देवी, महेन्द्र और अन्य ने अपनी बात रखी। वहीं इस आयोजन में जूली, लक्ष्मी, रीता एवं सभी भाई-बहन का पूरा सहयोग रहा।

जहानाबाद में फार्मासिस्ट व लैब टेक्नीशियन के लिए एक दिवसीय प्रशिक्षण आयोजित

नई सोच एक्सप्रेस

जहानाबाद। जीएनएम प्रशिक्षण संस्थान में फार्मासिस्ट एवं लैब टेक्नीशियन के लिए एक दिवसीय प्रशिक्षण एवं उन्मुखीकरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह प्रशिक्षण एकीकृत रोग निगरानी कार्यक्रम के अंतर्गत आयोजित हुआ। जिसमें जिले में संचालित विभिन्न रोग नियंत्रण कार्यक्रमों की विस्तृत जानकारी दी गई। प्रशिक्षण के दौरान क्षेत्र में फैलने वाली संक्रामक बीमारियों की शीघ्र पहचान कर समय रहते निगरानी, निरोधात्मक एवं उपचारात्मक कार्रवाई सुनिश्चित करने के सम्बन्ध में भी बताया गया। कार्यक्रम में सभी स्वास्थ्य संस्थानों से आए लैब टेक्नीशियन को निर्देश दिया गया कि प्रयोगशालाओं में की जाने वाली संक्रामक रोगों की जांच से संबंधित जानकारी निर्धारित समय सीमा के भीतर पोर्टल पर शतप्रतिशत एवं गुणवत्तापूर्ण तरीके से दर्ज करें। वहीं, फार्मासिस्टों को निर्देशित किया गया कि अपने संस्थान के ओपीडी एवं आईपीडी में पाए जाने वाले सभी संक्रामक रोगों की प्रविष्टि पोर्टल पर समय से गुणवत्ता के साथ सुनिश्चित करें। प्रशिक्षण सत्र में राज्य, जिला एवं प्रखंड स्तर पर होने वाली रैंकिंग व्यवस्था पर भी विस्तार से जानकारी दी गई। इस अवसर पर सिविल सर्जन ने उपस्थित प्रतिभागियों को निर्देश दिया कि एकीकृत रोग निगरानी कार्यक्रम के तहत प्रतिदिन की बीमारियों से संबंधित पी फॉर्म एवं एल फॉर्म की ऑनलाइन, समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण एंट्री नियमित रूप से सुनिश्चित की जाए। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि सभी स्वास्थ्य संस्थानों में दवाओं एवं जांच की सुविधा शत प्रतिशत उपलब्ध रहना अनिवार्य है। प्रशिक्षण कार्यक्रम में जिले के सभी स्वास्थ्य संस्थानों से दवा काउंटर फार्मासिस्ट, भंडार फार्मासिस्ट एवं लैब टेक्नीशियन ने भाग लिया। कार्यक्रम का आयोजन सिविल सर्जन के निर्देशानुसार किया गया तथा संचालन जिला डाटा प्रबंधक, डीईओ एवं अन्य संबंधित कर्मियों द्वारा किया गया।

भगवान सचि दानंद स्वरुप हैं और ईश्वर के प्रति सभी को अनुरागी होना चाहिए:अनिरुद्धचार्य

नई सोच एक्सप्रेस

रक्सौल। आयोजित सात दिवसीय श्री मद भागवत कथा महायज्ञ में विश्व प्रसिद्ध कथा वाचक अनिरुद्धचार्य नें कथा के प्रथम दिन भगवान के पास कैसे पंहुचे विषय पर विस्तृत जानकारी दी। कथा के पहले दिन भारी संख्या में भारत व नेपाल के महिला व पुरुष श्रद्धालु उपस्थित रहे। अनिरुद्धचार्य जी नें कहा कि भागवत की कथा सबको सुननी चाहिए। भागवत जी में भगवान के स्वरुप का वर्णन है। बताया कि भगवान सत, चित और आनंद के स्वरुप हैं। विश्व की उत्पति, पालन और संहार भी वहीं करते हैं। बताया कि भगवान को जो याद करता है उनकी इच्छा की पूर्ति भगवान स्वयं करते हैं। द्रौपदी की कथा कहते हुए बताया कि द्रौपदी नें सबको याद किया कोई नहीं आया लेकिन भगवान को याद किया और भगवान उपस्थित हो गए। इन्होने कथा के प्रथम दिन सामाजिक सरोकार से जुड़े मुद्दों पर भी चर्चा की और कहा कि भगवान ही विश्व की उतपति के कारण हैं और सिर्फ भगवान के अलावे कोई दूसरा नहीं है। बताया कि बेटा बेटी कोई धन नहीं हैं। मीरा नें गाया कि पायो जी मैंने राम रत्न धन पायो। राम से बड़ा कोई धन नहीं। बेटा बेटी, सांसारिक हैं। इनके मिल जाने से कोई भाग्यवन नहीं हो जाता। लेकिन भाग्यवान वहीं है जिसको भगवान से लगाव है। सात दिवसीय इस कार्यक्रम में स्थानीय पुलिस व प्रशासन के द्वारा सख्त सुरक्षा के इंतजाम किए गए हैं। कथा में भीड़ और ज्यादा होने की संभावना को देखते हुए आयोजन समिति के द्वारा ब्यापक प्रबंध किए जा रहे हैं।

टिकट चेकिंग से रिकॉर्ड रेल राजस्व की प्राप्ति

वैध टिकट से यात्रा हेतु जागरूकता और सुरक्षित रेल संचालन पर जोर

नई सोच एक्सप्रेस

समस्तीपुर। वित्तीय वर्ष 2025-26 में अप्रैल 2025 से जनवरी 2026 की अवधि के दौरान समस्तीपुर रेल मंडल द्वारा बिना टिकट अथवा बिना उचित प्राधिकार के यात्रा करने के कुल 6,46,076 (छः लाख छियालिस हज़ार छिहत्तर) मामले पकड़े गए। इन मामलों से जुर्माने के रूप में 47,24,85,213 (सैंतालीस करोड़ चौबीस लाख पचासी हज़ार दो सौ तेरह रुपये मात्र) की राशि रेल राजस्व के रूप में प्राप्त हुई है। पिछले वित्तीय वर्ष 2024-25 की समान अवधि की तुलना में समस्तीपुर मंडल ने टिकट चेकिंग के क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की है। जहां मामलों की संख्या में 25.68 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई वहीं राजस्व में 34.22 प्रतिशत की रिकॉर्ड वृद्धि दर्ज की गई है। उल्लेखनीय है कि वर्ष 2024-25 में अप्रैल से जनवरी तक 5,14,058 मामले दर्ज हुए थे, जिनसे 35,20,09,972 का राजस्व प्राप्त हुआ था। यात्रियों को वैध टिकट लेकर यात्रा करने हेतु प्रेरित करने तथा रेलवे नियमों के प्रभावी अनुपालन को सुनिश्चित करने के उद्देश्य से समस्तीपुर मंडल द्वारा निरंतर एवं सघन टिकट जांच अभियान चलाया जा रहा है। यह अभियान ईमानदार यात्रियों के हितों की रक्षा के साथ-साथ रेल राजस्व के संग्रह में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। समस्तीपुर मंडल प्रशासन यात्रियों से अपील करता है कि वे सदैव वैध टिकट अथवा अधिकृत यात्रा प्राधिकार के साथ यात्रा करें तथा रेलवे के नियमों का पालन करें। समस्तीपुर रेल मंडल यात्रियों को सुरक्षित, सुव्यवस्थित एवं बेहतर यात्रा अनुभव प्रदान करने के लिए निरंतर प्रतिबद्ध एवं प्रयासरत है।

आज 7 प्रखंडों के 19 पैक्स में मतदान, 54 केंद्रों पर होगी वोटिंग

नई सोच एक्सप्रेस

» निष्पक्ष चुनाव को लेकर प्रशासन सतर्क, दंडाधिकारी व पुलिस बल तैनात

मधुबनी/बिहार। जिले के अंधराठाढ़ी, झंझारपुर, खजौली, खुटौना, लदनियां, मधेपुर एवं राजनगर प्रखंड के 19 पैक्सों के लिए शुक्रवार, 06 फरवरी को 54 मतदान केंद्रों पर सुबह 7 बजे से शाम 4:30 बजे तक मतदान कराया जाएगा। जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह जिलाधिकारी आनंद शर्मा एवं पुलिस अधीक्षक योगेंद्र कुमार ने संयुक्त आदेश जारी कर स्वच्छ, निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण मतदान सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है। प्रशासन द्वारा सुरक्षा व्यवस्था के तहत 7 जोनल एवं 15 सेक्टर दंडाधिकारी के साथ पुलिस पदाधिकारियों की प्रतिनियुक्ति की गई है। अंधराठाढ़ी, झंझारपुर, खजौली, खुटौना, लदनियां और राजनगर प्रखंड के पैक्सों की मतगणना 06 फरवरी को ही होगी, जबकि मधेपुर प्रखंड के पैक्सों की मतगणना 07 फरवरी को कराई जाएगी। चुनाव के दौरान किसी भी स्थिति से निपटने के लिए क्यूआरटी टीम सक्रिय रहेगी तथा क्षेत्रों में सघन वाहन जांच का निर्देश दिया गया है।

भारतीय जन क्रांति परिषद आस्था भारत द्वारा जरूरतमंदों को कंबल,साड़ी और राशन का किया गया वितरण

नई सोच एक्सप्रेस

» जरूरतमंद लोगों की सेवा ही सबसे बड़ी सेवा है लोगो की सेवा करने से ही पुण्य की फल की प्राप्ति होती है- स्वामी कन्हैया महाराज

वाराणसी। भारतीय जन क्रांति परिषद आस्था भारत के राष्ट्रीय अध्यक्ष शनि पीठाधीश्वर स्वामी कन्हैया महाराज के द्वारा सेवापुरी क्षेत्र में ग्राम सोनबरसा में जरूरतमंद लोगों को ठंड से राहत देने हेतु कंबल और साड़ी का वितरण किया इसके साथ ही तीन सौ लोगों को भोजन सामग्री वल,दाल,राशन,आलू,प्याज,मसाला आदि वितरित करके लोगों के चेहरे पर खुशियां लाने का प्रयास किया गया | इस अवसर पर राष्ट्रीय अध्यक्ष स्वामी कन्हैया महाराज ने कहा कि जरूरतमंद लोगों की सेवा ही सबसे बड़ी सेवा है लोगो की सेवा करने से ही पुण्य की फल की प्राप्ति होती है हमारे परिषद का भी यही उद्देश्य है सबके चेहरे में खुशियों हो | लोगों को भरपेट भोजन मिले,पहनने को वस्त्र मिले सब का जीवन सुखमय हो यही भारतीय जन क्रांति का मिशन है यही उद्देश्य है | गरीबों की सेवा सबसे बड़ी सेवा होती है इससे बढ़कर कोई सेवा नहीं है मानवता में ही भगवान का वास होता है | श्री स्वामी ने कहा कि मैं समय-समय पर गरीबों की मदद करता रहता हूं,रोगियों का इलाज करवाता हूं कैंसर पीड़ित को सरकार से कहकर उनका आर्थिक सहायता प्रदान करवाने में मदद करता हूं गरीब बच्चों के विवाह में सहयोग करता हूं जिसका जितना हो सके यह परिषद सबकी मदद करती है | हमारा परिषद तन से,मन से,धन से लोगों के साथ खड़ा रहता है | इस अवसर पर भारतीय जन क्रांति परिषद आस्था भारत के राष्ट्रीय संयोजक आशुतोष त्रिपाठी ने कहा की मानवता की सेवा करने में ही पुण्य मिलता है हमारा परिषद मानवता की सेवा के लिए ही प्रसिद्ध है इस परिषद में अनेक प्रदेशों के लोग जुड़े हुए हैं जो लोगों की समय-समय पर मदद भी करते रहते हैं | उक्त अवसर पर परिषद के प्रदेश अध्यक्ष गौतम कुमार,जिलाध्यक्ष रवि शंकर सेठ, प्रदेश उपाध्यक्ष सुरेश कुमार श्रीवास्तव, राष्ट्रीय सचिव चंदन राय,राष्ट्रीय मंत्री ललन प्रसाद सहित इत्यादि गणमान्य लोग उपस्थित थे ||

तू या मैं में मेरा किरदार साइड रोल नहीं, कहानी की मजबूत कड़ी है: पारुल गुलाटी

बॉलीवुड और ओटीटी की दुनिया में लगातार अपनी अलग पहचान बना रहीं अभिनेत्री पारुल गुलाटी इन दिनों अपने आने वाले प्रोजेक्ट्स को लेकर चर्चा में हैं। अभिनय के साथ-साथ एक सफल उद्यमी के तौर पर भी अपनी पहचान रखने वाली पारुल अब थ्रिलर फिल्म तू या मैं में नजर आएंगी। उन्होंने हाल ही में इस फिल्म और अपने किरदार को लेकर खुलकर बात की है और इसे अपने करियर का एक बेहद खास मौका बताया। फिल्म तू या मैं में पारुल गुलाटी के साथ आदर्श गौरव और शनाया कपूर मुख्य भूमिकाओं में हैं। इस फिल्म का निर्देशन आनंद एल राय कर रहे हैं, जिनकी फिल्मों की पहचान भावनाओं, रिश्तों और गहराई से जुड़ी कहानियों के लिए रही है। इस फिल्म में पारुल लायरा नाम का किरदार निभा रही हैं, जो शनाया कपूर के किरदार की करीबी दोस्त और मैनेजर है। फिल्म का हिस्सा बनने पर पारुल ने कहा, आनंद एल राय का सिनेमा मुझे हमेशा से आकर्षित करता रहा है। फिल्म की कहानी नाटकीय होने के साथ-साथ भावनात्मक रूप से शानदार है और दर्शकों को भीतर तक छू जाएगी। पारुल ने अपने किरदार को लेकर बताया, मेरा किरदार लायरा सिर्फ एक दोस्त नहीं है बल्कि एक ऐसा इंसान है जो हर मुश्किल में साथ खड़ी रहती है, सही सवाल पूछती है, जरूरत पडने पर टोकती भी है और बिना शर्त समर्थन करती है। मैं इस किरदार को निभाकर बेहद खुश हूं और अभी भी इस एहसास में डूबी हुई हूं कि मुझे इतना अहम रोल निभाने का मौका मिला है। पारुल ने कहा, लायरा कोई साधारण या साइड कैरेक्टर नहीं है, बल्कि कहानी की भावनात्मक रीढ़ है। यह किरदार फिल्म की कहानी को आगे बढ़ाने में अहम भूमिका निभाती है। मेरे लिए यह अनुभव इसलिए भी खास है क्योंकि मैं ऐसी फिल्मों का हिस्सा बनना चाहती थी जिनमें किरदारों की गहराई हो और कहानी दिल से जुड़ी हो। इस फिल्म का हिस्सा बनना मेरे लिए किसी सपने के सच होने जैसा है। आनंद एल राय के साथ काम करने के अनुभव को लेकर पारुल गुलाटी ने कहा, एक कलाकार और एक क्रिएटर के तौर पर इससे बेहतर सहयोग शायद मुझे कभी नहीं मिल सकता था। आनंद एल राय की फिल्में वही सिनेमा हैं, जिनकी ओर मैं हमेशा खिंचती रही हूं। यह एक ऐसा दुर्लभ मौका है, जो जिंदगी में कम ही मिलता है, जहां बड़ी स्क्रीन की भव्यता के साथ-साथ कहानी में दिल और भावना दोनों मौजूद हों। पारुल गुलाटी ने फिल्म की पूरी टीम के प्रति आभार भी जताया। उन्होंने कहा, मैं मेकर्स की शुक्रगुजार हूं, जिन्होंने मुझ पर भरोसा किया और मुझे लायरा जैसा मजबूत किरदार सौंपा। मेरे लिए एक अनोखी थ्रिलर और क्रिएचर यूनिवर्स का हिस्सा बनना बेहद खास अनुभव है। मैं इस फिल्म को लेकर बहुत खुश, आभारी और उत्साहित हूं और चाहती हूं कि दर्शक इसे बड़े पर्दे पर जरूर देखें।

सिनेमाघरों में जल्द ही भौकाल मचाने पूरी तरह तैयार मिर्जापुरः द फिल्म, मुन्ना-गुड्डू की संग छाएगी सचिव जी की दबंगई

मिर्जापुर एक ऐसी वेब सीरीज जिसने ओटीटी की दुनिया में आते ही तहलका मचा दिया और देखते ही देखते एक कल्ट फेनोमेनन बन गई। गालियां, सत्ता की भूख, खून-खराबा और दमदार किरदारों के साथ इस शो ने वो कारनामा कर दिखाया, जो बहुत कम सीरीज कर पाती हैं। दर्शकों से मिले जबरदस्त प्यार और ओटीटी पर इसकी रिकॉर्डतोड़ लोकप्रियता को देखते हुए अब मेकर्स ने इसे बड़े पर्दे पर लाने का फैसला कर लिया है। जल्द ही 'मिर्जापुर: द फिल्म सिनेमाघरों में भौकाल मचाने के लिए पूरी तरह तैयार है। 'मिर्जापुर: द फिल्म का इंतजार फैंस काफी लंबे समय से कर रहे थे। वेब सीरीज के तीन सफल सीजन के बाद अब दर्शक यह जानने के लिए बेताब हैं कि ओटीटी से सिनेमाघरों तक पहुंचते हुए इस कहानी में क्या नया देखने को मिलेगा। इसी बीच फैंस के लिए एक बड़ी खुशखबरी सामने आई है। हाल ही में मेकर्स ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट शेयर कर यह कन्फर्म कर दिया है कि फिल्म की शूटिंग पूरी हो चुकी है। मेकर्स के मुताबिक फिल्म का आखिरी शेड्यूल सफलतापूर्वक पूरा कर लिया गया है और अब प्रोजेक्ट पोस्ट-प्रोडक्शन स्टेज में पहुंच चुका है। यह अपडेट सामने आते ही सोशल मीडिया पर फैंस की एक्साइटमेंट और भी बढ़ गई है। 'मिर्जापुर: द फिल्म को लेकर बज का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि यह ऑरमैक्स सिनेमैटिक्स की मोस्ट अवेटेड हिंदी फिल्मों की लिस्ट में भी शामिल हो चुकी है। इसका साफ मतलब है कि दर्शक इस फिल्म को लेकर बेहद उत्साहित हैं और इसे बड़े पर्दे पर देखने के लिए बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। फिलहाल मेकर्स ने फिल्म की कहानी को लेकर कोई बड़ा खुलासा नहीं किया है। हालांकि, इंडस्ट्री रिपोर्ट्स के मुताबिक यह फिल्म या तो सीरीज़ का प्रीक्वल हो सकती है या फिर उसी टाइमलाइन का एक अहम और बड़ा हिस्सा दिखा सकती है। यह भी कहा जा रहा है कि फिल्म का स्केल वेब सीरीज से कई गुना ज्यादा भव्य होगा। सत्ता की लड़ाई, खून-खराबा और मिर्जापुर की गद्दी के लिए एक नया और और भी खूनी खेल दर्शकों को देखने को मिल सकता है। बड़े पर्दे पर मिर्जापुर की दुनिया को और ज्यादा रॉ, इंटेंस और सिनेमैटिक तरीके से पेश किए जाने की पूरी तैयारी है। फिल्म में 'मिर्जापुर की जान माने जाने वाले किरदार एक बार फिर लौट रहे हैं। पंकज त्रिपाठी, अली फजल, दिव्येंदु शर्मा और अभिषेक बनर्जी जैसे कलाकार फिल्म में अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। इनके अलावा इस बार कुछ नए चेहरों की भी एंट्री होने वाली है। रिपोर्ट्स के मुताबिक जीतेंद्र कुमार (जीतू भैया) और रवि किशन जैसे पॉपुलर स्टार्स भी फिल्म का हिस्सा होंगे, जो कहानी में नए ट्विस्ट और तड़का लगाने वाले हैं। 'मिर्जापुर: द फिल्म पहले सिनेमाघरों में रिलीज की जाएगी और उसके बाद ही यह अमेज़न प्राइम वीडियो पर स्ट्रीम होगी। मेकर्स का प्लान साफ है, पहले थिएटर में भौकाल और फिर ओटीटी पर दोबारा धमाका। यह फिल्म साल 2026 में रिलीज की जाएगी। फिल्म को मिर्जापुर के ओरिजिनल क्रिएटर पुनीत कृष्ण ने लिखा है, जबकि इसका निर्देशन गुरमीत सिंह ने किया है। गौरतलब है कि 'मिर्जापुर का पहला सीजन 2018 में आया था, दूसरा 2020 में और तीसरा सीजन 2024 में रिलीज हुआ था। तीनों सीजन को दर्शकों से जबरदस्त रिस्पॉन्स मिला। अब जब 'मिर्जापुर बड़े पर्दे पर आ रही है तो साफ है कि फैंस की निगाहें इसी पर टिकी हैं।

मेहरीन पीरजादा ने शादी की अफवाहों पर बताई सच्चाई

एक्ट्रेस मेहरीन पीरज़ादा ने हाल ही में शादी की झूठी खबरों का ज़ोरदार खंडन किया है, और इन बेबुनियाद जानकारियों पर निराशा और गुस्सा ज़ाहिर किया है। एक साफ़ बयान में, मेहरीन ने मीडिया से ज़िम्मेदारी से काम करने की अपील की और ज़ोर देकर कहा कि वह अपनी कोई भी पर्सनल खबर खुद बताएंगी। लगभग दो सालों तक, मेहरीन ने अपनी पर्सनल ज़िंदगी के बारे में बार-बार उड़ रही अफवाहों के बीच चुप रहना पसंद किया। लेकिन हाल ही में एक रिपोर्ट में एक अनजान व्यक्ति को उनका पति बताया गया, जिसके बाद उन्हें सामने आकर बोलना पड़ा। उन्होंने साफ़ किया, मेरी किसी से शादी नहीं हुई है, और इस कहानी को पूरी तरह से झूठा और दुख पहुंचाने वाला बताया। उन्होंने लोगों से अफवाहों पर ध्यान न देने की अपील की और मीडिया आउटलेट्स से झूठी कहानियाँ बनाना बंद करने को कहा। मेहरीन ने ऐसी पर्सनल झूठी बातें फैलाने को गलत बताया और फैंस को भरोसा दिलाया कि सही समय आने पर वह अपनी ज़िंदगी के बारे में अपडेट शेयर करेंगी। उन्होंने कहा, जब मैं शादी करने का फैसला करूंगी, तो मैं खुद दुनिया को बताऊंगी।

छोटी सी टू-पीस ड्रेस में अवनीत कौर की कातिलाना अंदाज, कर्वी फिगर पर अटकी फैंस की निगाह

टीवी और बॉलीवुड की खूबसूरत एक्ट्रेस अवनीत कौर अपनी स्टाइलिश तस्वीरों से सोशल मीडिया पर हमेशा चर्चा में रहती हैं. एक्ट्रेस का ग्लैमरस अंदाज देखने के लिए फैंस हर बार एक्साइटेड रहते हैं और इस बार भी अवनीत ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट से इंटरनेट का तापमान और बढ़ा दिया है. अवनीत कौर ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की कुछ दिलकश तस्वीरें इंस्टाग्राम पर शेयर की हैं. इन फोटोज में एक्ट्रेस ब्राउन कलर की छोटी टू-पीस ड्रेस में नजर आ रही हैं. आउटफिट में अवनीत ने बेबाकी से अपना कर्वी फिगर फ्लॉन्ट किया है, जिसे देखकर फैंस का ध्यान उन पर से हट ही नहीं रहा है. उनकी कॉन्फिडेंस, पोज और फील ने तस्वीरों को और भी शानदार बना दिया है. अवनीत की ये तस्वीरें कुछ ही घंटों में वायरल हो गईं और कमेंट सेक्शन में तारीफों की बरसात शुरू हो गई. अवनीत ने अपने ग्लैमरस लुक को और खूबसूरत बनाने के लिए ग्लोसी मेकअप, खुले सिल्की बाल और गले में पर्ल नेकलेस पहना है. उनका ये सॉफ्ट और एलिगेंट स्टाइल उनके बोल्ड आउटफिट के साथ एक परफेक्ट कॉन्ट्रास्ट बना रहा है. अवनीत का तस्वीरों में दिया हर एंगल में पोज फैंस को अट्रैक्ट कर रहा है और फैंस उनकी अदाओं पर जैसे फिदा हो गए हो, वो एक्ट्रेस की तारीफ करते हुए कमेंट सेक्शन में खूब प्यार लुटा रहे हैं, हार्ट से लेकर फायर इमोजी शेयर कर रहे हैं, इन तस्वीरें शेयर करते हुए अवनीत कौर ने कैप्शन में लिखा, ब्राउन टोन... और इसके साथ एक ब्राउन हार्ट इमोजी भी बनाई. उनके इस सिंपल कैप्शन ने भी फैंस का ध्यान खींच लिया, जिसे यूजर खूब पसंद कर रहे हैं. अवनीत कौर की इन फोटोज ने इंटरनेट पर तहलका मचा दिया है. पोस्ट पर दो लाख से ज्यादा लाइक्स आ चुके हैं और कमेंट्स में लोग उनकी खूबसूरती की जमकर तारीफ कर रहे हैं. उन्हें, गॉर्जियस , स्टनिंग , फायर जैसे कमेंट्स की लाइन लग गई है. काम की बात करें तो अवनीत कौर को हाल ही में बॉलीवुड फिल्म लव इन वियतनाम में एक्टर शांतनु माहेश्वरी के साथ देखा गया था. इसके अलावा वह कई बड़े प्रोजेक्ट्स के साथ जुड़ी हुई हैं और जल्द ही नए अवतार में दर्शकों को एंटरटेन करती नजर आएंगी.

ओ रोमियो का नया गाना इश्क का फीवर जारी, अरिजीत सिंह ने लगाए सुर

विशाल भारद्वाज की फिल्म ओ रोमियो रिलीज के लिए तैयार है। शाहिद कपूर और तृप्ति डिमरी अभिनीत इस फिल्म के अब तक दो गाने रिलीज हो चुके हैं, जिन्हें काफी पसंद भी किया गया। अब फिल्म निर्माताओं ने फिल्म का तीसरा गाना इश्क का फीवर रिलीज किया है, जिसे अरिजीत सिंह ने गाया है। जी हां! अरिजीत सिंह, जिन्होंने हाल ही में प्लेबैक सिंगिंग से संन्यास की घोषणा की थी, अब एक नया गाना लेकर आए हैं। हालांकि, प्रशंसकों को अरिजीत की आवाज सुनकर खुशी तो हुई, लेकिन साथ ही वे इस बात को लेकर भी चिंतित नजर आ रहे हैं कि कहीं यह उनका आखिरी गाना तो नहीं है। ओ रोमियो के संगीतकार और निर्देशक विशाल भारद्वाज ने अरिजीत की प्लेबैक सिंगिंग से रिटायरमेंट की पोस्ट पर प्रतिक्रिया देते हुए इंस्टाग्राम पर एक वीडियो साझा किया था। वीडियो में विशाल और अरिजीत के साथ रेखा भारद्वाज भी नजर आ रही हैं, जबकि निर्देशक और संगीतकार इश्क का फीवर गाना गाते हुए दिखाई दे रहे हैं। और अब यह गाना रिलीज हो चुका है! ऐसे में अरिजीत सिंह के फैंस भी इमोशनल हो गए और सिंगर से अपना फैसला वापस लेने की अपील कर रहे हैं। कई ने वीडियो के कमेंट सेक्शन में कमेंट करते हुए सिंगर से वापसी की गुहार लगाते दिखे। अरिजीत सिंह और विशाल भारद्वाज ने हिंदी सिनेमा के कुछ सबसे यादगार गाने एक साथ बनाए हैं, जैसे कि फिल्म हैदर का खुल कभी तो और रंगून का ये इश्क है। उनके गाने अपनी भावनात्मक गहराई के लिए जाने जाते हैं, जिन्हें अक्सर गुलजार लिखते हैं। इस जोड़ी ने 2026 में आई फिल्म ओ रोमियो के हम तो तेरे लिए थे और इश्क का फीवर गानों में भी साथ काम किया है, जिनके रिलीज होने पर फैंस गाने पर जमकर प्यार लुटा रहे हैं। हाल ही में सलमान खान की फिल्म बैटल ऑफ गलवान का उनका गाना मातृभूमि रिलीज हुआ है, जिसे उनके फैंस से अच्छा रिस्पॉन्स मिला है। अरिजीत सिंह ने बॉलीवुड को तुम ही हो, चन्ना मेरेया, अगर तुम साथ हो, केसरिया और तुझे कितना चाहने लगे जैसे कई यादगार गाने दिए हैं। भारतीय संगीत जगत में उनके योगदान के लिए उन्हें दो राष्ट्रीय पुरस्कार भी मिल चुके हैं। वहीं सिंगर ने 27 जनवरी को सोशल मीडिया पर पोस्ट शेयर करते हुए बताया था कि वह प्लेबैक सिंगिंग से संन्यास ले रहे हैं और उनके इस फैसले ने हर किसी को चौंका दिया था।

अंगूरी भाभी पर फिदा हुए रवि किशन, 'भाभीजी घर पर हैं–फन ऑन दा रन'' का ट्रेलर रिलीज

लोकप्रिय टीवी शो पर आधारित फिल्म 'भाभीजी घर पर हैं–फन ऑन दा रन' का धमाकेदार ट्रेलर रिलीज कर दिया गया है। शो की तरह ही फिल्म में भी कॉमेडी के साथ हॉरर का तड़का देखने को मिलेगा, जो दर्शकों को भरपूर मनोरंजन देने का वादा करता है। शशांक बाली के निर्देशन में बनी इस फिल्म का निर्माण जी स्टूडियो के बैनर तले किया गया है। ट्रेलर में रोहिताश गौड़, आसिफ शेख, शुभांगी अत्रे और विदिशा शर्मा के साथ रवि किशन अहम भूमिका में नजर आ रहे हैं, जो अपनी मौजूदगी से सबसे ज्यादा ध्यान खींचते हैं। करीब 2 मिनट 57 सेकंड लंबा यह ट्रेलर कॉमेडी, हॉरर और ड्रामे से भरपूर है। कहानी अंगूरी भाभी (शुभांगी अत्रे), अनीता भाभी (विदिशा शर्मा) और उनके नए आशिकों के इर्द-गिर्द घूमती है। गुंडों के अवतार में रवि किशन और मुकेश तिवारी नजर आते हैं, जो भाभियों से शादी करने के लिए उतावले दिखाई देते हैं, जिससे कहानी में मजेदार मोड़ आते हैं। फिल्म में टीवी शो के लगभग सभी चर्चित किरदार देखने को मिलेंगे, जिनमें सक्सेना और दरोगा हप्पू सिंह भी शामिल हैं। ट्रेलर से साफ है कि फिल्म में वही पुराना हास्य, हल्का-फुल्का डर और जबरदस्त मनोरंजन बरकरार रखा गया है। 'भाभीजी घर पर हैं–फन ऑन दा रन' 6 फरवरी, 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए तैयार है।

अक्षय कुमार व्हील ऑफ फॉर्च्यून से टीवी पर वापसी को तैयार, शो का प्रोमो जारी

बॉलीवुड के खिलाड़ी अक्षय कुमार हर साल अपनी फिल्मों से दर्शकों का मनोरंजन करते हैं। इस बार वह टीवी पर भी यह जिम्मेदारी उठाते दिखेंगे क्योंकि उनका नया गेम शो व्हील ऑफ फॉर्च्यून आ रहा है। काफी समय से चर्चा बटोर रहा यह रियलिटी शो इसी महीने यानी, जनवरी में अपनी स्ट्रीमिंग के लिए तैयार है। निर्माताओं ने शो का प्रोमो और स्ट्रीमिंग तारीख जारी कर दी है। यह क्लासिक शब्द खेल हैंगमैन पर आधारित है। व्हील ऑफ फॉर्च्यून के प्रोमो के साथ कैप्शन दिया गया, किस्मत आपकी, पैसा चैनल का... और ढेर सारी मस्ती मेरी तरफ से। अक्षय ने होस्ट की जिम्मेदारी संभाली है जो प्रतियोगियों को पुरस्कार राशि जीतने का मौका देंगे। खेल के दौरान एक बड़ा पहिया घुमाकर शब्दों की पहेलियों को सुलझाना होगा। यह शो 27 जनवरी से सोनी लिव और सोनी टीवी पर रात 9 बजे प्रसारित होगा। खतरों के खिलाड़ी होस्ट कर चुके अभिनेता की टीवी वापसी से प्रशंसक उत्साहित हैं।

नई सोच एक्सप्रेस
हर खबर पर पैनी नजर
(बिहार और झारखंड से प्रकाशित हिन्दी दैनिक)

भारत और इंग्लैंड के बीच आज खेला जाएगा यूथ अंडर 19 विश्व कप क्रिकेट

» दोपहर एक बजे से खेला जाएगा खिताबी मुकाबला

एजेंसी, हरारे

भारत और इंग्लैंड की टीमें शुक्रवार को यहां यूथ अंडर 19 विश्वकप क्रिकेट टूर्नामेंट का फाइनल मुकाबला खेलने उतरेंगी। भारतीय टीम ने सेमीफाइनल में अफगानिस्तान को हराकर दसवीं बार फाइनल में प्रवेश किया जबकि इंग्लैंड टीम छठी बार फाइनल में पहुंची है। भारत और इंग्लैंड दोनो ही टीमों ने अपने-अपने सभी मुकाबले जीतकर फाइनल में जगह बनायी है। भी अपने सभी मैच जीते हैं. दोनों टीमों के बीच फाइनल छह फरवरी को हरारे में भारतीय समय के मुताबिक दोपहर एक बजे से खेला जाएगा. आंकड़ों पर नजर डालें तो भारत और इंग्लैंड की टीमों ने अब तक अंडर 19 में 55 यूथ एकदिवसीय मैच खेले हैं। इस दौरान भारतीय टीम ने 41 मुकाबलों में जीत हासिल की है। वहीं भारतीय टीम को 13 मुकाबलों में उसे हार मिली जबकि एक मैच का परिणान नहीं निकला।। दूसरी ओर इंग्लैंड को 13 मैचों में जीत मिली है। फाइनल में पहुंचने के बाद उत्साहित भारतीय कप्तान आयुष म्हात्रे ने कहा कि यहां पहुंचने का अहसास काफी अच्छा है। हमारे लिए विश्वकप कप फाइनल खेलना सुखद अनुभवी है। सभी प्रशंसकों से मेरी अपील है कि आप इसी प्रकार हमारा समर्थन करते रहें। हम फाइनल मैच में अपनी ओर से जीतने का पूरा प्रयास करेंगे। हम फाइनल मैच को केवल एक गेम की तरह ही रखेंगे। भारत ने जहां पहले सेमीफाइनल में आरोन जॉर्ज के 115 रनों की शतकीय पारी से अफगानिस्तान को सात विकेट से हराकर आईसीसी अंडर-19 विश्व कप के फाइनल में प्रवेश किया है। वहीं दूसरी ओर इंग्लैंड ने दूसरे सेमीफाइनल में ऑस्ट्रेलिया को 27 रन से हराकर फाइनल में जगह बनायी है। उनकी बल्लेबाजी लाइन-अप के साथ-साथ गेंदबाजी यूनिट भी लगातार अच्छा प्रदर्शन करती आई है। ऐसे में फाइनल में इंग्लैंड भारत को कड़ी चुनौती दे सकता है।

भारतीय टीमः आयुष म्हात्रे (कप्तान), आर.एस. अंबरीश, कनिष्क चौहान, डी. दीपेश, मोहम्मद एमान, एरॉन जॉर्ज, अभिज्ञान कुंडू, किशन कुमार सिंह, विहान मल्होत्रा, उदय मोहन, हेमिल पटेल, खिलान ए. पटेल, हर्षवर्धन सिंह, वैभव सूर्यवंशी, वेदांत त्रिवेदी

इंग्लैंड टीमः थॉमस रेव (कप्तान), फरहान अहमद, रॉकी अलर्ट, बिल वीसन, बेन डॉकिन्स, कालेब फॉल्कनर, अली फारूक, एलेक्स फ्रेंच, एलेक्स ग्रीन, ल्यूक हेंडरसन, मैनी लार्डन, बेन मेयर, जेम्स मीटो, जो मूर्स, सेबेस्टियन मॉर्गन

एफआईएच पुरुष प्रो लीग 2025–26 राउरकेला चरण के लिए 24 सदस्यीय भारतीय हॉकी टीम घोषित

एजेंसी, नई दिल्ली

हॉकी इंडिया ने गुरुवार को एफआईएच पुरुष प्रो लीग 2025–26 के राउरकेला चरण के लिए 24 सदस्यीय भारतीय पुरुष हॉकी टीम की घोषणा कर दी है। टूर्नामेंट का यह चरण 10 से 15 फरवरी 2026 तक ओडिशा के राउरकेला स्थित बिरसा मुंडा अंतरराष्ट्रीय हॉकी स्टेडियम में खेला जाएगा। राउरकेला चरण में मेजबान भारत के साथ अर्जेंटीना और बेल्जियम जैसी मजबूत टीमें हिस्सा लेंगी, जिससे घरेलू दर्शकों के सामने बेहद रोमांचक और उच्च स्तरीय मुकाबलों की उम्मीद की जा रही है। भारतीय टीम में अनुभव और युवा प्रतिभा का संतुलित मिश्रण देखने को मिलता है। टीम प्रबंधन ने सभी विभागों—गोलकीपिंग, डिफेंस, मिडफील्ड और फॉरवर्ड लाइन—में गहराई और संतुलन बनाए रखने पर खास ध्यान दिया है, ताकि प्रो लीग अभियान की घरेलू शुरुआत मजबूती से की जा सके। गोलकीपिंग की जिम्मेदारी सूरज कारकेरा और पवन संभालेंगे। डिफेंस की कमान कप्तान हरमनप्रीत सिंह के हाथों में होगी। उनके साथ अमित रोहिदास, जरमनप्रीत सिंह, जुगराज सिंह, सुमित, संजय और नीलम संजीप जेस शामिल हैं, जो टीम को रक्षात्मक मजबूती और नेतृत्व प्रदान करेंगे। डिफेंस सूची में अमनदीप लकड़ा का नाम भी शामिल है, जिन्होंने हाल ही में संपन्न पुरुष हीरो हॉकी इंडिया लीग 2025–26 में शानदार प्रदर्शन किया था और 'हीरो प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट' चुने गए थे। मिडफील्ड में राजिंदर सिंह, मनमीत सिंह, विवेक सागर प्रसाद, हार्दिक सिंह, मोइरंगथेम रबीचंद्र सिंह, नीलकांत शर्मा और रोसन कुजूर शामिल हैं। यह यूनिट अनुभव, नियंत्रण और रचनात्मकता का बेहतरीन संयोजन पेश करती है। ओडिशा के 21 वर्षीय रोसन कुजूर को पहली बार सीनियर राष्ट्रीय टीम में जगह मिली है। वह 2025 एफआईएच जूनियर वर्ल्ड कप में कांस्य पदक जीतने वाली भारतीय जूनियर टीम का हिस्सा थे और हीरो हॉकी इंडिया लीग में वेदांता कलिंगा लांसरस के खिताबी अभियान में भी अहम भूमिका निभा चुके हैं। फॉरवर्ड लाइन में अभिषेक, सुखजीत सिंह, शिलानंद लकड़ा, सेल्वम कार्थी, मनदीप सिंह, अराइजित सिंह हुंडल और आदित्य अर्जुन ललागे शामिल हैं, जिन पर गोल करने और आक्रामक बढ़त दिलाने की जिम्मेदारी होगी। टीम की घोषणा पर मुख्य कोच क्रेग फुल्टन ने कहा, "यह टीम अनुभव और युवा ऊर्जा का शानदार मिश्रण है। रोसन, मनमीत और अमनदीप जैसे युवा खिलाड़ियों के साथ सीनियर खिलाड़ियों की मौजूदगी हमें संतुलन देती है। बेल्जियम और अर्जेंटीना मजबूत टीमें हैं, लेकिन हमें अपनी क्षमताओं पर भरोसा है।" घरेलू दर्शकों के जोशीले समर्थन के बीच भारतीय टीम राउरकेला चरण में शानदार प्रदर्शन करने के इरादे से उतरेगी। एफआईएच पुरुष प्रो लीग 2025–26 (राउरकेला चरण) के लिए भारत की 24 सदस्यीय टीम

गोलकीपरः सूरज कारकेरा, पवन।

डिफेंडर्सः अमित रोहिदास, जरमनप्रीत सिंह, जुगराज सिंह, हरमनप्रीत सिंह (कप्तान), सुमित, संजय, नीलम संजीप जेस, अमनदीप लकड़ा

मिडफील्डर्सः राजिंदर सिंह, मनमीत सिंह, विवेक सागर प्रसाद, हार्दिक सिंह, मोइरंगथेम रबीचंद्र सिंह, नीलकांत शर्मा, रोसन कुजूर

फॉरवर्ड्सः- अभिषेक, सुखजीत सिंह, शिलानंद लकड़ा, सेल्वम कार्थी, मनदीप सिंह, अराइजित सिंह हुंडल, आदित्य अर्जुन ललागे।

टी20 विश्वकप में भारतीय टीम को ओस से रहना होगा सावधान : धोनी

एजेंसी, रांची

भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी ने कहा है कि भारतीय टीम अपनी ही धरती पर होने वाले टी20 विश्कवप में जीत की प्रबल दावेदार है। धोनी ने कहा कि टीम के पास वह सभी खूबियां हैं जो जीत के लिए चाहिये होती हैं। टीम के पास अच्छे बल्लेबाज और गेंदबाज हैं। उसका क्षेत्ररक्षण अच्छा है। वह दबाव में भी जीत दर्ज करना जानती है। धोनी के अनुसार केवल एक चीज से उसे सावधान रहना होगा और वह है ओस। धोनी के अनुसार ओस एकदम से हालात बदल देती है। उन्होंने कहा, ' मुझे ओस नापसंद है। ओस बहुत सारी चीजों को बदल देती है। इसलिए जब मैं भी खेलता था तो मुझे ये बहुत डराती थी। जब भी ओस होती थी तो टॉस की भूमिका महत्वपूर्ण हो जाती थी। अगर हम कुछ बेस्ट टीमों के खिलाफ 10 मैच खेलें और स्थितियां एक जैसी हों तो हम उनमें से ज्यादातर बार विजेता रहेंगे।' टी20 क्रिकेट की अनिश्चितताओं का जिक्र करते हुए धोनी ने कहा, 'समस्या तब आती है जब आपके कुछ खिलाड़ियों का कोई दिन खराब हो और विपक्षी टीम में से किसी का वो शानदार दिन हो। और ये टी20 क्रिकेट में हो सकता है। ये लीग स्टेज में हो सकता है, नॉकआउट स्तर में हो सकता है और यही पर किस्मत की जरूरत होती है। कोई घायल नहीं होना चाहिए। जो भी भूमिका दी जाए, लोग टीम के लिए अपनी उस भूमिका को बखूबी निभाएं।' भारतीय टीम विश्वकप में अपने अभियान का आगाज शनिवार को मुंबई के वानखेड़े मैदान में अमेरिका के खिलाफ करेगी। टीम जबरदस्त फॉर्म में है और खिताब को बनाये रखने के लिए पूरे उत्साह के साथ उतरने जा रही है। वह टी20 में पिछले 9 द्विपक्षीय सीरीज से अजेय रही है। भारतीय टीम इस बार लगातार 9 द्विपक्षीय सीरीज जीतकर भी उत्साहित है और उसे जीत का प्रबल दावेदार माना जा रहा है। टीम की कप्तानी सूर्यकुमार यादव के पास है जो कप्तान बनने के बाद से ही बेहद सफल रहे हैं।

संतोष ट्रॉफी में केरल ने पंजाब को 4-0 से रौंदा, फाइनल में सर्विसेज से होगी भिड़ंत

एजेंसी, असम

संतोष ट्रॉफी 2025-26 के सेमीफाइनल में केरल ने शानदार प्रदर्शन करते हुए पंजाब को 4-0 से करारी शिकस्त दी और फाइनल में जगह पक्की कर ली। यह मुकाबला गुरुवार को असम के धकुआखाना फुटबॉल स्टेडियम में खेला गया। अब संतोष ट्रॉफी 2025-26 का फाइनल मुकाबला केरल और सर्विसेज के बीच खेला जाएगा, जिसमें दोनों टीमें खिताब के लिए पूरी ताकत झोंकेंगी। केरल की जीत के नायक मुहम्मद रियास पीटी रहे, जिन्होंने मुकाबले के दोनों हाफ में एक-एक गोल दागा। उनके अलावा मुहम्मद अजसल और विकनेश एम ने भी एक-एक गोल कर टीम की बड़ी जीत सुनिश्चित की। पूरे मैच में केरल का दबदबा साफ नजर आया और पंजाब की टीम को वापसी का कोई मौका नहीं मिला। इस जीत के साथ केरल ने लगभग दो दशक बाद लगातार दूसरी बार संतोष ट्रॉफी के फाइनल में प्रवेश किया है। अब खिताबी मुकाबले में केरल का सामना सर्विसेज से होगा। इससे पहले दिन के पहले सेमीफाइनल में सर्विसेज ने सिलापाथार फुटबॉल स्टेडियम में रेलवे को 2-0 से हराकर फाइनल में जगह बनाई। सर्विसेज की ओर से अभिषेक पवार ने शानदार प्रदर्शन किया। उन्होंने मैच के दोनों हाफ में एक-एक गोल दागकर अपनी टीम को दो साल बाद फाइनल में पहुंचाया। पवार ने 30वें मिनट के तुरंत बाद शानदार हाफ-वॉली से पहला गोल किया, जबकि दूसरे हाफ में पेनल्टी पर गोलकीपर को छकाते हुए गेंद को जाल में पहुंचाया।

ज़ाग्रेब रैंकिंग सीरीज़ कुश्तीः अमन सहरावत को रजत, सुजीत कलकल ने जीता स्वर्ण

एजेंसी, नई दिल्ली

ज़ाग्रेब में जारी रैंकिंग सीरीज़ कुश्ती टूर्नामेंट में भारत ने शानदार शुरुआत की है। पुरुष फ्रीस्टाइल स्पर्धाओं के पहले दिन बुधवार को भारत ने एक स्वर्ण, एक रजत और एक कांस्य पदक अपने नाम करते हुए अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग सर्किट में मजबूत उपस्थिति दर्ज कराई। पेरिस ओलंपिक कांस्य पदक विजेता अमन सहरावत ने 61 किग्रा वर्ग में रजत पदक जीतकर भारत को दिन का पहला बड़ा परिणाम दिलाया। अमन ने शुरुआती दोनों मुकाबलों में दमदार तकनीकी जीत दर्ज की। उन्होंने पहले मुकाबले में जॉर्जिया के जियोर्गी गोनियाशविली को 10–0 से और दूसरे मुकाबले में ईरान के रज़ा मोमेनिजूजादेह को 12–2 से मात दी। हालांकि तीसरे दौर में अमन को अमेरिका के ऑस्टिन डी-सैंटो के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा, जहां अमेरिकी पहलवान ने उन्हें 0–8 से फॉल के जरिए पराजित किया। भारत के लिए दिन का एकमात्र स्वर्ण पदक सुजीत कलकल ने दिलाया। सुजीत ने पुरुषों के 65 किग्रा भार वर्ग में शानदार प्रदर्शन करते हुए खिताब अपने नाम किया। उनकी इस जीत से भारतीय दल को टूर्नामेंट के शुरुआती दिन ही बड़ा मनोबल मिला और अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग अंक भी हासिल हुए। 70 किग्रा भार वर्ग में अभिमन्यु मंडवाल ने कांस्य पदक जीतकर भारत की पदक तालिका को और मजबूत किया। अभिमन्यु ने क्वार्टरफाइनल में अमेरिका के टायलर कासक को 10–0 से हराते हुए जबरदस्त प्रदर्शन किया। हालांकि सेमीफाइनल में उन्हें ईरान के सिना खलीली से 0–10 से हार का सामना करना पड़ा। इसके बाद कांस्य पदक मुकाबले में उन्होंने अमेरिका के इयान पार्कर को 6–3 से हराकर पदक पक्का किया। वहीं 86 किग्रा वर्ग में मुकुल दहिया कांस्य पदक से चूक गए। कांस्य पदक मुकाबले में उन्होंने कड़ा संघर्ष किया, लेकिन ईरान के अली सवदकूही से 5–6 के करीबी अंतर से हार गए। कुल मिलाकर ज़ाग्रेब रैंकिंग सीरीज़ के पहले दिन भारतीय पहलवानों का प्रदर्शन प्रभावशाली रहा और आने वाले मुकाबलों में टीम से और बेहतर नतीजों की उम्मीद की जा रही है।

व्यापार

तीन दिन की तेजी के बाद थमी शेयर बाजार की चाल, सेंसेक्स और निफ्टी में गिरावट

नई दिल्ली। भारतीय रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति का ऐलान होने के एक दिन पहले आज घरेलू शेयर बाजार गिरावट का शिकार हो गया। इस तरह पिछले तीन दिन से जारी तेजी के सिलसिले पर आज रोक लग गई। आज सेंसेक्स की वीकली एक्सपायरी होने के कारण भी बाजार में बिकवाली का दबाव बना रहा। दिन भर के कारोबार के बाद सेंसेक्स 0.60 प्रतिशत और निफ्टी 0.52 प्रतिशत की कमजोरी के साथ बंद हुए। आज दिन भर के कारोबार के दौरान डिफेंस, मेटल और आईटी सेक्टर के शेयरों में बिकवाली का दबाव बना रहा। इसी तरह ऑटोमोबाइल, कैपिटल गुड्स, कंज्यूमर ड्यूरेबल्स, एफएमसीजी, पब्लिक सेक्टर एंटरप्राइज और टेक इंडेक्स गिरावट के साथ बंद हुए। दूसरी ओर, ऑयल एंड गैस, पीएसयू बैंक और फार्मास्यूटिकल सेक्टर के शेयरों में आज खरीदारी होती रही। आज शेयर बाजार में आई कमजोरी के कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में ढाई लाख करोड़ रुपये से भी अधिक की कमी हो गई। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन आज के कारोबार के बाद घट कर 466.53 लाख करोड़ रुपये (अनंतिम) हो गया। पिछले कारोबारी दिन यानी बुधवार को इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 469.16 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह निवेशकों को आज के कारोबार से करीब 2.63 लाख करोड़ रुपये का नुकसान हो गया। आज दिन भर के कारोबार में बीएसई में 4,366 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें 2,726 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि 1,477 शेयरों में गिरावट का रुख रहा, वहीं 163 शेयर बिना किसी उतार-चढ़ाव के बंद हुए। एनएसई में आज 2,910 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें से 964 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में और 1,946 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में बंद हुए। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 4 शेयर बढ़त के साथ और 26 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 19 शेयर हरे निशान में और 31 शेयर लाल निशान में बंद हुए। बीएसई का सेंसेक्स आज 60.15 अंक की कमजोरी के साथ 83,757.54 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरुआत होने के बाद बाजार

में बिकवाली शुरू हो जाने के कारण ये सूचकांक गिरता चला गया। हालांकि, खरीदारों ने बीच में कई बार लिवाली का जोर बनाने की कोशिश की, इसके बावजूद बिकवाली का दबाव इतना अधिक था कि सेंसेक्स की स्थिति में अधिक सुधार नहीं हो सका। लगातार हो रही बिकवाली के कारण दोपहर दो बजे के बाद ये सूचकांक 666.07 अंक टूट कर 83,151.62 अंक के स्तर तक पहुंच गया। इसके बाद खरीदारों ने लिवाली का जोर बनाने की कोशिश की, जिसकी वजह से सेंसेक्स निचले स्तर से 150 अंक से अधिक की रिकवरी कर 503.76 अंक की गिरावट के साथ 83,313.93 अंक के स्तर पर बंद हुआ। सेंसेक्स की तरह ही एनएसई के निफ्टी ने आज 20.10 अंक फिसल कर 25,755.90 अंक के स्तर से कारोबार की शुरुआत की। बाजार खुलते ही बिकवाली शुरू हो जाने के कारण इस सूचकांक की चाल में भी गिरावट आ गई। आज के कारोबार में ज्यादातर समय बिकवालों का ही जोर बना रहा, जिसकी वजह से निफ्टी कभी भी रिकवरी कर हरे निशान में नहीं पहुंच सका। बाजार में लगातार जारी बिकवाली की वजह से ये सूचकांक दोपहर दो बजे के करीब 196.50 अंक लुढ़क कर 25,579.50 अंक के स्तर पर तक गिर गया। इसके बाद खरीदारों ने लिवाली का जोर लगाया, जिसकी वजह से निफ्टी निचले स्तर से 60 अंक से अधिक की रिकवरी कर 133.20 अंक की कमजोरी के साथ 25,642.80 अंक के स्तर पर बंद हुआ। आज दिन भर के कारोबार के दौरान स्टॉक मार्केट के दिग्गज शेयरों में से ट्रेंट लिमिटेड 2.96 प्रतिशत, मैक्स हेल्थकेयर 1.50 प्रतिशत, टाटा स्टील 1.21 प्रतिशत, जेएसडब्ल्यू स्टील 0.94 प्रतिशत और ओएनजीसी 0.84 प्रतिशत की मजबूती के साथ आज के टॉप 5 गेनर्स की सूची में शामिल हुए।

सर्राफा बाजार में तेजी जारी, चांदी ने लगाई जोरदार छलांग

नई दिल्ली। घरेलू सर्राफा बाजार में सोने के भाव में आज तेजी का रुख नजर आ रहा है। इसी तरह चांदी भी आज मजबूती के साथ कारोबार कर रही है। कीमत में तेजी आने के कारण सोना आज 440 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 480 रुपये प्रति 10 ग्राम तक महंगा हो गया है। वहीं, चांदी की कीमत में आज 20,100 रुपये प्रति किलोग्राम तक की जोरदार तेजी दर्ज की गई है। सोने की कीमत में तेजी आने के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना आज 1,54,420 रुपये से लेकर 1,54,570 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना आज 1,41,550 रुपये से लेकर 1,41,700 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी की कीमत में जबरदस्त उछाल आने के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में आज तीन लाख रुपये

प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है। दिल्ली में आज 24 कैरेट सोना 1,54,570 प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,41,700 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,54,420 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,41,550 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,54,470 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,41,600 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 1,54,420 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,41,550 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में 24 कैरेट सोना 1,54,420 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,41,550 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। भोपाल में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,54,470 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,41,600 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,54,570 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 1,41,700 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,54,470 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,41,600 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

रॉयल एनफील्ड ने बिक्री में किया 1 मिलियन यूनिट्स का आंकड़ा पार

नई दिल्ली। जनवरी 2026 में रॉयल एनफील्ड ने दमदार प्रदर्शन करते हुए मजबूत ग्रोथ दर्ज की है। कंपनी ने वैश्विक स्तर पर 1 मिलियन यानी 10 लाख मोटरसाइकिलों की बिक्री का महत्वपूर्ण आंकड़ा पार कर लिया है। वहीं एक्सपोर्ट में भी 1 लाख यूनिट्स का स्तर छू लिया है। रॉयल एनफील्ड का 350सीसी और इससे ऊपर के इंजन वाला व्यापक पोर्टफोलियो लगातार शानदार प्रदर्शन कर रहा है। हाल ही में पेश की गई नई गोअन क्लासिक 350 ने भी कंपनी की पकड़ को मजबूती दी है। वहीं डिजिटल स्पेस में कंपनी ने क्राफ्टन इंडिया के साथ साझेदारी करते हुए बीजीएमआई के वर्चुअल वर्ल्ड में अपनी लोकप्रिय मोटरसाइकिल बुलेट 350 और कॉन्टिनेंटल जीटी 650 को शामिल किया है, जिससे युवा वर्ग के बीच इसकी ब्रांड वैल्यू और बढ़ी है। जनवरी 2026 में रॉयल एनफील्ड की कुल बिक्री 1,04,322 यूनिट्स रही, जो जनवरी 2025 की

91,132 यूनिट्स की तुलना में 14.47फीसदी अधिक है। महीने-दर-महीने आधार पर यह आंकड़ा दिसंबर 2025 की 1,03,574 यूनिट्स से हल्की बढ़त के साथ ऊपर रहा। सब 350सीसी सेगमेंट ने कंपनी को सबसे ज्यादा वॉल्यूम दिया, जिसमें 92,998 यूनिट्स की बिक्री के साथ 18फीसदी सालाना बढ़ोतरी दर्ज हुई। हालांकि इस सेगमेंट में महीने-दर-महीने 2.60 फीसदी की मामूली गिरावट देखी गई।

एमजी मोटर इंडिया की कुल 4,843 गाड़ियों की बिक्री दर्ज

नई दिल्ली। वर्ष 2026 की शुरुआत जेएसडब्ल्यू एमजी मोटर इंडिया ने सकारात्मक संकेतों के साथ की है। जनवरी 2026 में कंपनी ने कुल 4,843 गाड़ियों की रिटेल बिक्री दर्ज की, जो पिछले वर्ष की समान अवधि की तुलना में 9 फीसदी अधिक है। यह वृद्धि मुख्य रूप से एमजी की इलेक्ट्रिक वाहनों और प्रीमियम मॉडल्स की बढ़ती लोकप्रियता के कारण देखी जा रही है। कंपनी का कहना है कि भारतीय बाजार में इलेक्ट्रिक वाहनों की मांग लगातार बढ़ रही है, जिसका सबसे बड़ा लाभ उसे अपनी विंडसर ईवी की सफलता के रूप में मिल रहा है। विंडसर ईवी, एमजी की अब तक की सबसे लोकप्रिय इलेक्ट्रिक कार बन

चुकी है। इसकी दमदार रेंज, विशाल इंटीरियर और आक्रामक कीमत ने इसे उपभोक्ताओं के बीच बेहद पसंदीदा बना दिया है। इस मॉडल ने एमजी की कुल इलेक्ट्रिक बिक्री को मजबूती देने में अहम भूमिका निभाई है और यह लगातार कंपनी की टॉप-सेलिंग ईवी बनी हुई है। सिर्फ ईवी ही नहीं, पेट्रोल-डीजल यानी आईसीई सेगमेंट में भी कंपनी की पकड़ मजबूत होती दिखाई दे रही है। स्पोर्टी डिजाइन वाली सायबस्टर और लग्जरी एम9 एमपीवी को ग्राहकों से सकारात्मक प्रतिक्रिया मिल रही है, जिससे एमजी का प्रीमियम बाजार में दबदबा और बढ़ रहा है। कंपनी जल्द ही अपनी नई फ्लैगशिप एसयूवी एमजी मजेस्टर को पेश करने वाली है, जिसकी आधिकारिक अनवीलिंग 12 फरवरी 2026 को निर्धारित की गई है। यह मॉडल सीधे टोयोटा फॉर्च्यूनर को चुनौती देने के उद्देश्य से तैयार किया गया है। मजेस्टर में 2.0-लीटर ट्विन-टर्बो डीजल इंजन मिलेगा, जो 213 बीएचपी की पावर और 478 एनएम का टॉर्क प्रदान करने में सक्षम है। इन आंकड़ों से संकेत मिलता है कि एमजी इस सेगमेंट में भी प्रतिस्पर्धा को नया आयाम देने वाली है।

आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा 6 फरवरी को सुबह 10 बजे करेंगे मौद्रिक समीक्षा का ऐलान

मुंबई। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) के गवर्नर संजय मल्होत्रा 6 फरवरी को सुबह 10 बजे तीन दिवसीय मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की बैठक के फैसले का ऐलान करेंगे। आर्थिक मामलों के विशेषज्ञों का मानना है कि इस बार आरबीआई एमपीसी की बैठक में पॉलिसी दरों रेपो रेट में कोई बदलाव नहीं करेगा। आरबीआई ने गुरुवार को 'एक्स' पोस्ट पर बताया कि रिजर्व बैंक के गवर्नर संजय मल्होत्रा 2026 की पहली मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की 4 से 6 फरवरी तक चलने वाली मौद्रिक समीक्षा बैठक की लाइव टेलीकास्ट बयान सुबह 10:00 बजे से देंगे। लाइव ब्रॉडकास्ट https: // youtube.com/ live / m d K

WN13DZTw ?feature=share पर देखें और पॉलिसी के बाद प्रेस कांफ्रेंस दोपहर 12:00 बजे होगी। इसका लाइव लिंक https:// youtube.com/live/z A TfxVdxXG0 ?feature=share पर आप देख सकते हैं। उल्लेखनीय है कि आरबीआई ने फरवरी, 2025 से लेकर अबतक नीतिगत ब्याज दर रेपो रेट में कुल 125 फीसदी तक की कटौती कर चुका है, जिससे रेपो रेट घटकर 5.25 फीसदी पर आ गया है।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक आरती कुमारी द्वारा अभिषेक प्रिंटिंग प्रेस, नया टोला, काजीपुर, पटना- 800004, से मुद्रित एवं मुसल्लहपुर हाट, रामपुर लेन, पटना 800006 से प्रकाशित। संपादक- अविनाश। संपादकीय कार्यालय : 8 वां तल्ला, रश्मि कॉम्प्लेक्स, पीएनटी कॉलोनी, किदवईपुरी, पटना- 800001, RNI: BIHHIN\2019/77032, फोनः 0612-2524441, 2951617, 9472072441, 9472244606, समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेवार।